धनबाद
गुरूवार 12.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-288 पृष्ठ- 12
अग्रहन शुक्ल पक्ष-11
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

विधानसभा में 11,697 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश, 'मंईया सम्मान' के लिए दिए 6,390 करोड़

रांची (एजेंसी): झारखंड की छठी विधानसभा के विशेष सत्र के तीसरे दिन राज्य सरकार की ओर से वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने चालू वित्त वर्ष २०२४-२५ के लिए ११,६९७.४५ करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश किया।

यह वित्तीय वर्ष का दूसरा अनुपूरक बजट है। अनुपूरक बजट में सबसे अधिक राशि महिला बाल विकास विभाग के लिए आवंटित की गई है। इस विभाग की ओर से संचालित 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के लिए ६,३९०.५५ करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है।

यह योजना अगस्त महीने से शुरू की गई है, जिसके तहत करीब ५७ लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक-एक हजार रुपए की राशि दी जा रही थी। सरकार ने दिसंबर महीने से राशि एक हजार से बढ़ाकर प्रतिमाह २,५०० रुपए कर दी है।

अनुपूरक बजट पेश किए जाने के पहले राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने अभिभाषण में इसकी घोषणा की। अनुपूरक बजट में स्कूली शिक्षा विभाग के लिए २७२ करोड़, पथ निर्माण विभाग के लिए १७०.१५ करोड़, ग्रामीण विकास विभाग के लिए १९४.२८ करोड़, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के लिए ४४५.९२ करोड़, ऊर्जा विभाग के लिए २,५७७.९२ करोड़ और पशुपालन विभाग के लिए २५०.९६ करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

स्पीकर ने घोषणा की कि इस अनुपूरक बजट पर गुरुवार को सदन में चर्चा होगी। इसमें प्रत्येक दल से एक-एक प्रतिनिधि को बहस में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

इसके साथ ही सदन गुरुवार दोपहर १२ बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके पहले बुधवार को सदन की कार्यवाही राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के अभिभाषण के साथ शुरू हुई।

राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में राज्य की सरकार का रोडमैप और विकास की परिकल्पना सदन में प्रस्तुत की।

उन्होंने कहा कि ६० हजार शिक्षकों के पद भरे जाएंगे। इसके अलावा १५ हजार प्रधानाध्यापकों की नियुक्ति होगी। १० हजार पुलिसकर्मियों की नियुक्ति और क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषाओं को सुदृढ़ करने के लिए १० हजार भाषा शिक्षकों को नौकरी देने का ऐलान भी अभिभाषण में किया गया।

अभिभाषण में की गई अन्य महत्वपूर्ण घोषणाओं के अनुसार, झारखंड में मदरसा बोर्ड का गठन किया जाएगा। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना से लोगों को जोड़ा जाएगा।

गरीबों को ७ किलो चावल और २ किलो दाल सरकार की ओर से दिया जाएगा। अबुआ आवास योजना के तहत २५ लाख से अधिक गरीब परिवारों को तीन कमरों का सुंदर आवास चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाएगा।

लड़कर जीत हासिल की, कभी हार नहीं मानीः सीएम

रांची (एजेंसी): सीएम हेमंत सोरेन ने बुधवार को पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं की हौसला अफजाई की. बुधवार को रांची में झामुमो केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक में सीएम हेमंत सोरेन शामिल हुए. उन्होंने कहा कि झामुमो संघर्ष से उपजी पार्टी है. यही कारण है कि हमने हमेशा हक-अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी है. लड़कर जीत हासिल की है, कभी हार नहीं मानी है.

राज्यवासियों के आशीर्वाद से मजबूत अबुआ सरकार का गठन हुआ

सीएम ने कहा कि विगत विधानसभा चुनाव में आप सभी कर्मठ नेताओं और जुझारू कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और करोड़ों राज्यवासियों के आशीर्वाद के फलस्वरूप झारखंड में मजबूत अबुआ सरकार का गठन हुआ. आप सभी को इसके लिए हार्दिक बधाई और जोहार. आने वाले समय में हमें झामुमो परिवार की जड़ों को राज्य के प्रत्येक कोने में पंहुचा मजबूत करने का काम करना है, वंचित, शोषित समेत समाज के सभी वर्ग को हक-अधिकार देने का काम करना है.

डीजीपी ने किया एमओयू पर साइन, पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को व्यक्तिगत दुर्घटना पर मिलेगा एक करोड़ का बीमा

रांची (एजेंसी): पुलिस मुख्यालय में बुधवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता की उपस्थिति में झारखंड पुलिस और बैंक ऑफ इंडिया के बीच रक्षक सैलरी पैकेज के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए. झारखंड पुलिस की तरफ से अनुराग गुप्ता और बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से रांची फील्ड महाप्रबंधक मनोज कुमार ने हस्ताक्षर किए. इस विशेष सैलरी पैकेज के तहत पुलिसकर्मियों को कई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी.

गौरतलब है कि झारखंड राज्य का अग्रणी, बैंक ऑफ इंडिया सम्पूर्ण झारखंड में स्थित ५५० से भी अधिक शाखाओं के माध्यम से पुलिस सेवा में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यक्तिगत दुर्घटना और मृत्यु बीमा एक करोड़, स्थायी पूर्ण विकलांगता पर ५० लाख, स्थायी आंशिक विकलांगता पर २५ लाख, वायुयान दुर्घटना पर २ करोड़, सामान्य मृत्यु पर १० लाख और व्यक्तिगत दुर्घटना में मृत्यु होने पर दो आश्रित बच्चों की उच्चतर शिक्षा के लिए बीमा राशि १० लाख की सुविधा भी दी जाएगी. इसके अतिरिक्त न्यूनतम ब्याज दर पर पर्सनल ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा.

वित्तीय सुरक्षा और सुविधाएं प्रदान करेगा

ये सभी विशेष बीमा सुविधाएं, बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा रक्षक सैलरी पैकेज के तहत खाता धारक को पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी. यह एमओयू झारखंड पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें वित्तीय सुरक्षा और सुविधा प्रदान करेगा.

सहायक शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया के रिजल्ट पर हाईकोर्ट ने लगायी रोक

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने कृष्ण कुमार हलदर की ओर से राज्य में २६००० सहायक शिक्षकों (आचार्य) की नियुक्ति के लिए चल रही प्रक्रिया के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई पूरी कर ली है. सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. बुधवार को हाईकोर्ट ने कहा है कि जब तक अदालत अपना फ़ैसला नहीं सुनाता रिजल्ट जारी नहीं किया जाए. हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस दीपक रौशन की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई. बुधवार को सहायक शिक्षक नियुक्ति नियमावली में पारा शिक्षकों को क्वालिफाइंग मार्क्स में छूट दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शुभम कुमार मिश्रा, शिवम उत्कर्ष सहाय और कुमार पवन ने बहस की. गडडउ की ओर से अधिवक्ता संजोय पिपरवाल ने पक्ष रखा.

राष्ट्रपति भवन ने रांची सिविल कोर्ट के -एडीजे के खिलाफ शिकायत पर लिया संज्ञान

रांची/नई दिल्ली (एजेंसी): रांची सिविल कोर्ट के एडीजे सात सह स्पेशल जज विशाल श्रीवास्तव पर लगाये गये आरोपों और उनके खिलाफ की गयी शिकायत पर राष्ट्रपति भवन ने संज्ञान लिया है. अवर सचिव गौतम कुमार ने भारत सरकार के न्याय विभाग के संयुक्त सचिव को स्वतः स्पष्ट याचिका को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया है. बता दें कि विशाल श्रीवास्तव के खिलाफ शिकायत में यह कहा गया है कि उन्होंने बड़कागांव के एक केस में सूचक द्वारा मात्र दो लोगों के खिलाफ लिखित केस करने की बात गवाही में स्वीकार करने के बाद अन्य लोगों को छह महीने की सजा दी. इसके अलावा एक अन्य केस में उन पर सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट के विपरीत ट्रायल चलाने का आरोप लगाया गया है.

बैंकिंग सिस्टम मजबूत बनाना मेरी प्राथमिकता : संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली (ईएमएस): रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पदभार संभालने के बाद कहा कि देश की आर्थिक स्थिति, ग्रोथ रेट और इन्फ्लेशन से संबंधित सभी पहलुओं की डीटेल्ड स्टडी करूंगा। मेरी प्रायोरिटी बैंकिंग सिस्टम को मजबूत बनाना और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी बनाए रखना है।

सरकार ने रेवेन्यू सेक्रेटरी संजय मल्होत्रा को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का नया गवर्नर नियुक्त किया है। उन्होंने आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह ली है। दास का कार्यकाल १० दिसंबर २०२४ को पूरा हो गया है। ११ दिसंबर से मल्होत्रा गवर्नर का पद संभाल लिया है। आरबीआई गवर्नर का पद संभालना मेरे लिए सम्मान की बात, बतौर हेड एक बड़ी जिम्मेदारी भी। आरबीआई की जिम्मेदारी केवल बैंकिंग सेक्टर तक सीमित नहीं है। रिजर्व बैंक देश के आर्थिक विकास में भी अहम भूमिका निभाता है।

3 बांग्लादेशियों को 5-5 साल की जेल

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रीय जांच एजेंसी की स्पेशल कोर्ट ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में दाखिल होने वाले तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पांच-पांच साल की सजा सुनाई है। मुंबई की स्पेशल कोर्ट ने बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद हबीबुर रहमान हबीब, हनन अनवर हुसैन खान और मोहम्मद अजाराली शुभानल्लाह को पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही उन पर दो-दो हजार रुपये का भी जुर्माना लगाया गया है। दरअसल यह मामला पहली बार २०१८ में उस समय सामने आया था, जब पुणे पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों के पुणे में रह रहे कई बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप था कि ये लोग आतंकी संगठन अलकायदा के एक ग्रुप एबीटी की मदद कर रहे थे।

रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों में 12 हजार जनरल कोच लगाने का फैसला किया

नई दिल्ली (ईएमएस): रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों में १२ हजार जनरल कोच लगाने का फैसला किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में कहा, भारतीय रेलवे का पूरा ध्यान गरीब और मिडिल क्लास परिवारों पर है। भारतीय रेलवे ने इस वित्त वर्ष में लगभग १२ हजार जनरल कोच बनाने का निर्णय लिया है।

रेलवे का यह कदम खासकर उन लोगों के लिए है, जो सामान्य कोचों में यात्रा करते हैं और जिनके लिए टिकट मिलना एक चुनौती हो सकता है। इसके अलावा इस साल ९०० अतिरिक्त जनरल कोचों को जोड़ा गया है, ताकि यात्रियों को ज्यादा सुविधा मिल सके। सरकार ने लोकसभा में कहा कि रेल मंत्रालय सभी प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों पर 'क्लर्केज शुल्क लगाता है और रद्दीकरण सहित सभी स्रोतों से प्राप्त राजस्व का उपयोग रखरखाव और संचालन से संबंधित कार्य व्यय के लिए किया जाता है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों पर रद्दीकरण शुल्क के बारे में पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में कहा, रेल यात्री (टिकट रद्दीकरण और किराया वापसी) नियम २०१५ के अनुसार आईआरसीटी की वेबसाइट के माध्यम से रद्द किए गए सभी प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों को रद्द करने पर क्लर्केज शुल्क लगाया जाता है। समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा चौधरी ने रेलगाड़ियों में सीट की कमी के कारण रेलवे द्वारा रद्द किए गए प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों पर रद्दीकरण शुल्क लगाने का मुद्दा उठाया।

चौधरी ने जानना चाहा, क्या सरकार रेलवे द्वारा रद्द किए गए उक्त प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों पर ऐसे रद्दीकरण शुल्क को माफ करने की योजना बना रही है। वैष्णव ने कहा कि अग्रिम आरक्षण अवधि के दौरान 'कन्फर्म/आरएसी टिकटों के रद्द होने पर खाली होने वाली सीट को भरने के लिए प्रतीक्षा सूची वाले टिकट जारी किए जाते हैं।

अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा

इंडिया ब्लॉक का आरोप- पक्षपात करते हैं धनखड़

नई दिल्ली (ईएमएस): सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव के मुद्दे पर लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा हुआ। राज्यसभा गुरूवार तक के लिए और लोकसभा दोपहर २ बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। हालांकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमारा मकसद है कि संसद चले, सदन में चर्चा हो। वे (सत्ता पक्ष) मुझे क्या कहते हैं, ये मायने नहीं रखता। हम चाहते हैं कि १३ दिसंबर को संविधान पर चर्चा हो। संसद के शीतकालीन सत्र के १०वें दिन मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा के जनरल सेक्रेटरी पीसी मोदी को धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया।कांग्रेस, टीएमसी, आप, सपा, डीएमके, सीपीआई, सीपीआई-एम और राजद समेत विपक्षी पार्टियों के ६० सांसदों ने नोटिस पर दस्तखत किए। विपक्ष का आरोप है कि राज्यसभा के सभापति और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन चलाते हैं और विपक्ष को बोलने नहीं देते।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 45 पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नई दिल्ली में सतत और समावेशी विकास के विषयों में उनके अनुकरणीय योगदान को मान्यता देते हुए विभिन्न श्रेणियों में चुने गए ४५ पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश की लगभग ६४ प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है। इसलिए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए गांवों और ग्रामीणों का विकास और सशक्तिकरण महत्वपूर्ण है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि पिछले एक दशक में सरकार ने पंचायतों के सशक्तिकरण के लिए गंभीर प्रयास किए हैं, जिसका उद्देश्य ठोस परिणाम प्राप्त करना है।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर और सक्षम स्थानीय निकायों के आधार पर ही विकसित भारत की नींव रखी जा सकती है। पंचायतों को अपने राजस्व के स्रोत विकसित करके आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करना चाहिए। यह आत्मनिर्भरता ग्राम सभाओं को आत्मविश्वास और देश को ताकत देगी। राष्ट्रपति ने 'राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार' के सभी विजेताओं को बधाई दी।

नियुक्ति का खुलेगा पिटारा, महिलाओं को मिलेगा आरक्षण, राज्यपाल के अभिभाषण में घोषणाओं की बहार

सरकार जल्द ही विभिन्न क्षेत्रों में बहाली करेगी, किसानों को बिना ब्याज के कृषि ऋण मुहैया कराया जाएगा

रांची (एजेंसी): विधानसभा के विशेष सत्र के तीसरे दिन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने अभिभाषण के जरिए राज्य सरकार की ओर से कई बड़ी घोषणाएं की हैं. साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि केंद्र और राज्य के परस्पर सहयोग से ही राज्य की जनता का चहुंमुखी विकास संभव है.

उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार राज्य में ६० हजार पदों पर शिक्षकों, १५ हजार पदों पर प्राधानाध्यापकों, अलग-अलग कार्यालयों के लिए २,५०० क्लर्क के अलावा १० हजार पुलिसकर्मियों की नियुक्तियां की जाएगी. इसके अलावा १० हजार भाषा शिक्षकों की नियुक्ति होगी. उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार और उनकी कंपनियों के पास बकाया १.३६ लाख करोड़ वापस लाने के लिए उनकी सरकार कानून का सहारा लेगी.

राज्यपाल के अभिभाषण के खास बिंदु इस प्रकार हैं-

स्थानीय नीति बनाकर थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी में आदिवासी और मूलवासी को शत प्रतिशत आरक्षण देगी सरकार।

सालों से खासमहल और जमाबंदी की जमीनों पर रह रहे परिवारों को जीने का अधिकार मिलेगा. गैरमजरूआ (बिना खेती वाली) जमीन पर बसे रैयत अब जमीन की रजिस्ट्री और रसीद कटा सकेंगे. यह व्यवस्था २०१७ से बंद पड़ी थी,

किसानों में बिना ब्याज के कृषि ऋण मुहैया कराया जाएगा। राज्य सरकार की सभी नियुक्तियों में महिलाओं के लिए ३३ प्रतिशत पद आरक्षित किए जाएंगे।

राज्य में प्रखंड स्तर पर सीएम स्कूल ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना होगी। राज्य के सभी प्रखंड में डिग्री कॉलेज और हर अनुमंडल में पॉलिटेक्निक कॉलेज की स्थापना होगी। दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से जोड़ा जाएगा. इसके तहत १५ लाख रु. का शिक्षा ऋण मुहैया कराया जाएगा। सभी प्रखंडों में बाबा साहेब भीमराम अंबेडकर लाइब्रेरी सह शिक्षा सहयोग केंद्र की स्थापना होगी,

सरकारी स्कूलों में केजी से पीएचडी तक मुफ्त शिक्षा मिलेगी। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत ५० लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य में मदरसा बोर्ड का गठन होगा

गरीब परिवारों को हर माह सात किलोग्राम चावल और दो किलो दाल उपलब्ध कराया जाएगा। अबुआ आवास योजना के तहत २५ लाख से अधिक गरीब परिवारों को तीन कमरे का आवास उपलब्ध कराया जाएगा। रांची और अन्य शहरों में पूर्व में बनाए गये घरों के नक्शों का नियमितीकरण किया जाएगा। वन विभाग के तहत इको टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन बनाया जाएगा। राज्यकर्मियों के पुरानी पेंशन को सुरक्षित रखते हुए उनके एनपीएस खाते में जमा राशि को केंद्र सरकार से वापस लाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। राज्य में एक स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना होगी.

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि सरकार संघीय ढांचे की स्वस्थ परंपरा को आगे बढ़ाने का काम करेगी. उन्होंने कहा कि इस सदन में अनुभवी और नये सदस्यों का समागम हुआ है.

सबको मिलकर जनादेश का सम्मान करते हुए जनभावनाओं और जनआकांक्षाओं के अनुरुप कार्य करना है.

डालसा के लिए किन्नर, पूर्व सैनिक व शिक्षक भी करेंगे काम

धनबाद (कासं) : समाज के हर तबके तक कानूनी जागरूकता फैलाने, सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों को दिलवाने में मदद करने के लिए किन्नर, पूर्व सैनिक, पूर्व शिक्षक भी डालसा के लिए काम करेंगे।

झालसा के निर्देश पर समाज के हर तबके से जुड़े ऐसे १० लोगों को पीएलवी नियुक्त किया गया है। झालसा के निर्देश पर १० नए पारा लीगल वॉलिंटियर्स की नियुक्ति के बाद बुधवार से ५ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेंद्र कुमार तिवारी व अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने किया। मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि आम लोगों को सस्ता, सुलभ एवं त्वरित न्याय प्रदान करने की दिशा में अनेक सार्थक प्रयास किए गए हैं।

इसी क्रम में विधि सेवा प्राधिकरण की ओर से विभिन्न इलाकों में पैरा लीगल वालंटियर की नियुक्ति की गई है। अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) राकेश रोशन ने बताया कि झालसा के निर्देश पर अबकी बार समाज के हर तबके से डालसा के प्रतिनिधि के रूप मे पैरा लीगल वालंटियर की नियुक्ति की गई है जिसमे किन्नर समुदाय से श्वेता किन्नर, शिवानी किन्नर, अशोक कुमार सिंह रिटायर्ड आर्मी मैन, डॉ.रुद्र नारायण दे, डॉ प्राण मोहन, शिक्षक वर्ग से उदय राम, संतोष कुमार, अजहरुद्दीन अंसारी, राजेश कुमार सिन्हा और सुंबुल केशर शामिल हैं जो ट्रेनिंग के बाद डालसा के प्रतिनिधि के रूप में काम करेंगे।

नवनियुक्त पीएलवी श्वेता किन्नर व शिवानी किन्नर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज डालसा के साथ जुड़कर वह गौरवान्वित महसूस कर रही है। न्यायपालिका ने आज उन्हें इस काबिल समझा और उन्हें सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि गरीब और असहाय लोग भी न्याय प्राप्त कर सकें। लोगों के छोटेछोटे झगड़े प्रारम्भिक स्तर पर ही आपसी बातचीत, समझौते के साथ सुलझ सके। इसके लिए हम सभी पैरा लीगल वालंटियर गाँवसमाज में जाकर न्याय के लिए प्रयासरत लोगों को त्वरित न्याय दिलवाने, उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने में प्रशासन के सहयोग से काम करेंगे।

सड़क दुघर्टना में एक की मौत, चार घायल

बलियापुर (ससे) : हीरक रोड पलानी स्थित विजयडीह के पास मंगलवार की देर रात फिर दो बाइक की हुई टक्कर में २१ वर्षीय विक्रम मिर्धा नामक युवक की मौत हो गई।

पलानी निवासी विमल मिर्धा का एकलौता पुत्र था। मृतक विक्रम मिर्धा अपने दो अन्य साथियों के साथ धनबाद से कैटरिंग का काम कर एक ही बाइक से देर रात अपने गांव पलानी लौट रहे थे।

एसएसपी ने अपराध को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

धनबाद (कासं) : धनबाद एस एस पी एचपी जनार्दनन ने बुधवार को डीसी ऑफिस स्थित पुलिस मुख्यालय में संगठित अपराध को झारखंड एटीएस और स्पेशल ब्रांच के अधिकारी के अलावा जिले के सभी डीएसपी और थाना प्रभारी, इंस्पेक्टर के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। जिसमें धनबाद के लिए सर दर्द बना प्रिंस खान एवं अमन सिंह गिरोह से जुड़े अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने रणनीति बनाई।

धनबाद एस एस पी एचपी जनार्दनन ने बताया कि धनबाद का भगोड़ा अपराधी प्रिंस खान दुबई में रहकर विभिन्न घटनाओं एवं रंगदारी के साम्राज्य को अंजाम दे रहा है, ऐसे में ऑर्गेनाइज्ड क्राइम से जुड़े अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

संगठित अपराध से जुड़े अपराधियों के खातों को सील करने से लेकर तमाम तरह की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। प्रिंस खान से जुड़े आपराधिक मामले की छानबीन के लिए बिहार से गया पुलिस पहुंची थी। पिछले एक साल के अंदर हुए संगठित अपराध से जुड़े सभी मामलों की जानकारी जुटाई जा रही है। झारखण्ड डीजीपी के आदेश पर इस गैंग से जुड़े अपराधियों का इतिहास खंगाला जा रहा है।

हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ गोविन्दपुर में विरोध मार्च

गोविंदपुर (ससे) : बांग्लादेश में मंदिरों पर हमले और हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ विहिप गो रक्षा विभाग गोविंदपुर प्रखंड ने बुधवार को गोविंदपुर बाजार में विरोध मार्च किया। बांग्लादेश मुर्दाबाद के नारे लगाए। वाणी मंदिर से शुरू होकर मार्च सुभाष चौक तक पहुंचा। इसमें शामिल लोग अपने हाथों में केसरिया झंडा और तख्तियां लिए हुए थे। भारत माता की जय, वंदे मातरम, हम सब हिंदू एक है। विश्व के सारे हिंदू एक हो, बंगलादेश होश में आओ, बंगलादेश में सेना भेजो, बंगलादेश पर हमला करो आदि नारे लगाए जा रहे थे। सुभाष चौक पर आम सभा की गई। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, संचालन अनूप कुमार साव एवं धन्यवाद ज्ञापन विहिप प्रखण्ड अध्यक्ष अनिल कुमार ने किया।

भाजपा नेत्री तारा देवी ने कहा कि बांग्लादेश सरकार की सह पर हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। मौके पर भाजपा नेता बलदेव महतो, मोहन कुम्भकार, बलराम साव, ओमप्रकाश बजाज, महेश महतो, अजय गिरि, आशीष मुखर्जी, प्रकाश बाऊरी, धर्मेंद्र महतो, बमबम साव, दिनेश मंडल, सुनील चौधरी, प्रेम कुमार, तालेश्वर साव, कुणाल गोस्वामी, प्रणय सेन, जनक झा, अरविंद कुमार, गोविंद राय, कपिल सिंह, गुडडू सोनार, देव प्रसाद चटर्जी, सोमनाथ दास, बुबाई दास, भीम पंडित, चिंटु पाल, गुडडू सिंह आदि शामिल थे।

गोविन्दपुर में शाम तक बिजली नहीं रहेगी

गोविंदपुर (ससे) : गुरुवार की सुबह ७ बजे से अपराह्न ५ बजे बजे तक गोविंदपुर क्षेत्र में बिजली बाधित रहेगी। इस दौरान डीवीसी द्वारा मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए कनीय विद्युत अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि इसको लेकर ३३/११ केवी विद्युत शक्ति उपकेंद्र आमाघाटा और खड़काबाद से भी संबंधित सभी फीडरों से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इससे गोविंदपुर बाजार, कुरैसीनगर, गोसाईंडीह, तिलकरायडीह, रतनपुर, बागसुमा, गोड़तोपा, नवाटांड, कुरची, अम्बोना, महुबनी, बरियो, पथुरिया, मटियाला, सरकारडीह, मचामहुल जंगलपुर, देवली, भेलाटांड, मोरंगा, मुर्गाबनी, गहिरा, अम्बोना मोड़ आदि क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति ठप रहेगी।

आग लगने से दुकान जलकर हुई राख

धनबाद (कासं) : तोपचाँची जीटी रोड पर नेवेदत मोदक उर्फ रयू के दुकान पर आग लग गई। घटना सुबह ३ बजे के आसपास की बताई जा रही है। रयू की दुकान एक ठेले पर स्थित थी। आग लगने से पूरी दुकान जलकर राख हो गई।

इस दौरान ठेला, १० कुर्सियां, ३ बेंच, कई पानी के जार, इनवर्टर तथा दुकान की कई जरूरत के सामान जल गई। वहीं इस अवसर पर युवा नेता सदानंद ने कहा कि दुकान में आग कैसे लगी अब तक पता नहीं चल पाया है। प्रशासन जल्द जांच कर कानूनी कार्रवाई दोषियों पर करें। इस अवसर पर जमुना प्रसाद महतो, राजेंद्र बर्मन, रमेश जायसवाल, पंचायत समिति सदस्य बावला पाल आदि ग्रामीण मौजूद थे।

मिशन एयरपोर्ट की बैठक का आयोजन

धनबाद (कासं) : मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह की बैठक नया बाजार स्थित कार्यालय में हुई। इसमें पिछले दिनों मे मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम की जानकारी दी गई। जन समस्या पर चर्चा हुई। एयरपोर्ट पर गंभीर पहल करने पर विचारविमर्श किया गया। इसमें धनबाद सांसद ढुल्लू महतो को धनबाद शहर में सांसद कार्यालय खोलने पर ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई दी। इससे आम जनता को राहत मिलेगी, सुविधा होगी।

साथ ही बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया की सांसद से अनुरोध है। कम से कम हर दो महीने में हर एक विधान सभा क्षेत्र में पूर्व सूचना देकर जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्या, शिकायत को सुने और तुरंत कार्रवाई करें। सांसद कार्यालय में रखी शिकायत पेटी वाली योजना ठीक है पर कारगर उपाय नहीं है। अगर सचमुच सांसद जनता का दुख दर्द सुनना चाहते हैं और उसे दूर भी करना चाहते हैं तो एक सुनिश्चित स्थान और पूर्व निर्धारित समय, तिथि पर आयोजित करने से ही जनता को राहत मिलेगी व सुविधा होगी। बैठक में शामिल लोग अनिल कुमार जैन, अशोक चौधरी, रवि केशरी, सुनील सिंह, आलोक चटर्जी, रविंद्र सिंह सोनिया जैन, धीरज कुमार आदि मौजूद थे।

बेईमानी की कमाई में बरकत नहीं : चतुरानंद महाराज

गोविंदपुर (ससे) : धनबाद जिला संतमत सत्संग के वार्षिक अधिवेशन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए बुधवार को महर्षि मेंही धाम बांका से आए स्वामी चतुरानंद जी महाराज ने कहा कि परमात्मा की कृपा से हमें जो मिले, उसी में संतोष करना चाहिए। संतोष परम धर्म है। नेकी की कमाई करनी चाहिए।

बेईमानी की कमाई करने से कोई लाभ नहीं है। ऐसी कमाई से बरकत नहीं होती। इस तरह की कमाई मुकदमा, बीमारी एवं अन्य रास्तों से चली जाती है। हमें झूठ, चोरी, नशा, हिंसा और व्यभिचार से बचकर रहना चाहिए। नेकी की कमाई करनी चाहिए। एकएक अक्षर पढ़तेपढ़ते लोग विद्वान हो जाते हैं और बूंदबूंद से घड़ा भर जाता है। यदि दिशा ठीक है और हम चलेंगे तो कभी न कभी गन्तव्य स्थान पर पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि हमें आत्मज्ञान हो जाए तो ब्रह्म ज्ञान हो जाएगा। ज्ञान का केंद्र ही परमात्मा है। जिस तरह दिन और रात के स्वभाव बिल्कुल उल्टे होते हैं। इसी तरह अंधकार और प्रकाश के भी स्वभाव होते हैं।

आदि ने प्रवचन किया। प्रातः योग एवं ध्यान शिविर लगाया गया श्रद्धालुओं का स्वागत समिति के जिलाध्यक्ष परमानंद प्रसाद एवं संचालन स्वामी रतन बाबा ने

प्रवचन करने वालों में स्वामी प्रेमानंद, स्वामी शाही शरण, स्वामी सकलानंद, स्वामी नीरज, स्वामी राधे, स्वामी गंभीरानंद, स्वामी रामप्रवेश, स्वामी बिंदु किया। इस आयोजन को सफल बनाने में अमर अग्रवाल, अजय चौरसिया, अशोक अग्रवाल, विनोद सिंह, आशीष, आलोक समेत पूरी समिति का योगदान रहा।

वार्ड वार प्रगणक गठन कर सर्वे शुरू करें : डीसी

धनबाद (कासं) : नगर पालिका (आम) निर्वाचन २०२४ के निमित्त पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिए जाने की पात्रता निर्धारण के लिए बुधवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं संबंधित अंचल अधिकारियों को वार्ड वार प्रगणक का गठन कर सर्वे शुरू करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि धनबाद नगर निगम एवं चिरकुंडा नगर परिषद में अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग के संबंध में वार्ड बार सूचना अद्यतन मतदाता सूची के आधार पर निर्धारित प्रपत्र १ से ३ में एवं पिछड़े वर्गों की राजनैतिक स्थिति की जानकारी के लिए अनारक्षित वर्ग के विरुद्ध चुने गए अत्यंत पिछड़ा वर्ग/पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधियों की सूचना पिछले दो निर्वाचन के आधार पर निर्धारित प्रपत्र ४ से ५ में प्राप्त कर ३१ दिसंबर से पहले पूरा करें।

उपायुक्त ने कहा कि सभी अंचल अधिकारी शीघ्र वार्ड वार प्रगणक का गठन कर डोर टू डोर सर्वे शुरू कर निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य पूरा करें।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, चिरकुंडा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी तथा सभी अंचल के अंचल अधिकारी मौजूद थे।

कोयला चोरी में पांच पर मामला दर्ज

धनबाद (कासं) : धनबाद थाना क्षेत्र के बारामुड़ी खटाल के पास चोरी का कोयला जमा किया जा रहा था। धनबाद थाना की पुलिस ने छापेमारी कर मौके से ७१ बोरा पोड़ा कोयला पकड़ा। कोयले का वजन करीब ३० क्विंटल है।

मामले में बारामुड़ी के मुकेश यादव, श्रवण यादव, अमर यादव, पवन कुमार, आलोक सिंह और धर्मवीर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। धनबाद थाना प्रभारी राम नारायण ठाकुर ने बताया कि कोयला जमा करने की सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर मौके से एक पिकअप वैन भी पकड़ी है। उस गाड़ी के मालिक और चालक को भी आरोपी बनाया गया है। एक बाइक भी मौके से जब्त की गई है। जिनके खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है, उनकी तलाश की जा रही है।

मारवाड़ी समाज के लोग एसएसपी व डीसी से मिले

निरसा (ससे) : चिरकुंडा थाना स्थित बिजली ऑफिस के समीप गत दिनों कुछ लोगों द्वारा गुटका खाकर थूकने के विवाद के मामले में बुधवार को आरोपी की जल्द गिरफ्तारी को लेकर धनबाद जिला मारवाड़ी समाज का एक प्रतिनिधि मंडल जिला के वरीय पुलिस अधीक्षक एवं उपायुक्त से जाकर घटना के संबंध में मिले। पुलिस अधीक्षक व उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि एक हफ्ते में आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी और शराबबंदी पर कड़े कदम उठाए जाएगें।

मौके पर मिलने वालों में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन धनबाद जिला के अध्यक्ष कृष्ण अग्रवाल, धनबाद नगर निगम के निवर्तमान मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, निरंजन अग्रवाल राजकुमार जिंदल, विकास गढ़याण, आकाश गढ़याण, संदीप जिंदल प्रणब गढ़याण आदि थे।

सीओ ने अतिक्रमण क्षेत्र का किया निरीक्षण

गोविंदपुर (ससे) : अतिक्रमणकारियों द्वारा गत रोड से ७५ प्रतिशत अतिक्रमण हटा दिए जाने के बाद बुधवार से गोविंदपुर सुभाष चौक से पूरब की ओर सर्विस लेन का निर्माण शुरू कर दिया गया। अंचल अधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे ने अतिक्रमण का निरीक्षण किया। उन्होंने माडा मैदान के बाहर लगी दुकानों को भी अंदर प्रवेश करने की अपील की। कहा कि माडा मैदान के बाहर किसी भी हालत में हटिया लगने नहीं दी जाएगी। सभी दुकान में माडा मैदान के अंदर शिफ्ट होगी और सभी के लिए जगह का प्रबंध मैदान में कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोगों ने अतिक्रमण हटा दिया है परंतु कुछ लोग अभी भी जीटी रोड की जमीन पर कैंजा रखे हुए हैं ऐसे लोगों को बलपूर्वक हटा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा दी गई समय सीमा समाप्त हो गई है। अब प्रशासन की देखरेख में एनएचएआई ने काम शुरू कर दिया है। अंचल अधिकारी ने कहा कि शेष अतिक्रमण प्रशासन हटा देगा। एनएचएआई के हाईवे इंजीनियर एलपी सिंह ने कहा कि गोविंदपुर सरकारी अस्पताल की ओर तथा वाणी मंदिर के समीप अभी भी अतिक्रमण है। इससे सड़क चौड़ीकरण काम में बाधा पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर बाजार के अनेक लोगों ने नाली को ही बॉर्डर मान लिया है, जबकि ऐसी बात नहीं है। नाली के बाद भी जीटी रोड की अपनी जमीन है और एनएचएआई अपनी जमीन नहीं छोड़ेगा। सभी क्रॉसिंग बंद हो जाने के कारण गोविंदपुर बाजार अब दो भागों में बंट गया है। निर्माण कार्य के दौरान लोगों को आनेजाने में भी परेशानी हो रही है।

इस कारण कई स्थानों पर लोगों को सर्विस लेन में फुटपाथ पर भी चलना पड़ रहा है। बावजूद बुधवार को भी दर्जनों बाइक चालकों का चालान काटा गया। इससे ग्रामीण परेशान है। स्थिति तो यह है कि लोग गोविंदपुर बाजार आना अब नहीं चाह रहे हैं। गोविंदपुर के विभिन्न क्षेत्रों के लोग अब बरवाअड्डा, महाराजगंज, प्रधानखंता, देवली, बरवापूर्व, निरसा आदि क्षेत्रों में खरीदारी कर रहे हैं। इसका असर गोविंदपुर बाजार के व्यापार पर पड़ा है।

डीसी के कड़े निर्देश के बाद गोविंदपुर थाना के आगे लंबे समय से खड़ी जब्त गाड़ियों को हटाया जा रहा है। गुरुवार को यह काम पूरा कर लिया जाएगा। साहिबगंज मोड़ एवं सुभाष चौक के निकट जीटी रोड पर तेज रफ्तार वाहन पर नियंत्रण के लिए रंबल स्ट्रिप लगाया गया। उधर, गोविंदपुर बाजार में आज भी वाहनों की गहन चेकिंग की गई। इसके लिए डेढ़ दर्जन से भी अधिक ट्रैफिक अधिकारी व पुलिस सक्रिय थे। चेकिंग का अधिकांश शिकार बाइक चालक बने। उनसे रॉन्ग साइड ड्राइविंग, रोड पर गाड़ी स्टैंड करने, बाइक के जरूरी कागजात नहीं रहने, इंश्योरेंस फेल होने, हेलमेट नहीं पहनने आदि पर जुर्माना वसूला गया। इस कार्य में परिवहन विभाग के कर्मचारी भी शामिल थे। भारी-भरकम जुर्माना लगाए जाने के खिलाफ लोग पूरे दिन ट्रैफिक पुलिस से उलझते रहे। लोगों ने कहा कि जब स्टैंड ही नहीं है तो फिर स्टैंड पर बाइक नहीं लगाने का जुर्माना क्यों?

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

परंपरा का दंश झेल रही एक विधवा व उसका बच्चा

धनबाद (कासं) : वैसे तो आदिवासी समाज में कई परंपराएं हैं। ऐसा ही एक परंपरा जमीन दान की है। जिसमें किसी की मृत्यु के उपरांत अगर उसके पार्थिव शरीर को मुखाग्नि देने वाला कोई नहीं है तो ऐसे में जो शख्स पार्थिव शरीर को मुखाग्नि देता है, उसे जमीन दान में दी जाती है। आदिवासी समाज इस परंपरा को भलीभांति जानते हैं, लेकिन एक विधवा और उसके बेटे को दान में दी गई जमीन को पाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। क्योंकि जिन्हें मुखाग्नि दी थी, उसके अन्य परिजन अब उस दान की जमीन पर रहने नहीं दे रहे हैं।

पंचायत की बात भी यह परिवार नहीं मान रहा है। भुक्तभोगी महिला और उसके बेटे ने थाना पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। पंचायत भी भुक्तभोगी विधवा महिला के पक्ष में खड़ा है। यह मामला कालूबथान ओपी थाना क्षेत्र का है, चिरुडीह बस्ती की रहने वाली विधवा महिला रवीना बास्की अपने बेटे और

जनप्रतिनिधि के साथ थाना पहुंची। रवीना के बेटे राहुल बास्की को जमीन दान में दी गई थी। आदिवासी समाज में जमीन दान की परंपरा के तहत ही उसे जमीन परिवार के लोगों ने दी थी। लेकिन आज इस जमीन से उसे बेदखल करने की कोशिश में लगे हुए हैं।

रवीना बास्की के पिता का नाम कार्तिक मरांडी है। कार्तिक मरांडी की बहन सामोनी मरांडी की १५ साल पहले मौत हो गई थी। सामोनी की अपनी कोई संतान नहीं थी। एक बेटी थी तो उसकी मौत बहुत पहले ही हो चुकी थी। अपनी संतान नहीं होने के कारण सामोनी की मृत्यु के उपरांत उसे मुखाग्नि देने वाला कोई नहीं था। जिसके बाद पंच के निर्णय के फलस्वरूप रवीना के बेटे राहुल को मुखाग्नि देने के लिए राजी किया गया। आदिवासी परंपरा के अनुसार पंच से उसे जमीन का एक अंश दान देने पर भी सहमति बनी। चिरूडीह में ही दान की जमीन का अंश तय हुआ। जमीन दान के उसी अंश पर रवीना और उसका परिवार रह रहा था।

वर्षों से दान की जमीन पर रह रहे रवीना को अब उसके मायके वाले रहने नहीं दे रहें हैं। रवीना के पिता कार्तिक मरांडी और रवीना के चचेरे भाई ही दान की जमीन से उसे बेदखल कर रहे हैं। रवीना के चचेरे भाई राहुल मरांडी का कहना है कि सामोनी का जहां ससुराल है, वह वहां दान की जमीन के लिए अधिकार जताए। हमारी जमीन पर उसका कोई भी अधिकार नहीं है।

वहीं पंचायत के उप मुखिया और वार्ड के सदस्यों का कहना है कि आदिवासी समाज में परंपरा है कि अपनी संतान नहीं रहने पर मुखाग्नि देने वाले को जमीन का कुछ अंश दान में दिया जाता है। इसके लिए पंचायत में निर्णय हुआ था। जिसके बाद सामोनी की मृत्यु के उपरांत उसे मुखाग्नि देने वाले रवीना के बेटे राहुल को जमीन दी गई थी।

रवीना दान की जमीन पर रह रही थी। लेकिन अब उसे परिवार के लोग हटा दिए हैं। यह बिल्कुल गलत है। तीन बार गांव में पंचायत कर चुके हैं। लेकिन पंचायत का फैसला परिवार वाले मानने को तैयार नहीं है। इस मामले को लेकर कालूबथान ओपी प्रभारी नीरज कुमार मिश्रा ने कहा कि दोनों पक्षों को समझौता कराने का आश्वासन दिया गया है। जल्द ही मामले को सुलझा लिया जाएगा।

साइबर अपराधियों से आठ बाईक व सिम बरामद

धनबाद (कासं) : पुलिस की तमाम कोशिशों के बावजूद जामताड़ा में साइबर अपराधियों के हौसलें बुलंद है। इस मामले में साइबर अपराध थाना की पुलिस इनके हौंसले को तोड़ने और जामताड़ा को साइबर मुक्त बनाने की दिशा में लगातार इन साइबर अपराधियों के विरुद्ध छापेमारी कर रही है।

ताजा मामला नारायणपुर थाना क्षेत्र मिरगा गांव की है, जहां कुछ साइबर अपराधी साइबर ठगी का जाल बिछा रहे थे, तभी इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक डॉ एहतेशाम वकारीब को मिल गई। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस निरीक्षक जयन्त तिर्की के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक बिहारी मराण्डी, पुलिस निरीक्षक प्रशांत कुमार, साईबर अपराध थाना, जामताड़ा एवं अन्य पुलिसकर्मी को शामिल करते हुए उक्त स्थान पर छापेमारी की। जहां से चार साइबर अपरधियों को गिरफ्तार किया गया। सिकन्दर मंडल, उम्र १९ वर्ष, ग्राम पंदनिया दोनों थाना अहिल्यापुर जिला गिरिडीह को फर्जी ८ मोबाईल, ९ सिम, ८ मोटरसाईकिल के साथ पकड़ा गया। इस संबंध में इनके विरूद्ध जामताड़ा साईबर अपराध थाना कांड संख्या ७४/२४ दिनांक १०.१२.२०२४ धारा १११(२) (पप)/३१७(२)/३१८(४)/३१९(२)/३३६(३)/३३८/३४०(२)/३(५) बीएन ५ २०२३ एण्ड ६६(बी) (सी) (डी) आईटी एक्ट के अंतर्गत कांड दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेजा जा रहा है।

गिरफ्तार अपराधियों की कार्य शैली में गैस कनेक्शन का बिल जमा नहीं करने तथा गैस कनेक्शन काटने का मैसेज देकर तथा खुद को किसी गैस कनेक्शन विभाग का अधिकारी बताकर सब्सीडी देने के नाम पर उनके मोबाईल पर क्यूक सुपोर्ट, एनी डेस्क जैसे मोबाईल सेयरिंग एप डाउनलोड करवाकर उनके सारे बैंक की गोपनीय जानकारी प्राप्त कर साईबर ठगी करता रहा है।

नियोजन को ले अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठा विकलांग

पुटकी (ससे) : अपने पत्नी एवं भाई को इगलदीप आउटसोर्सिंग कंपनी में प्राथमिकता के तौर पर नियोजन की मांग को ले सौ प्रतिशत विकलांग मनोज कुमार सिंह बुधवार को पीबी प्रोजेक्ट गेट के पास अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गया है। साथ में हौसला अफजाई को लेकर उनकी पत्नी आरती देवी, भाई सरोज सिंह एवं बेटी अंजली सिंह, समेत स्थानीय ग्रामीण भी उनके साथ समर्थन में बैठे हैं। परिजनों ने मनोज को माला पहनाकर उनका स्वागत किया है। इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि मैं सौ प्रतिशत विकलांग के साथ यहां का रैयतदार व विस्थापित हूँ। ७५ प्रतिशत स्थानीय को नियोजन के मामले में कंपनी को प्राथमिकता व मानवता के आधार पर मेरे परिवार को नियोजन देना होगा, अन्यथा मैं यहीं पर अपना प्राण त्याग दूंगा।

मौके पर शिवचरण सिंह, फुटुक चन्द्र महतो, विक्रम सिंह, सोनू सिंह, प्रकाश महतो, सरोज महतो, भगवान सिंह, मनोहर बाउरी उपस्थित थे।

ऑटो, कार व ट्रैक्टर में सीधी टक्कर, एक की मौत

धनबाद (कासं) : भूली ओपी क्षेत्र के भूली ८ लैन झारखंड मोड़ क्रशर के समीप ऑटो एवं और ट्रैक्टर की टक्कर में एक की मौत होने की सूचना है। घटना की सूचना मिलते ही भूली पुलिस मौके पर पहुंच गई है। बताया जाता है कि एक ऑटो विपरीत दिशा की ओर से आ रही कार में टक्कर मार दी। तभी तेज रफ्तार से ट्रैक्टर भी इन दोनों गाड़ियों से जा टकराई। इस घटना में एक की मौत मौके पर होने की सूचना है जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल बताए जाते है। पुलिस मौके पर पहुँच कर जाँच में जुट गई है।

जीनागोरा सबस्टेशन में ट्रांसफार्मर की चोरी

जोड़ापोखर (ससे) : बीसीसीएल लोदना क्षेत्र के जीनागोरा परियोजना के अंतर्गत ईस्ट बरारी सेठ कोठी सब स्टेशन में लगी ११ हजार केबी का ट्रांसफार्मर का कॉपर युक्त क्वाइल को अपराधियों ने मंगलवार की रात को चोरी कर लिया है। चोरी गई क्वाइल की कीमत लगभग २ लाख रुपए आंकी गई है। जीनागोरा परियोजना प्रबंधन ने मामले को लेकर अलकडीहा ओपी में लिखित शिकायत किया है। अपराधियों द्वारा सबस्टेशन में की गई चोरी की घटना के बाद से क्षेत्र के सैकड़ों आवासों में बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है।

मालूम हो कि ईस्ट बरारी सेठ कोठी सबस्टेशन में चार ट्रांसफार्मर लगी है जिससे आधा दर्जन समर्सेबुल पंप और हजारों घरों में बिजली की आपूर्ति की जाती है।

सबस्टेशन में करोड़ों की संपति है परंतु उसकी सुरक्षा में एक भी सुरक्षा प्रहरी की प्रबंधन द्वारा नियुक्ति नहीं की गई है। सबस्टेशन की सुरक्षा को अधिकारियों ने भगवान भरोसे छोड़ रखा है, जिसके कारण यहां अक्सर चोरी की घटनाएं होते रहती है। इस क्रम में बीती रात को अपराधियों ने सब-स्टेशन में धावा बोलकर सब-स्टेशन के ट्रांसफार्मर रूम की सेंधमारी कर अंदर प्रवेश कर ११ हजार केबी की ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर उसमें लगी कॉपर कवाइल को आराम से काटकर चोरी कर फरार हो गया है।

ट्रांसफार्मर की क्वाइल की चोरी होने से ईस्ट बरारी, गुड़-गुड़िया धौड़ा, जीनागोरा शिवमन्दिर और बगान धौड़ा आदि मुहल्ले में अंधेरा पसर गया। पिटवाटर आपूर्ति की जानेवाली दो समर्सेबुल पंप में बिजली संयोग प्रभावित होने से क्षेत्रों में जलापूर्ति ठप हो गई है। चोरी की घटना रात में तथा ठंड के मौसम में होने के चलते बिजली कटने का किसी को पता नहीं चल पाया। सुबह में स्थानीय लोगों एवं अधिकारियों को घटना की जानकारी मिली है। घटना की लिखित सूचना मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लूचीबाद के कोयला तस्कर रमेश पर रांची के एक वर्दी वाले अधिकारी का आशीर्वाद

धनबाद (कासं) : जब सैंया भय कोतवाल तो डर काहे का जानकार कहते हैं कि राजधानी में पदस्थापित वर्दी वाले एक पदाधिकारी का अप्रत्यक्ष रूप से रमेश को आशीर्वाद प्राप्त है। दुबे जी वर्दी वाले अधिकारी के नजदीकी कहे जाते हैं। दूबे जी यहां बिचौलिए के रूप में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जब रांची का आशीर्वाद मिला हो तो लोकल या जिला मुख्यालय के हुक्मरान भला क्या कर सकते हैं।

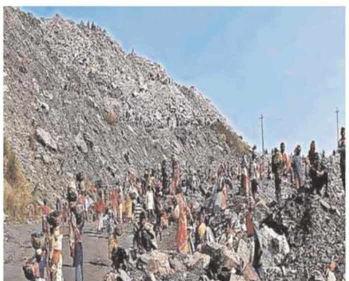

निरसा के काले हीरे की लुटेरों की चर्चा हो और शीर्ष में रमेश का नाम नहीं आवे। ऐसा हो ही नहीं सकता। पुलिस रिकॉर्ड की बात करें तो वहां भी फाइल की शोभा बढ़ा रहे हैं। रमेश बाबू। यह अलग बात है कि इसके बावजूद कानून के हाथ उसके गिरेबान तक नहीं ही पहुंचता है और न ही उसके काला साम्राज्य पर कोई कार्रवाई हो पाती है। कहते हैं ऊपर को सेट करने में रमेश को महारथ हासिल है।

निरसा पुलिस अनुमंडल के पंचेत थानांतर्गत लूचीबाद बंद खदान में कोल कंपनियों के समानांतर व्यवस्था कर रमेश बेशकीमती कोर्किंग कोल की लूट मचा रखा है।

तोपचांची थाना क्षेत्र में कोयला चोरों का सरगना अंसारी का धंधा उफान पर

धनबाद (कासं) : तोपचांची थाना क्षेत्र को अवैध कोयले से कलंकित कर रहा है अंसारी। सफेद हाथी से घूम कर लोगों को सासंद के करीबी बताता है। बाप रे बाप कोयला लोड होई रहल हो जे, एटा बीसीसीएल के जमीन नए हो ई टा रैयत के जमीन हो बप्पा रे बाप्पा यहां यदि गलत होव हो तो तोपचांची थाना पुलिस की कौन खाने सुतल हो दुवारा पर आजसू नेता के माला जपो हो कि बोलो हो ऊपर से नीचे तक के सेटिंग होई गैल हो है। बाबू सबके मिठाई देतो।

तोपचांची थाना क्षेत्र में कोयले का भंडारण में प्रतिदिन लगभग ४० टन कोयला को ट्रक में लोड कर भट्ठा में बेचा जा रहा है। सप्ताह पूर्व से कतरास मानटांड़ आवे वाला रोड जो मानटांड़ मोड़ से पहले पुल के बगल में चिमनी भट्ठा के बाउंड्री वॉल बना हुआ में कोलियरी क्षेत्र से कोयले चोरी कर मोटरसाइकिल सवार ऊंचे कीमत मिलने के कारण बाउंड्री वॉल में अवैध कोयले को बेच रहा हैं, जहां इसका सरगना एक अंसारी जो पूर्व में भी कई क्षेत्र में कोयला की चोरी कर कई पुलिस अधिकारी को कलंकित किया है। वर्तमान में बाघमारा अनुमंडल के कई थाना क्षेत्र अंतर्गत कोयला कारोबारी बन काले कोयले की कमाई से लाखों रुपए अपनी लॉकर में बंद कर रहा है, ताकि कोयले की ऊंची कीमत की बोली लगा कर कोर्किंग कोल पर राज करें।

आरएसपी में क्षेत्रीय उत्सव कार्यक्रम

बलियापुर (ससे) : आरएसपी कॉलेज झरिया बेलगढ़िया में बुधवार को भाषा संस्कृति और हम: एक क्षेत्रीय उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ निलेश कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक विशाल भू-खंड वाला देश है। जहां विभिन्न प्रकार पहचान एवं संस्कृति के लोग रहते हैं।

मदरसा बोर्ड के गठन के लिए कानूनों का हो रहा अध्ययन : हफीजुल

रांची (ससे) : झारखंड में मदरसा बोर्ड के गठन की क्वायद शुरू कर दी गई है. इसके लिए बिहार, ओडिशा और तेलंगाना के नियमकानूनों का अध्ययन भी किया जा रहा है। बताते चलें कि बुधवार को सदन में राज्यपाल के अभिभाषण में मदरसा बोर्ड के गठन का भी जिक्र है। इस मसले पर कैबिनेट मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि मदरसा बोर्ड के गठन को जल्द ही सरकार अंतिम रुप देगी। झारखंड में काफी समय से मदरसा बोर्ड की मांग की जा रही है। हफीजुल हसन ने कहा कि हज हाउस में गरीब बच्चों की पढ़ाई जल्द ही शुरू की जाएगी।

झारखंड टीम में धनबाद के चार खिलाड़ियों का राष्ट्रीय सीनियर योगासन खेल प्रतियोगिता के लिए चयन

धनबाद (कासं) : योगासन भारत द्वारा आयोजित ५वां सीनियर राष्ट्रीय योगासन खेल प्रतियोगिता तुमकुरु, कर्नाटक में १२ से १५ दिसंबर को आयोजित होने जा रहा है, प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए धनबाद जिला के ४ खिलाड़ी जसपाल सिंह, सुमित कुमार मोदी, दीपशिखा दान एवं रचना परवत सभी खिलाड़ी कर्नाटक के लिए रवाना हुए।

योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन ऑफ झारखंड के महासचिव विपिन कुमार पाण्डेय, जिला संघ के संरक्षक परिक्षीत पाण्डेय, अध्यक्ष मनोज सिंह, उपाध्यक्ष डा. शैलेष कुमार, विरेन्द्र कुमार रवानी, दिपांकर बरारी, सचिव कुणाल कुमार कार्यालय सचिव संजय यादव, सतीश सिंह, शीतल दत्ता, आरती सिंह, आरती शर्मा, कुमारी अनामिका, मिक्की कुमारी, नेहा कपूर आदि सभी सदस्यों ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दिया।

बीसीसीएलमें अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

जोड़ापोखर (ससे) : बीसीसीएल अंतर क्षेत्रीय टी २० क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत दो मैच खेला गया पहला मैच कोयला भवन बनाम ब्लॉक २ के बीच हुआ। टॉस कोयला भवन ने जीता और पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। ब्लॉक २ पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित २० ओवर में पांच विकेट पर १९८ रन बनाया गया। ब्लॉक २ की ओर से बैटिंग करते हुए पूरन महत्व ने २७ बॉल पर ७४ रन बनाए। कुलदीप ने ३७ गेंद पर ५२ रन बनाए, गोपाल दास ने २३ रन का योगदान दिया, कोल्हापुर के तरफ से बोर्लिंग करते हुए गोविंद ने दो विकेट, राजू कुमार और मनीष पासवान ने एक विकेट प्राप्त किया।

जवाबी पारी खेलते हुए कोयला भवन की टीम १३ ओवर में ६५ रन बनाकर ऑल आउट हो गई। कोयला भवन की ओर से विनोद रावत ने २० रन बनाए ब्लॉक २ की ओर से बोर्लिंग करते हुए कुलदीप ने चार रन देखकर चार विकेट लिए। अमित और बबलू को दो-दो विकेट प्राप्त हुआ। इस तरह ब्लॉक २ की टीम ने १३३ रन से यह मैच जीत कर अगले चक्र में प्रवेश किया। आज का दूसरा मैच बस्ताकोला बनाम डब्लू जे एरिया के बीच खेला गया। टॉस डब्लू जे एरिया ने जीता और पहले बैटिंग करते हुए २० ओवर में १२६ रन बनाकर ऑल आउट हो गई। अभिषेक कुमार ने ४५ रन और गौतम कुमार ने ३५ रन बनाए गए।

बस्ताकोला की तरफ से बोर्लिंग करते हुए धर्मेंद्र सिंह ने ४ विकेट और सुरेश कुमार, शत्रुघ्न निषाद ने दोदो विकेट प्राप्त किया। जवाबी पारी खेलते हुए बस्ताकोला की टीम १८.२ ओवर में ११९ रन बनाकर ऑल आउट हो गई और इस तरह डब्लू जे एरिया ने मैच सात रन से जीतकर अगले चक्र में प्रवेश किया। बस्ताकोला की ओर से बेटिंग करते हुए शत्रुघ्न निषाद ने ४२ रन और सतीश मिश्रा ने २० रन बनाए। डब्लू जे एरिया के तरफ से बोर्लिंग करते हुए मिठु प्रसाद ने ४ विकेट और शाहबाज खान ने ३ रन देखकर ३ विकेट लिए। पहले मैच के मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार कुलदीप को दिया गया वही दूसरे मैच का मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शाहबाज खान डब्लू जे एरिया को प्रदान किया गया। मैच के पहले दोनों टीमों का परिचय लोदना क्षेत्र के अपर महाप्रबंधक परवेज आलम और लोदना क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक दीपक कुमार सिंह, लोदना क्षेत्र के कार्मिक प्रबंधक प्रशासन अरिंदम कुंडू, कोयला भवन से किरण रानी, नायक प्रबंधक कार्मिक राजीव कुमार घोष, राणा प्रताप सिंह और बी एच खान व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

संपादकीय

सीरियाः 13 साल पहले भी हुआ था विद्रोह

पिछले कुछ वर्षों में तानाशाह शासकों के खिलाफ विद्रोह और तख्तापलट की कई घटनाएं हो चुकी हैं। श्रीलंका और बांग्लादेश में भी कुशासन के विरुद्ध जनआक्रोश फूटा और सत्ता परिवर्तन हो गया। सीरिया इसका ताजा उदाहरण है, जहां विद्रोही गुटों ने बशर अल-असद का तख्तापलट कर दिया। पिछले ग्यारह दिनों के संघर्ष के बाद विद्रोही गुटों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया। हालांकि असद सरकार के दमनकारी रवैये, कुशासन और तानाशाही के खिलाफ लोग काफी समय से नाराज थे।

करीब तेरह वर्ष पहले असद को सत्ता से हटाने की मांग के साथ वहां जनआंदोलन उभरा था। मगर असद उस विद्रोह को दबाने में कामयाब रहे थे। इस बार सीरियाई सेना ने एक तरह से आत्मसमर्पण कर दिया और बिना किसी खून-खराबे के विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम यानी एचटीएस ने आसानी से दमिश्क पर कब्जा कर लिया। सीरिया में विद्रोह की चिंगारी तभी फूटी थी, जब कई अरब देशों में तानाशाहों के खिलाफ जनाक्रोश भड़का था, जिसे 'अरब स्प्रिंग' कहा जाता है। अब सीरिया में तख्तापलट का बड़ा कारण रूस और ईरान का मदद से हाथ खींच लेना माना जा रहा है।

हालांकि सीरिया में विद्रोही गुट की कामयाबी पर एक बड़े हिस्से में खुशी जताई जा रही है। भारत ने भी वहां शांतिपूर्ण और समावेशी प्रक्रिया के तहत सत्ता हस्तांतरण की उम्मीद जताई है। पर यह सवाल अपनी जगह है कि क्या वास्तव में सीरिया में लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। इसके पहले तानाशाही से मुक्त हुए लीबिया, अफगानिस्तान आदि देशों का उदाहरण सामने है, जहां तख्तापलट के बाद भी स्थितियां बेहतर होने के बजाय बदतर ही होती देखी गई हैं।

सीरिया में भी विद्रोही गुट की कमान कट्टरपंथियों के हाथ में है, जो अल-कायदा से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा, वहां कई देशों और अलगाववादियों के अपने स्वार्थ हैं। ईरान और रूस सीरिया के साथ इसलिए बने हुए थे कि सीरिया रणनीतिक रूप से मध्यपूर्व का एक महत्त्वपूर्ण देश है। ईरान को हमास और हिजबुल्ला जैसे चरमपंथी संगठनों के लिए साजो-सामान जमा करने के लिए सीरिया सबसे उपयुक्त जगह है।

रूस का स्वार्थ तेल और मध्यपूर्व में अमेरिकी दबदबा रोकने को लेकर जुड़ा है। इसके अलावा, कुर्दिस्तान की मांग को लेकर कुर्द विद्रोहियों के अपने समीकरण हैं। एचटीएस में शामिल विद्रोही गुटों के भी अपने-अपने स्वार्थ हैं। इस तरह सत्ता हस्तांतरण के बाद वहां लोकतांत्रिक सरकार बन सकेगी और आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए समावेशी नीतियां बन सकेंगी, कहना मुश्किल है।

दुनिया में कहीं भी लोग तानाशाही पसंद नहीं करते। सीरिया में असद और उनके पिता की तानाशाही और दमन से लोग परेशान थे। इस दृष्टि से लोगों में लोकशाही की उम्मीद स्वाभाविक है। मगर एचटीएस से जुड़े विद्रोही संगठनों का जैसा कट्टरपंथी रुझान रहा है, उसे देखते हुए अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि सीरिया में सत्ता का स्वरूप कैसा होगा। अगर वहां भी लीबिया और अफगानिस्तान जैसे हालात बन गए, तो वह असद की तानाशाही से बुरी स्थिति होगी।

पैसे के लालच से लोगों में मरती जा रही संवेदना, स्वास्थ्य विभाग के दावे हवा हवाई

उत्तराखंड के हल्द्वानी की एक घटना से यह साफ है कि व्यवस्था के स्तर पर अस्पतालों का प्रबंधन या तो घोर लापरवाही बरतता या फिर जानबूझ कर अनदेखी करता है। दूसरी ओर, अस्पताल से बाहर एक ऐसा तंत्र खड़ा होता है, जिसे इस बात से कोई मतलब नहीं कि किसी पीड़ित के सिर पर दुख का कैसा पहाड़ टूट पड़ा है और वह किस स्तर के अभाव की मार से जूझ रहा है। गौरतलब है कि हल्द्वानी में एक युवक की तबीयत खराब हुई और इसके बाद राजकीय मेडिकल कालेज में उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसकी बहन के सामने अब शव ले जाने की चुनौती थी और शवगृह से बाहर खड़े एंबुलेंस वालों ने दस-बारह हजार रुपए की मांग की। किराया कम करने के लिए काफी विनती के बाद भी कोई तैयार नहीं हुआ। आखिर महिला को अपने भाई के शव को एक वाहन की छत पर सामान की तरह बांध कर अपने गांव ले जाना पड़ा। मामले के संज्ञान में आने के बाद जब जांच की बात आई तो अस्पताल प्रशासन ने लचर सफाई दी कि यह अस्पताल से बाहर का मामला था। सवाल है कि अस्पताल में किसी की मौत के बाद शव ले जाने का इंतजाम उसकी जिम्मेदारी में शामिल क्यों नहीं है। उपेक्षा के शिकार गरीब लोग अपनी जरूरत की बात कहने में भी किस हद तक सिमटे होते हैं, यह छिपी बात नहीं है। संवेदनहीनता की सारी हदों को पार करने वाली ऐसी घटनाएं यही बताती हैं कि व्यवस्था के स्तर पर स्वास्थ्य महकमे के दावे महज हवा-हवाई हैं, वहीं आम जिंदगी में लोग सबसे नाजुक मौकों पर भी मुनाफे के लालच में क्रूर हो जा रहे हैं। ऐसी स्थितियों की पीड़ा उन्हें शायद तभी समझ में आएगी, जब इस तरह के अभाव और दुख का सामना खुद उन्हें करना पड़ेगा। देश भर में पिछले कुछ वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए तमाम उपाय किए जाने से लेकर अलग-अलग योजनाओं के तहत समाज के सबसे कमजोर तबकों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने के दावे किए जा रहे हैं। इन दावों की हकीकत अक्सर उजागर होती रही है, जब किसी गरीब परिवार को जरूरत पड़ने पर अस्पताल जाना पड़ता है।

आज का कार्टून

भारत को क्यों इंतजार और निगरानी की जरूरत?

भारत के लिए सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार का पतन सिर्फ क्षेत्रीय सत्ता परिवर्तन से कहीं ज्यादा है। इससे पश्चिम एशिया में रणनीतिक स्थिरता को नुकसान पहुंचने का खतरा है, जो नई दिल्ली की ऊर्जा सुरक्षा और भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र है। असद की सरकार ने, अपनी विवादास्पद स्थिति के बावजूद, इस्लामिक स्टेट (आईएस) जैसी चरमपंथी ताकतों के खिलाफ व्यवस्था का आभास दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, उनके हटने से जो शून्यता पैदा होगी, उससे अराजकता फैलेगी, कट्टरपंथी समूहों को बल मिलेगा और वैश्विक आतंकवाद से लड़ने और अपने प्रवासियों की सुरक्षा करने में भारत के हितों को खतरा होगा। सीरिया में रविवार को हुए घटनाक्रम भारत और पश्चिम एशियाई राष्ट्र के बीच नई दिल्ली में विदेश कार्यालय परामर्श के एक हफ्ते से कुछ ज्यादा समय बाद ही सामने आए हैं।

अरुणिम भुयान

29 नवंबर को परामर्श के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया था, चर्चा में भारत-सीरिया द्विपक्षीय संबंधों की पूरी श्रृंखला की समीक्षा की गई, जिसमें दोनों देशों के बीच संस्थागत तंत्र को सक्रिय करने की नई प्रतिबद्धता जताई गई। दोनों पक्षों ने फार्मास्यूटिकल्स, विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर भी चर्चा की। दोनों पक्षों ने आपसी हितों के महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए।

भारत और सीरिया ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों पर आधारित मैत्रीपूर्ण संबंधों का आनंद लेते हैं। दोनों देशों का धर्मनिरपेक्ष, राष्ट्रवादी और विकासवादी दृष्टिकोण रहा है, तथा कई क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर उनकी धारणाएं समान हैं। अरब मुद्दों, विशेष रूप से फिलिस्तीनी मुद्दे और सीरिया को कब्जे वाले गोलान हाइट्स की वापसी के लिए भारत के पारंपरिक समर्थन की सीरियाई लोगों द्वारा सराहना की गई।

आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों के संदर्भ में भारत ने मई 2009 में सीरिया को 2गुणा200 मेगावाट तिशरीन थर्मल पावर प्लांट एक्सटेंशन परियोजना के आंशिक वित्तपोषण (52 प्रतिशत) के लिए 240 मिलियन डॉलर की ऋण रेखा (एलओसी) प्रदान की, जिसकी लागत 430 मिलियन डॉलर है। भारत ने 2008 में दिए गए 25 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते के तहत सीरिया में हामा आयरन एंड स्टील प्लांट के विकास और आधुनिकीकरण में मदद की। सीरिया के उद्योग मंत्रालय के तहत भारतीय कंपनी अपोलो इंटरनेशनल लिमिटेड ने जीईसीओएसटीईएल के साथ मिलकर मई 2017 में इस परियोजना को पूरा किया।

भारतीय कंपनियों का 2004 से सीरियाई तेल क्षेत्र में लंबा जुड़ाव है, जिसमें 350 मिलियन डॉलर के दो महत्वपूर्ण निवेश शामिल हैं। ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) ने 2004 में एक्सप्लोरेशन ब्लॉक-24 में 60 प्रतिशत भागीदारी के साथ सीरिया में प्रवेश किया। इसके बाद, ओवीएल ने जनवरी 2016 में अल फुरात पेट्रोलियम कंपनी (एएफपीसी) में चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीएनपीसी) के साथ मिलकर 37 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल की। चुनौतीपूर्ण सुरक्षा स्थिति के कारण, 2012 से ब्लॉक-24 में परिचालन गतिविधियां निलंबित हैं।

भारत विभिन्न तरीकों से सीरियाई युवाओं की क्षमता निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। 'भारत में अध्ययन' कार्यक्रम के तहत, सीरियाई युवाओं की तकनीकी और प्रबंधकीय क्षमता निर्माण पर जोर देते हुए 2017-18 से चार चरणों में स्नातक, परास्नातक और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए सीरियाई छात्रों को कुल 1,500 सीटें प्रदान की गई हैं। वर्तमान में, भारत सरकार भारत के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में विभिन्न स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए 25 भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) छात्रवृत्ति प्रदान कर रही है। भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत सालाना कुल 90 प्रशिक्षण स्लॉट सीरिया को दिए जाते हैं, जो अल्पकालिक पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम हैं।

सीरिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में भारत की रुचि रणनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक और भू-राजनीतिक विचारों में निहित है। सीरिया की जटिल आंतरिक गतिशीलता और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रीय वातावरण के बावजूद, दमिश्क के साथ संबंधों को गहरा करना भारत को महत्वपूर्ण अवसर और लाभ प्रदान करता है। सीरिया के साथ जुड़कर, भारत पश्चिम एशिया में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर सकता है और चीन और पाकिस्तान जैसी प्रतिद्वंद्वी शक्तियों के प्रभाव को संतुलित कर सकता है, जो इस क्षेत्र में अपने पैर जमा रहे हैं। जबकि भारत के खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों और ईरान के साथ पहले से ही मजबूत संबंध हैं। सीरिया के साथ बातचीत ने भारत की पश्चिम एशिया नीति में एक नया आयाम जोड़ा है।संघर्ष क्षेत्रों से सीरिया की निकटता और आतंकवाद-रोधी अभियानों में इसकी भागीदारी से भारत को वैश्विक आतंकवाद से निपटने में मदद मिल सकती है। खासकर कट्टरपंथ और चरमपंथी विचारधाराओं से निपटने में, जिसका दक्षिण एशिया पर भी असर हो सकता है। 2011 में जब सीरिया संकट छिड़ा तो सीरिया के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध समय की कसौटी पर खरे उतरे। भारत ने संघर्ष को गैर-सैन्य तरीके से और समावेशी सीरियाई नेतृत्व वाली राजनीतिक प्रक्रिया के माध्यम से हल करने में अपना सैद्धांतिक रुख अपनाया। संकट के चरम के दौरान भी भारत ने दमिश्क में अपना दूतावास बनाए रखा। नई दिल्ली ने सीरिया की संप्रभुता, स्वतंत्रता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, यूएनएससी संकल्प 2254 के अनुरूप, सीरिया के नेतृत्व वाली और सीरियाई स्वामित्व वाली राजनीतिक प्रक्रिया पर जोर देना जारी रखा। पिछले साल जुलाई में, तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने सीरिया का दौरा किया था। इस यात्रा को अरब स्प्रिंग विद्रोह के बाद भारत-सीरिया संबंधों की एक नई शुरुआत के रूप में देखा गया था। उस यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने विकासात्मक साझेदारी सहायता, शिक्षा और क्षमता निर्माण सहित द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।मुरलीधरन की यात्रा के तुरंत बाद, नवंबर 2023 में, भारत ने अरबी विद्वान इरशाद अहमद को सीरिया में अपना नया राजदूत नियुक्त किया, यह पद दो साल से खाली पड़ा था। इसके अलावा, फरवरी 2023 में सीरिया में आए भीषण भूकंप के बाद, भारत ने ऑपरेशन दोस्त के तहत कई टन राहत सामग्री भेजी थी।

विशेषज्ञों के अनुसार, असद शासन के निष्कासन से पश्चिम एशिया में भारत के हितों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। इराक और जॉर्डन में भारत के पूर्व राजदूत आर दयाकर, जिन्होंने विदेश मंत्रालय के पश्चिम एशिया डेस्क में भी काम किया है, ने ईटीवी भारत को बताया, जिहादी विपक्षी ताकतों के हाथों दमिश्क का पतन और सीरिया में शासन परिवर्तन से पश्चिम एशिया में सामान्य रूप से और विशेष रूप से लेवेंट में रणनीतिक स्थिति में आमूलचूल परिवर्तन होगा। यह पश्चिम एशिया में शिया क्रिसेंट को विभाजित करता है जो पूर्वी भूमध्य सागर से लेकर लेबनान, सीरिया और इराक के माध्यम से फारस की खाड़ी के तट तक फैला हुआ था। यह रूस, ईरान और इराक के लिए राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य झटके भी पैदा करता है। शासन परिवर्तन से मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक समीकरणों को फिर से परिभाषित करने की संभावना है। दयाकर के अनुसार, असद के बाद के दौर में सीरिया में गृहयुद्ध की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) एक जिहादी संगठन है, जिसकी प्रेरणा मूल रूप से इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकवादी संगठन से ली गई है और अब इसे तुर्की का समर्थन प्राप्त है। वास्तव में, एचटीएस का सप्ताह भर का सैन्य अभियान, जिसका समापन दमिश्क पर कब्जे के साथ हुआ, 2014 में पश्चिमी इराक में मोसुल शहर और अल अनबर पर आईएस के तेजी से कब्जे की याद दिलाता है। दयाकर ने कहा कि तब अमेरिकी हस्तक्षेप ने इराक को आईएस से बचाया था। तुर्की सीरियाई कुर्दों के राजनीतिक और सैन्य सशक्तिकरण का विरोध करता है, जिनके पास अपनी अच्छी तरह से सशस्त्र मिलिशिया है और उन्हें अमेरिका से सुरक्षा मिलती है।

असद का विरोध करने वाले पूर्व सीरियाई सेना के सदस्यों से बनी फ्री सीरियन आर्मी ने भी उसके सैनिकों से लड़ाई लड़ी। पराजित असद सेना के अवशेष भी देश में बिखरे हुए हैं। दयाकर ने कहा, ये सभी सत्ता-साझेदारी के लिए लड़ाई और अपने विदेशी संरक्षकों को अपने साथ जोड़ने के लिए एक वास्तविक कॉकपिट बनाते हैं। एक गृहयुद्ध क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर संकेत होगा। हालांकि, उन्होंने एचटीएस प्रमुख अबू मोहम्मद अल-जोलानी के अपने मिलिशिया को दिए गए कथित बयान का भी हवाला दिया कि नागरिक लोगों और संस्थाओं को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए और कहा कि यह शांतिपूर्ण संक्रमण के लिए एक अच्छा संकेत है।एचटीएस द्वारा घोषित राष्ट्रीय संक्रमण परिषद और सीरियाई प्रधानमंत्री मोहम्मद अल-जलाली का बयान कि वह लोगों द्वारा चुने गए किसी भी नेतृत्व के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं, सत्ता के व्यवस्थित परिवर्तन के लिए शुभ संकेत हैं। भारत के लिए, दयाकर को लगता है कि सीरिया में मौजूदा स्थिति भारत के लिए प्रतीक्षा और देखो दृष्टिकोण का आह्वान करती है। यूसनस फाउंडेशन थिंक टैंक के संस्थापक, निदेशक और सीईओ अभिनव पंड्या का भी मानना है कि अब सीरिया में पूरी तरह अराजकता होगी। पंड्या ने ईटीवी भारत से कहा, इस्लामी समूह एचटीएस अलकायदा का एक हिस्सा है और इसके आईएस से भी संबंध हैं। वहां मानवीय संकट और भी बदतर हो जाएगा। सीरिया दूसरा अफगानिस्तान बन जाएगा। संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और हथियारों की तस्करी में वृद्धि होगी। उन्होंने आगे कहा कि कट्टरपंथ में वृद्धि होगी और कट्टरपंथी इस्लामी समूहों द्वारा युवाओं की भर्ती की जाएगी। पंड्या ने कहा ऐसी जगहें गैर-राज्य अभिनेताओं और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोहों के लिए पनाहगाह बन जाती हैं।

जुबान पर रखें अपना कंट्रोल...

यह वाणी की मर्यादा है कि सत्य को भी इस प्रकार से बोलना चाहिए कि सुनने वाले को अप्रिय न लगे। सुनने वाले को यह नहीं लगना चाहिए कि हमारी भाषा से हमारा पद, धन या अभिमान बोल रहा है। वाणी हमेशा संयत, विनम्र और मधुर होनी चाहिए। ताकि सभी एक-दूसरे के निकट आ सकें। कहने को तो जीवन एक बार मिलता है, लेकिन इस यथार्थ से रूबरू होने के साथ हम यह भी जानते हैं कि इस एक जीवन को जीने के लिए रोज हमें कितनी ही चीजों की जरूरत पड़ती है। उस पर भी हर चीज संतुलित मात्रा में चाहिए। अगर कोई भी चीज अपनी निर्धारित मात्रा से कम या ज्यादा हो जाए तो बात बिगड़ते देर नहीं लगती।

अलका 'सोनी'

जीवन की कुछ गतिविधियों के लिए उचित संतुलन का होना आवश्यक है, जैसे चलना, दौड़ना और यहां तक कि बिना गिरे खड़े रहना या बैठना जैसे सरल कार्य भी। दरअसल, संतुलन वह चीज है जो हम सबकी विभिन्न स्थितियों में स्थिरता बनाए रखने में मदद करती है। मसलन, किसी चट्टान पर कदम रखना या जब हम गिरते हैं तो खुद को संभालना। हमारे पास अपने संतुलन को बेहतर बनाने और उम्र के साथ होने वाली गिरावट को रोकने की क्षमता मौजूद होती है। बस जरूरत होती है उसे जानने की और समय पर सक्रिय होने की।

हम जितने अधिक सक्रिय होंगे, हमारा संतुलन उतना ही बेहतर होगा। अच्छा संतुलन हमें गिरने और चोट लगने से बचाने में मदद कर सकता है और हमें वह काम करने में मदद कर सकता है जो हमें पसंद है। साथ ही उम्र बढ़ने के साथ हमें लंबे समय तक स्वतंत्र रहने में सक्षम बनाता है। संतुलन के साथ एक और अहम चीज है 'विचार'। विचार एक तरह से हमसे अलग होते हैं। वे ऐसी वस्तु नहीं हैं जो स्वभाव के साथ एकाकार हो जाएं। वे आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन हम बने रहते हैं 'स्थिर'। एक जगह कहीं पढ़ा है, विचारों को शून्य करने का तरीका है विचारों के प्रति पूरी तरह से सजग हो जाना। कोई व्यक्ति अपने विचारों के प्रति जितना ज्यादा सजग होगा, उतने ही कम विचार उसके मन में आएंगे। लेकिन ये विचार अपने आने और जाने के क्रम में बहुत कुछ कर सकते हैं, जिनसे जीवन की दिशा और दशा दोनों प्रभावित हो सकती है। ये हमारे मन, कर्म और वाणी को भी प्रभावित कर सकते हैं। विचारों और बोली की महत्ता पर कहा भी गया है कि 'बिना विचारे जो करें सो पाछे पछताय'।

इसका मतलब यह है कि अगर कोई व्यक्ति किसी काम को करने से पहले कुछ नहीं सोचता और उसे बस कर ही डालता है, तो बाद में उसे अपनी गलती का एहसास होता है और वह पछताता है। कर्म करने से पहले जिस तरह ठीक से सोचना चाहिए, उसी तरह वाणी के प्रयोग करने से पहले भी कम से कम दस बार जरूर सोचना चाहिए। बल्कि गुस्से के वक्त तो चुप रह जाना ही बेहतर है। जीवन में कई बार ऐसी घटनाएं होती हैं, जो इस बात पर निर्भर करती हैं कि हम क्या कहते हैं और कैसे कहते हैं!

हम कल्पना कर सकते हैं कि हम किसी नौकरी के साक्षात्कार के लिए गए हों और वहां ऐसी बातें कह कर आ जाते हैं जो लापरवाही से भरा और विचारहीन हैं। इस क्रम में हम स्वयं का बेहतर संस्करण प्रस्तुत करने से चूक जाते हैं और हमें नौकरी मिलने की संभावना भी कम हो जाती है। इसलिए अपनी जिह्वा को हमेशा अपने वश में रखना चाहिए और समय पर सोच-विचार कर ही खोलना चाहिए। यानी हमें जो कहना है, उसके हर पहलू पर विचार करके ही बोलिए। फिर आपके बोलने का क्या परिणाम होगा उसका निरीक्षण करना भी आपकी जिम्मेदारी है। क्योंकि जब तक हमने कुछ नहीं कहा है, स्थिति हमारे नियंत्रण में होती है, लेकिन जैसे ही हमने अपनी बात रख दी, उसके बाद उस पर से हमारा नियंत्रण खत्म हो जाता है। कई बार इससे अपकीर्ति होने का भय भी रहता है। साथ ही लज्जित होने और पश्चाताप से भर जाने का भी डर बना रहता है। इस संदर्भ में एक कहावत है कि यही मुंह पान भी खिलाता है और यही मुंह पिटाई भी खिलाता है या फिर जोखिम भरी परिस्थितियों में डाल देता है।

इसका यह अर्थ भी नहीं है कि हम चुपचाप अपने मुंह को सिलकर बैठे रहें। अच्छी लगने वाली बातें करना भी एक कला है। मतलब हम जब किसी के साथ बैठे हों तो अपनी विद्वत्ता दिखाने के चक्कर में जरूरत से ज्यादा बोलना या डींग हांकना गलत बात है। शेख सादी का कथन है कि दो बातें हमेशा ध्यान रखनी चाहिए- एक तो बात करने के अवसर पर चुप हो जाना और दूसरे चुप रहने के स्थान पर बोलना।

इसका अर्थ यह है कि मितभाषी बनने का प्रयास करना चाहिए। कम बोला जाए, लेकिन भली-भांति सोच-विचार कर बोला जाए। वाणी प्रयोग के अन्य नियमों में प्रिय वचन बोलना भी आता है। यानी कि हम जब भी बोलें, प्रिय बोलें। मन को शीतल करने वाले शब्दों का प्रयोग करें। अप्रिय न बोलें। एक प्रसिद्ध उक्ति है- 'सत्यं ब्रूयात, प्रियं ब्रूयात, न ब्रूयात सत्यं अप्रियं'। यानी सत्य बोलें, प्रिय बोलें, लेकिन अप्रिय लगने वाले सत्य से भी परहेज करें। यह वाणी की मर्यादा है कि सत्य को भी इस प्रकार से बोलना चाहिए कि सुनने वाले को अप्रिय न लगे। सुनने वाले को यह नहीं लगना चाहिए कि हमारी भाषा से हमारा पद, धन या अभिमान बोल रहा है। वाणी हमेशा संयत, विनम्र और मधुर होनी चाहिए। ताकि सभी एक-दूसरे के निकट आ सकें। कभी-कभी लोग इसलिए भी बात करते हैं कि वे बस चाहते हैं कि कोई उनकी बात सुने। अपनी बात कहने के बाद वे बेहतर महसूस कर सकते हैं। चाणक्य की यह उक्ति मशहूर है कि जिस वाणी से लोग अच्छा अनुभव करते हों, ऐसी प्रिय वाणी बोलने में कंजूसी कैसी!

556 आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया

बोकारो (तेनुघाट) (ससे): झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओ को लाभुकों तक पहुंचाने हेतु बेरमो तेनुघाट अनुमंडल कार्यालय स्थित सिंचाई विभाग का गेस्ट हाउस में आज दिनांक ११ दिसंबर, २०२४ को जनता दरबार का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रमाण पत्रों की स्वीकृति, विभिन्न योजनाओं की स्वीकृति सहित परिसंपत्ति का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद एवं अपर समाहर्ता श्री मुमताज अंसारी द्वारा सभी विभागों के स्टालों का निरीक्षण किया गया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा विभिन्न लाभुकों को ऑन द स्पॉट लाभ दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस दौरान उप विकास आयुक्त ने कहा कि सरकार की क्रियान्विति योजनाओं को लाभुकों तक पहुंचाने हेतु इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी बहुत सी योजनाएं हैं जो प्रचार प्रसार के अभाव एवं जानकारी के अभाव में आप उक्त योजना से वंचित रह जाते हैं लेकिन राज्य सरकार और जिला प्रशासन का यह कर्तव्य है कि हम उस योजना को आप तक कैसे पहुंचाएं इसीलिए इस तरह का कार्यक्रम आज आयोजित किया गया। साथ ही उन्होंने आगे कहा कि हम लोग स्टॉल निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों का स्टॉल का निरीक्षण किया जिसमें कम से कम समय में बहुत से लाभुकों को लाभ दिया गया।

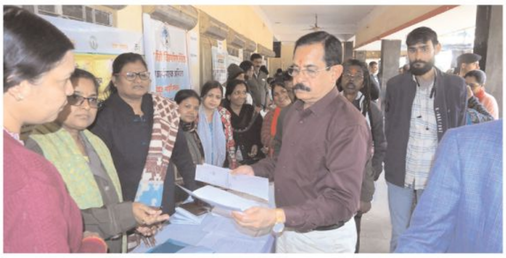

जनता दरबार के दौरान ५५६ आवेदन प्राप्त हुए जिस पर लगभग सभी आवेदनो पर त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादन किया गया। साथ ही जेएसएलपीएस पेटरवार की ओर से टमाटर एवं बैगन के २०० एवं १०० पौधे का वितरण भी किया गया एवं १५४ लोगों को स्वास्थ्य जांच की गई तथा दवाई का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान साइकिल वितरण के साथ साथ जिला समाज कल्याण के दो लाभुकों को गोद भराई एवं छोटे-छोटे बच्चों को मुंह मुंह झूठी कराई गई।

जनता दरबार के दौरान विभिन्न विभागों का स्टॉल लगाया गया जिसमें जेएसएलपीएस, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, आयुष्मान कार्ड, बाल विकास परियोजना, आधार सेंटर, खाद्य सुरक्षा विभाग, जिला भू अर्जन विभाग, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, कल्याण विभाग, कृषि विभाग, विद्युत आपूर्ति, मनरेगा, पशुपालन विभाग, आधार पंजीकरण एवं जिला आपूर्ति विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल तेनुघाट का स्टॉल का स्टॉल लगाया था।

जनता दरबार के दौरान पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को ऑन द स्पॉट स्वीकृति पत्र दिया गया जिसके तहत मैया सम्मान योजना के तहत जरीडीह प्रखंड की ओर से मंजू देवी, अनीता देवी, पुष्पा देवी, पूजा कुमारी एवं शोभा कुमारी को लाभ दिया गया।

पेटरवार प्रखंड अंतर्गत अबुआ आवास की स्वीकृति पत्र हेतु उलगड़ा पंचायत के कैलाश महतो, सूमा देवी, मुखली देवी, लक्ष्मी देवी एवं डुमनी देवी का लाभ दिया गया। इस तरह १५वें वित्त आयोग के तहत के हरिदास गंझू, रंजीत करमाली अजीत कुमार सोरेन महेश कुमार एवं बुधन भोक्ता को लाभ दिया गया।

चंद्रपुरा प्रखंड अंतर्गत मैया सम्मान योजना के तहत सोनी देवी, मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत मंजू देवी, मुख्यमंत्री राज्य विधवा सम्मान योजना के तहत गीत देवी एवं सुंदरी देवी, अबुआ आवास योजना के तहत कलावती देवी, गुरु चरण महतो, बिरसा सिंचाई कूप योजना के तहत तूलेश्वर महतो एवं थानु महतो, मुख्यमंत्री पशुधन योजना अंतर्गत शूकर शेड योजना के तहत दिलीप कुमार महतो, मुख्यमंत्री पशुधन योजना अंतर्गत कुकुट शेड के तहत श्यामलाल महतो एवं बिरसा बागवानी ग्राम योजना अंतर्गत आम बागवानी हेतु अजीत चंद्र महथा एवं दिनेश कुमार महतो को स्वीकृति पत्र दिया गया। इसके अलावे अन्य सभी प्रखंडों के भी लाभुकों को ऑन द स्पॉट लाभ दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो तेनुघाट मुकेश मछुआ, सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग पीयूष कुमार, भूमि सुधार उपसमाहर्ता प्रभाष दत्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला समाज समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया, भूमि सुधार उपसमाहर्ता तेनुघाट, सहित बेरमो प्रखंड विकास पदाधिकारी, गोमिया प्रखंड विकास पदाधिकारी, नावाडीह प्रखंड विकास पदाधिकारी, पेटरवार प्रखंड विकास पदाधिकारी, कसमार प्रखंड विकास पदाधिकारी, जरीडीह प्रखंड विकास पदाधिकारी, चंद्रपुरा प्रखंड विकास पदाधिकारी, गोमिया अंचल अधिकारी, नावाडीह अंचल अधिकारी, कसमार अंचल अधिकारी, चंद्रपुरा अंचल अधिकारी, बेरमो अंचल अधिकारी सहित विभिन्न प्रखंडों के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

विजय कुमार ने चिरेका के नये जीएम का पदभार संभाला

चित्तरंजन (ससे): भारतीय रेलवे मैकेनिकल इंजीनियर सेवा १९८८ बैच के वरिष्ठ अधिकारी, विजय कुमार ने १० दिसंबर, २०२४ को आधिकारिक तौर पर चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) के महाप्रबंधक के रूप में पदभार संभाला लिया है। चिरेका के महाप्रबंधक के रूप में अपने योगदान से पहले श्री कुमार, उत्तर पश्चिम रेलवे/ जयपुर में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के रूप में सेवा प्रदान कर रहे थे।

श्री कुमार ने पंजाब इंजीनियरिंग विजय कुमार नेंलेज/चंडीगढ़ से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक की पढाई पूरी की। ३० वर्षों से अधिक के अपने शानदार करियर के दौरान, इन्होंने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया है। उत्तर रेलवे, आरडीएसओ, रेलवे बोर्ड और उत्तरी पश्चिम रेलवे में सेवा प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के निदेशक/रोलिंग स्टॉक/ दिल्ली के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इन्होंने बहुत सराहनीय योगदान दिया। श्री कुमार ने सिंगापुर और मलेशिया से उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम का प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूरा किया है। इन्होंने क्रिस /नई दिल्ली से सूचना प्रौद्योगिकी और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस/हैदराबाद से स्ट्रेटेजिक प्रबंधन विषयों पर कार्यशाला में प्रशिक्षण लिया है।

उम्मीद है कि चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) परिवार की पूरी टीम इनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में नवाचार के साथ अद्वितीय प्रगति का स्वर्णिम इतिहास स्थापित करेगी।

सीएम से मईयां योजना का विशेष कैम्प लगाने का आग्रह

कोडरमा (ससे): कोडरमा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का एक शिष्टमंडल मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात कर विधानसभा चुनाव में उनके नेतृत्व में धर्मनिरपेक्ष शक्तियों की भारी जीत पर उन्हें बधाई दिया. शिष्टमंडल का नेतृत्व सीपीएम पोलिट ब्यूरो सदस्य बृंदा कारात ने किया. मुख्यमंत्री से करीब आधे घंटे तक की वार्ता में झारखंड के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई.

शिष्टमंडल में शामिल पार्टी के राज्य सचिवमंडल सदस्य और स्थानीय ट्रेड यूनियन नेता संजय पासवान ने मुख्यमंत्री से महत्वाकांक्षी मईयां सम्मान योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे गृहणी और गरीब महिलाओं को काफी खुशी मिली है. अब अपने निजी जरूरतों के लिए पति और माता पिता पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है. लेकिन राज्य की हजारों गरीब और जरूरतमंद महिला इस योजना से वंचित हैं.

हजारों आवेदनों की इंट्री में प्रज्ञा केंद्रों द्वारा बैंक एकाउंट नंबर या आईएफएससी कोड भरने में गलती कर दिया गया है. जिसके कारण रोज हजारों वंचित महिला प्रखंड व अंचल कार्यालयों में सुबह से ही लाईन लगाकर खड़ी हो जाती है. लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है.

उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि विशेष कैम्प लगाकर त्रुटिपूर्ण आवेदनों में सुधार किया जाए. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुधार पोर्टल को जल्द चालू करने का आश्वासन दिया. शिष्टमंडल में पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, प्रफुल्ल लिंडा और समीर दास शामिल थे।

क्रशर मालिक से मांगी 20 लाख की रंगदारी

रांची (ससे): बरियातू थाना क्षेत्र के हरिहर सिंह रोड निवासी क्रशर संचालक शैलेंद्र प्रताप नारायण सिंह उर्फ अनूप सिंह से देवा गिरोह के सदस्य अविनाश तिवारी ने २० लाख रुपए की रंगदारी मांगी है. रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की भी धमकी दी गई है. इस संबंध में शैलेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने बरियातू थाने में रंगदारी मांगने की प्राथमिकी दर्ज कराई है.

दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि वे विगत एक साल से टाटीसिलवे में क्रशर संचालन का व्यवसाय कर रहे हैं. कहा कि उनको मोबाइल पर कॉल कर धमकी देते हुए कहा कि वह देवा गिरोह का सदस्य अविनाश तिवारी बोल रहा है. उसने कहा कि तुम्हारा बच्चा संत थॉमस स्कूल धुर्वा में पढ़ता है और तुम अंजली अपार्टमेंट में घर लिए हो. उसने कहा कि एक सप्ताह के अंदर २० लाख रुपए का इंतजाम करके रखो, वरना जान से मरवा दूंगा.

उपायुक्त ने 3 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया

कोडरमा (ससे): कोडरमा उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा अनुकंपा पर आधारित तीन अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जिसमें रूची पांडेय, रोनाल्ड अंकित लकड़ा और सन्नी कुमार को अनुकंपा पर आधारित नियुक्ति पत्र दिया गया।

रेखा पांडेय, रोनाल्ड अंकित लकड़ा को निम्नवर्गीय लिपिक और सन्नी कुमार को चौकीदार के पद पर नियुक्ति पत्र दिया गया। उपायुक्त ने सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दी और बेहतर तरीके से कार्य करने को कहा। इस मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम, प्रधान लिपिक तरूण लाल मौजूद रहे।

विद्यालय में मेगा अपार दिवस का आयोजन

डुमरी (ससे): विद्यालय के शत प्रतिशत छात्र-छात्राओं का अपार आईडी निर्माण को लेकर पीएनडी जैन मध्य विद्यालय इसरी बाजार में ९ एवं १० दिसंबर को मेगा अपार दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के माता पिता/ अभिभावक पहुंचे और सहमति पत्र पर अपना हस्ताक्षर किया।बच्चों का अपार आईडी तैयार करने में अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है।

इस बाबत प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन ने बताया कि भारत सरकार की ओर से देश भर में विद्यार्थियों की १२ अंकों की एक आजीवन यूनिक पहचान अपार आईडी.तैयार कराई जा रही है।इसमें विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम अंक प्रमाण पत्र तथा

विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से प्राप्त उपलब्धियो को भी डिजि लॉकर के माध्यम से संधारित किया जाएगा।

विद्यालय में सत्र २०२४-२५ में अध्यनरत ३५८ छात्र छात्राओं में से २९९ छात्र-छात्राओं के अभिभावको ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर विद्यालय को सौंपा।सभी वर्ग शिक्षक एवं कार्यालय में महेश कुमार व शक्ति प्रसाद महतो ने अभिभावकों को सहयोग प्रदान किया।अभिभावकों में इसे बनवाने में काफी जागरूकता दिखाई। इस दौरान

विद्यालय शिक्षक नेम कुमार जैन, अंकित जैन, अशोक कुमार सिन्हा, राजेश ठाकुर, महेश साव, जितेन्द्र प्रसाद, शक्ति प्रसाद महतो, महेश कुमार, विनोद कुमार शिक्षिका निकी कुमारी, ममता कुमारी, मनोरमा कुमारी आदि उपस्थित थे।

झाएकिमयू की पहल से 3 युवाओं को मिला रोजगार

डुमरी (ससे): झारखण्ड एकता किसान मजदूर युनियन कें केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो कें प्रयास एवं पहल से डीवीसी निमियांघाट में ३ स्थानीय युवाओं को मानदेय आधारित रोजगार दिया गया।जिन बेरोजगारों को रोजगार मिला उसमें कुलदीप महतो ग्राम खेतको, सुशील टुडू ग्राम फुचो नगरी एवं हेमलाल टुडू फुचो नगरी शामिल है।युवाओं ने यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष का आभार जताया है।वहीं केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने कहा कि किसान, मजदूर, शोषित,वंचित एवं बेरोजगारों को उसका हक अधिकार दिलाने के लिए ही यूनियन का गठन किया गया है।इस दौरान यूनियन का केंद्रीय महासचिव रवीन्द्र कुमार,मो,शाहिद अंसारीआदि उपस्थित थे।

कर्नल की पत्नी का अपहरण कर दुष्कर्म का प्रयास

लखनऊ (ईएमएस): आम आदमी तो छोडिए कर्नल जर्नल भी सुरक्षित नहीं हैं। इसकी बानगी यहां उस वक्त देखी गई जब कर्नल की पत्नी को एक युवक ने कार में बंधक बनाकर दुष्कर्म का प्रयास किया गया।

विरोध करने पर चाकू से कई वार किए, जिससे वह घायल हो गई। पीड़िता ने किसी तरह पुलिस को सूचना दी। इसके बाद गोमतीनगर इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी ने टीम के साथ मिलकर पीड़िता को खोज निकाला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है।

जिले के सभी शिक्षण संस्थान होंगे तम्बाकू मुक्त

कोडरमा (ससे): कोडरमा जिले के सभी शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त बनाने एवं ढेक्सएख के दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन तथा तम्बाकू मुक्त युवा अभियान २.० हेतु स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा सोशियो इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल डेवलॉपमेंट सोसाईटी (सीड्स) के तकनीकी सहयोग से एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शिक्षा विभाग कोडरमा के बिक्रम परमार ने कार्यशाला में उपस्थित सभी पदाधिकारीयों, प्राचार्यों, शिक्षकों एवं मीडियाकर्मियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में बताया। जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री अभिनाश राम ने अपने संबोधन में कहा कि तम्बाकू सेवन की आदत जनस्वास्थ्य के लिए एक बड़ी समस्या के रुप में वैश्विक स्तर पर उभर रहा है। अतः तंबाकू सेवन के दुष्परिणाम के प्रति अवयस्क और युवा वर्ग में जागरूकता फैलाना बहुत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि हम सब की जिम्मेदारी है कि अपने आनेवाले भविष्य की चिंता करते हुए युवाओं और अवयस्कों को तम्बाकू की लत से दूर रखा जाये। उन्होंने बताया कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार के मार्गदर्शन में सोशिओ इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसायटी (सीड्स) झारखण्ड द्वारा तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप क्रियान्वयन हेतु साकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सीड्स झारखण्ड के सहयोग से स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा राज्य के सभी शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त घोषित कराने हेतु हमारे कोडरमा जिले में इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है एवं क्रमवार इस कार्यशाला का आयोजन राज्य के सभी जिलों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज कोडरमा जिला में इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है और जल्द ही राज्य के अन्य जिलों में अभियान चलाकर सभी जिलों के सभी विद्यालयों को तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू सेवन न करने का सपथ दिलाया। सीडस के कार्यक्रम समन्वयक रिम्पल झा ने तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की आवश्यकता के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होने बताया कि तम्बाकू का उपयोग पूरी दुनियाँ के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। लेकिन इसका कारोबार और उपयोग विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों में ज्यादा तेजी से बढ रहा है।

तम्बाकू उत्पाद से बच्चे, अवस्क एवं युवा वर्ग के लोगों को बचाये जाने की आवश्यकता है। ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे (२०१९) द्वारा सम्पूर्ण विश्व में युवाओं द्वारा तम्बाकू सेवन से संबंधित जो आंकड़े संकलित किये गये हैं वह यह दर्शाता है कि भारत में १३-१५ वर्ष के ८.५ प्रतिशत छात्रगण किसी न किसी प्रकार के तम्बाकू का उपयोग कर रहे हैं वहीं झारखण्ड मे यह ५.१ प्रतिशत है जो चिन्ता का विषय है।

श्री झा ने बताया कि पिछले ७-८ वर्षों से झारखण्ड सरकार और सीड्स ने मिलकर राज्य एवं जिला स्तर पर तम्बाकू सेवन को नियंत्रित करने के लिए काफी प्रभावी कदम उठाये हैं। उन प्रयासों का प्रतिफल गेट्स २ के रिपोर्ट में देखने को मिला था, जिसके मुताबिक हमारे राज्य में तम्बाकू सेवन करने वालों का प्रतिशत ५० .१ % से घट कर ३८.९ % पर आ गया था। लेकिन हम अभी भी राष्ट्रीय औसत (२८.६%) से काफी ऊपर हैं। उन्होंने कहा कि तम्बाकू सेवन से हर साल देश में लगभग १३ लाख लोगों की मौत हो रही है। तम्बाकू सेवन से खास तौर पर बच्चों, अवयस्कों एवं युवा वर्ग के लोगों को बचाये जाने की आवश्यकता है। उन्होने कहा प्रायः ऐसा देखा जाता है कि राज्य के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के आस-पास तम्बाकू उत्पाद जैसे कि सिगरेट, बीडी. पान मसाला, जर्दा एवं खैनी इत्यादि की बिक्री की जाती है। इससे कम आयु के युवाओं एवं छात्रों में धूम्रपान एवं तम्बाकू सेवन की व्यसन को बढ़ावा मिलता है। अवयस्क और युवा वर्ग तम्बाकू पर आधारित व्यापार एवं उद्योगों के निशाने पर होते हैं, यह हमारे लिए एक गंभीर समस्या है।

तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप क्रियान्वयन किए जाने के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। साथ ही देश के अन्य राज्यों में इस बाबत किये जा रहे अच्छे कार्यों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने तम्बाकू मुक्त पीढ़ी एवं तम्बाकू मुक्त गॉव बनाए जाने की पूर्ण जानकारी दी। कंचन कुमारी क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि हम सब की जिम्मेदारी है कि अपने आनेवाले भविष्य की चिंता करते हुए युवाओं और अवयस्कों को तम्बाकू की लत से दूर रखा जाये। उन्होंने बताया कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार के मार्गदर्शन में सोसिओ इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसायटी (सीड्स) झारखण्ड द्वारा तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप क्रियान्वयन हेतु साकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं।

अंत में शिक्षा विभाग कोडरमा के बिक्रम परमार ने कार्यशाला में भाग लेने के लिए सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे जिला शिक्षा पदाधिकारी की सहमति से कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, चयनित विद्यालय के प्राचार्य, नोडल शिक्षक, सीड्स झारखंड के क्षेत्रीय समन्वयक भोला पाण्डेय एवं मीडिया कर्मी उपस्थित हुए।

बिहार में राजद से सीधी टक्कर के मूड में कांग्रेस

पटना (एर्जेसी): लालू प्रसाद यादव ने जब से इंडिया ब्लॉक की कमान ममता बनर्जी को सौंपने की वकालत की है, तभी से कांग्रेस के साथ राजद के रिश्तों में खटास आ गई है.

अब कांग्रेस पार्टी राजद से सीधी टक्कर लेने के मूड में दिखाई दे रही है. इसी कड़ी में कांग्रेस ने अब बिहार में मुस्लिम डिप्टी सीएम बनाने की मांग कर दी है. दरअसल, बिहार कांग्रेस के प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा कि २०२५ में कोई मुस्लिम नेता डिप्टी सीएम बनेगा. हालांकि, सीएम के तौर पर उन्होंने तेजस्वी यादव का नाम ही आगे बढ़ाया. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे और उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री होंगे, जिसमें एक मुस्लिम समुदाय से होगा, जबकि दूसरी डिप्टी सीएम सामान्य समुदाय से होगा.

कांग्रेस की इस मांग से राजद का बेस वोटबैंक खिसक सकता है. वहीं कांग्रेस ने यह डिमांड करके जेडीयू को भी सकते में डाल दिया है.

बता दें कि बिहार में मुस्लिम-यादव सूबे में करीब १६-१६ फीसदी हैं. लालू यादव ने ९० के दशक में यादव-मुस्लिम का ऐसा राजनीतिक गठजोड़ बनाया, जिसके दम पर उन्होंने १५ साल तक बिहार पर राज किया. राजद पिछले १५ साल से सत्ता में नहीं है, लेकिन मुस्लिम-यादव ने उसका साथ नहीं छोड़ा है. अब लालू के इस वोटबैंक में सभी दल सेंधमारी करने की कोशिश करते रहते हैं. लालू यादव के बदले रुख के बाद कांग्रेस भी इस वोटबैंक को टारगेट कर रही है.

वहीं नीतीश कुमार को भी मुस्लिम वोटरों का काफी साथ मिलता है. यही वजह है कि कांग्रेस की डिमांड से जेडीयू को भी इससे खतरा महसूस होने लगा है.

लालू यादव के बयान पर आती है घृणा : शांभवी चौधरी

पटना (एर्जेसी): राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रस्तावित 'महिला संवाद यात्रा' के संबंध में दिए 'नैन सेंकने वाले' बयान पर सियासत गरमा गई है. समस्तीपुर से लोजपा (रा.) सांसद शाम्भवी चौधरी ने कहा कि एक नेता या सांसद होने के नाते नहीं बल्कि बिहार की एक बेटी होने के नाते लालू यादव के बयान पर घृणा आती है.

उन्होंने अपने बयान के जरिये महिला समाज को नीचा दिखाने का काम किया है. जो नेता महिलाओं की समस्या को सुनता है, वह उनकी नजर में आंख सेंकने जाता है. अगर आज कोई नेता महिलाओं के बीच जाकर उनकी समस्या सुनना चाहते हैं, उनसे संवाद करना चाहते हैं तो क्या वह नैन सुख कर रहे हैं. आज बिहार की महिलाएं आगे बढ़कर निडर होकर बात करती हैं.

उल्लेखनीय है कि लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा, वह नैन सेंकने जा रहे हैं. इसके बाद वह सरकार बनाएंगे. इसी बयान को लेकर लालू प्रसाद यादव को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है.

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने 'हिंदुत्व' को बीमारी बताया है. इसे लेकर शाम्भवी चौधरी ने कहा, हम लोग हर धर्म की बात करते हैं लेकिन उन्होंने हिन्दू धर्म को बदनाम करने की कोशिश की. हिन्दू धर्म जीवन जीने का तरीका है लेकिन उन्होंने गलत बयानबाजी की है. इसके लिए उन्हें माफी मांगना चाहिए.

इल्तिजा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, यह सब देखकर भगवान राम भी बेबसी और शर्म से सिर झुका लेंगे कि उनके नाम का इस्तेमाल करके नाबालिग मुस्लिम बच्चों को सिर्फ इसलिए चप्पलों से मारा जा रहा है क्योंकि उन्होंने राम का नाम लेने से इनकार कर दिया. 'हिंदुत्व' एक बीमारी है, जिसने लाखों भारतीयों को प्रभावित किया है और भगवान के नाम को कलंकित किया है.

लालू बुढ़ापा में सठिया गए हैं : सांसद लवली

पटना (एर्जेसी): लालू प्रसाद यादव के आंख सेकने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जदयू सांसद लवली आनंद ने कहा कि बहुत गलत बात लालू प्रसाद यादव बोल रहे हैं. लालू जी बुढ़ापा में सठिया गए हैं. यह महिला जाति का अपमान है. इस तरह का नहीं बोलना चाहिए. मुख्यमंत्री के पद पर रहे हैं लालू जी और महिला जाति के लिए इस तरह बोलना और मुख्यमंत्री जी के लिए इस तरह बोलना शोभा नहीं देता है, उनको अपने शब्दों को वापस लेना चाहिए.

तिरहुत स्नातक चुनाव में जदयू उम्मीदवार की हार पर लवली आनंद ने कहा कि ये देखना पड़ेगा ऐसा कैसे हुआ, बहुत सारी बातें है उसपर मिल बैठकर समीक्षा करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि देश और बिहार में एनडीए की अच्छी सरकार चल रही है. बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार १५ दिसंबर से महिला संवाद यात्रा पर निकल रहे हैं. एनडीए ने इस बार २२५ सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है. इस पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने विवादित बयान देकर बिहार की गरम राजनीति को और गरमा दिया है.नीतीश कुमार की यात्रा और एनडीए के २२५ सीटों के लक्ष्य को लेकर लालू प्रसाद यादव ने कहा, अच्छा हैं जा रहे हैं तो नैन सेंकने जा रहे हैं. २०२५ में हम लोग सरकार बनाएंगे. लालू प्रसाद यादव ने यह भी कहा कि पहले आंख सेकें ना.

अगले चुनाव में कोई मुस्लिम नेता डिप्टी सीएम बनेगा : कांग्रेस

पटना (एर्जेसी): बिहार विधानसभा चुनाव अगले साल होना है, लेकिन अभी से राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को रिझाने का काम शुरू कर दिया है. इसमें अधिकतर दलों की नजर मुस्लिम वोटरों पर है. इसिलए मुस्लिम नेताओं द्वारा नेतृत्व करने की बात उठाई जाने लगी है. इसमें एक तरफ कांग्रेस है तो दूसरी ओर जदयू है. दरअसल कांग्रेस नेता शहनवाज आलम तेजस्वी यादव को सीएम और किसी मुस्लिम नेता को डिप्टी सीएम बनाने की बात कही है. लेकिन जदयू नेता खालिद अनवर ने इस पर करारा जवाब दिया.

कांग्रेस विधायक शहनवाज आलम का कहना है कि बिहार में २०२५ में कोई मुस्लिम नेता डिप्टी सीएम बनेगा. तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे और उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री होंगे. शहनवाज के इस बयान पर जदयू के एमएलसी खालिद अनवर भड़क गए. उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगा दिया. खालिद ने कहा कि कांग्रेस को आज मुसलमान की याद आ रही है. कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और असम समेत कई राज्यों में मुसलमान की लीडरशिप को खत्म कर दिया. कहा कि दो उप मुख्यमंत्री होंगे, जिसमें एक मुस्लिम समुदाय से होगा, जबकि दूसरी डिप्टी सीएम सामान्य समुदाय से होगा. जदयू एसएलसी खालिद अनवर ने कहा कि कांग्रेस के दामन पर मुसलमान के कत्ल के दाग हैं. बिहार विधानसभा उपचुनाव में मुसलमान ने एनडीए को वोट दिया, जिसके बाद कांग्रेस घबराई हुई है. इसके साथ ही उन्होंने मुसलमानों के वोट पर भी अपनी राय रखी और कहा कि २०२५ में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यकों का वोट नीतीश कुमार को जाएगा.

कांग्रेस नेता शहनवाज का उनकी गठबंधन पार्टी राजद के मृत्युंजय तिवारी ने विरोध किया. कहा कि शाहनवाज आलम, जो बिहार के कांग्रेस प्रभारी हैं, उनके ऊपर कांग्रेस लगाम लगाए. बिहार कांग्रेस के सह-प्रभारी बेवजह विवादित बयान दे रहे हैं.

डॉक्टर व कंपाउंडर की संदिग्ध स्थिति में मौत

बेगूसराय (एर्जेसी): संदिग्ध स्थिति में डॉक्टर और कंपाउंडर की मौत हो गई. मृतक की पहचान चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के मैदा शाहपुर के डॉक्टर सीसी सिंह एवं उनके कंपाउंडर हरे राम तांती के रूप में की गई है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. ग्रामीणों का कहना है कि मृत डॉक्टर का पोस्टमार्टम भी नहीं कराया गया. लेकिन, स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित एक टीम के देखरेख में हरे राम का पोस्टमार्टम कराया गया. अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर मौत किस वजह से हुई है. सिविल सर्जन डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि बीते समय हरे राम को उनके क्लीनिक में इलाज के लिए लाया गया था, उस वक्त उसकी आंखों की रोशनी चली गई थी.

परिजनों ने बताया कि हरे राम शराब का भी सेवन किया करता था. आशंका है कि शराब पीने से ही उनकी मौत हुई है. लोगों का कहना है कि शराबबंदी वाले बिहार के बेगूसराय में पुलिस निष्क्रिय है. लगातार शराब माफियाओं द्वारा जहरीली शराब बनाकर बेची जा रही है. दोनों ही मृतक स्वास्थ्य सेवा से ही जुड़े हुए थे। एसपी मनीष कुमार ने बताया है कि संदिग्ध हालत में दो व्यक्ति की मौत हुई है. जिसमें एक व्यक्ति का पोस्टमार्टम कराया गया है. उन्होंने बताया है कि पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में लगी हुई है. जल्द ही हकीकत सामने आ जाएगा.

ऑटो-ट्रक की टक्कर में 1 की मौत

अरवल (एर्जेसी): बिहार के अरवल में भीषण सड़क हादसा हो गया है. सदर थाना क्षेत्र स्थित एनएच १३९ बनिया बीघा के पास तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जबरदस्त टक्कर मार दी. इस हादसे में ऑटो सवार एक यात्री की मौत हो गयी. जबकि १२ लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गयी. वहीं ट्रक ने ऑटो में इतनी जोरदार टक्कर मारी थी कि उसके परखच्चे उड़ गये. घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. इनमें से ८ लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है.

घटना के संबंध में बताया जाता है कि ऑटो सवार सभी लोग मेहंदिया थाना क्षेत्र स्थित मसूदा गांव से सगाई समारोह में शामिल होने किंजर मंदिर के पास जा रहे थे. जैसे ही ऑटो बनिया बीघा गांव के पास पहुंची विपरीत दिशा से आ रही ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी. इस हादसे में एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. वहीं १२ लोग गंभीर रूप से घायल हो गये.। घायलों को ग्रामीणों और डायल ११२ की टीम की मदद से सभी घायलों को सदर अस्पताल अरवल ले जाया गया.

सॉफ्टवेयर इंजीनियर की आत्महत्या मामले ने तूल पकड़ा

पटना (एर्जेसी) : सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष आत्महत्या मामले ने तूल पकड़ लिया है. अतुल सुभाष मूल रूप से समस्तीपुर के पूसा का रहने वाला था. वह यहीं पला-बढ़ा और अपनी पढ़ाई पूरी की. इसके बाद बेंगलुरु में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी में काम करने लगा. अब अतुल सुभाष के मौत की खबर से पूसा इलाके का माहौल गमगीन हो गया है. अतुल सुभाष के पिता और भाई ने आपबीती बतायी है.

पीड़ित के पिता पवन कुमार ने बताया कि अतुल सुभाष ने उनसे कहा था कि मध्यस्थता अदालत में जो लोग हैं, वे कानून और सुप्रीम कोर्ट के नियमों के अनुसार काम नहीं करते हैं. आगे कहा कि सुभाष को कम से कम ४० बार बेंगलुरु से जौनपुर जाना पड़ा.

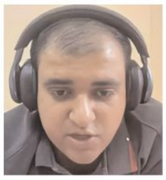

अतुल की पत्नी निकिता सिंघानिया एक के बाद एक आरोप लगाती रहती थी. वह निराश जरूर हुआ होगा, लेकिन उसने हमें कभी ऐसा महसूस नहीं होने दिया. आगे कहा कि अचानक, हमें घटना की जानकारी मिली. उसने हमारे छोटे बेटे को रात १ बजे के आसपास एक मेल भेजा. उन्होंने कहा कि अतुल सुभाष द्वारा अपनी पत्नी और उसके परिवार पर लगाये गये आरोप १००% सच है. हम यह नहीं बता सकते कि हमारा बेटा किस तनाव में रहा होगा.

पूसा में रहने वाले अतुल सुभाष के चचेरे भाई बजरंग प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि अतुल सुभाष का घर पूसा के बेनीबाजार में है. उसने समस्तीपुर से ही अपनी पढ़ाई पूरी की और इंजीनियर बना. उन्होंने बताया कि वह बेंगलुरु में नौकरी कर रहा था. सुसाइड नोट पर पत्नी पर लगाये गये आरोपों पर बजरंग प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि सभी परिवार वालों को पता था कि उसके ससुराल वाले उसे प्रताड़ित कर रहे थे.

लेकिन यह नहीं पता था कि वह इतना पीड़ित है कि ऐसा कदम उठा लेगा. उन्होंने बताया कि आत्महत्या करने से पहले अतुल सुभाष ने अपने माता-पिता से बातचीत की थी. अतुल के पिता पर चल रहे केस वाले सवाल पर कहा कि पता था कि सुभाष की पत्नी ने परिवार पर दहेड़ उत्पीड़न केस किया गया था और कोर्ट में केस चल रहा है.

बता दें कि अतुल सुभाष ने सोमवार को आत्महत्या कर ली थी. उन्होंने २४ पन्नों का एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था, जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी, उसके परिवार के सदस्यों और एक न्यायाधीश पर आत्महत्या के लिए स्पष्ट रूप से उकसाने, उत्पीड़न, जबरन वसूली और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है. इधर अतुल की मौत के बाद अतुल सुभाष के भाई विकास कुमार की शिकायत पर मराठाहल्ली पुलिस ने अतुल की पत्नी निकिता सिंघानिया समेत चार लोगों के खिलाफ धारा १०८ और बीएनएस की धारा ३(५) के तहत एफआईआर दर्ज की है. जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है, उनमें निकिता सिंघानिया, उनकी मां निशा सिंघानिया, भाई अनुराग सिंघानिया और चाचा सुशील सिंघानिया शामिल है.

जान लें कि सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए अदालतों को दहेज उत्पीड़न मामले में कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए सावधानी बरतने को कहा है. कोर्ट ने कहा कि पति के सगे-संबंधियों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाना जरूरी है. सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को यह टिप्पणी की है.

मस्जिद में मंदिर खोजोगे तो मंदिर में खोजे जाएंगे बौद्ध मठ : स्वामी प्रसाद मौर्य

मैनपुरी (एर्जेसी) : राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर विवादित बयान देकर चर्चा में आ गए हैं. संभल मामले को लेकर कहा, भाजपा मस्जिदों में मंदिर तलाशना बंद कर दे नहीं तो मंदिरों में बौद्ध मठ तलाशने ने शुरू हो जायेंगे. सरकार हिंदू मुस्लिम करके मुद्दों से भटका रही है.

वह मैनपुरी में मनोज शाक्य की मां के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए पहुंचे थे. जहां उन्होंने सरकार पर निशाना साधा. संभल घटना को लेकर कहा, अगर गड़े मुर्दे उखाड़ेंगे तो मस्जिद में मंदिर खोजने वालों को बहुत महंगा पड़ेगा. इसलिए हर मस्जिद में मंदिर खोजना बंद कर दें क्योंकि अगर मस्जिद में मंदिर खोजेंगे तो लोग मंदिरों में बौद्ध मठ खोजना शुरू कर देंगे. इतिहास इस बात का गवाह है बद्रीनाथ, केदारनाथ,जगन्नाथ पुरी,रामेश्वरम यह सब बौद्ध तीर्थ स्थल थे.

इन सब को हिंदू धर्म में बदल दिया गया है. अगर ऐसा है तो बात यहां नहीं रुकेगी, इसके आगे भी जाएगी. सम्राट अशोक ने ८४ हजार बौद्ध स्तंभ बनाए

थे आखिर वह कहां चले गए. यानी कि इन्हीं लोगों ने उनको तोड़कर मंदिर बनाया है तो अगर मस्जिद में मंदिर खोजा जाएगा तो मंदिर में बौद्ध मठ खोजा जाएगा.

सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मूलभूत समस्याओं पर जवाब ना देना पड़े इसलिए सरकार जनता को मंदिर मस्जिद और हिंदू मुस्लिम जैसे मुद्दों पर उलझा कर गुमराह करने की कोशिश कर रही है. जिससे सरकार की कलई ना खुले, सरकार की असफलता का जिक्र ना हो, बिगड़ी कानून व्यवस्था पर बहस ना हो. बेरोजगारी-महंगाई पर चर्चा ना हो, जाति जनगणना पर चर्चा ना हो. जनता की आँख में धूल झोकने के लिए हिंदू मुस्लिम का नाम लेकर के जनता को भटकाया जा रहा है.

देश में अमन चैन रहे इसके लिए जरूरी है १५ अगस्त १९४७ के दिन देश के किसी भी धर्म की जो धार्मिक स्थल स्थिति जैसी रही, उसको स्वीकार करना चाहिए. जिसके लिए देश में अमन चैन और आपसी सौहार्द भाई चारा बना रहे. जो यहां की संस्कृति थी. हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई बौद्ध जैन पारसी आपस में भाई-भाई बनकर देश आगे बढ़े. मंदिर मस्जिद की राजनीति वही हो रही है जहां पर भाजपा की सरकार हैं.

स्वामी प्रसाद मौर्य ने भाजपा सरकार पर हमलावर होते हुए कहा केंद्र और प्रदेश की सरकारें सभी मुद्दों पर फेल हो चुकी है. किसानों के साथ अत्याचार किया जा रहा है. देश का किसान दिल्ली के बॉर्डर पर रोका जा रहा है. किसानों की समस्या सुनने को कोई तैयार नहीं है. किसानों की समस्याएं उनको तबाही की ओर लेकर जा रही है. आज महंगी शिक्षा जानबूझकर की जा रही है, जिससे किसान और गरीब शिक्षा ग्रहण न कर पाएं.

स्टेशन पर स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

खगड़िया (एर्जेसी): आरपीएफ ने मानसी रेलवे स्टेशन पर २.७ किलोग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मालदा के सोना हलदर के रूप में हुई है. मिली जानकारी के अनुसार, आरपीएफ निरीक्षक ज्ञानेश कुमार के निर्देशन में उपनिरीक्षक बबली कुमारी और आरक्षी अविनाश कुमार तथा चंदन कुमार मानसी स्टेशन पर गश्त कर रहे थे. इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर एक व्यक्ति काले रंग के बैग लेकर संदिग्ध हालत में घूम रहा था. पुलिस की नजर उस पर पड़ी तो वह भागने लगा. इस पर पुलिस को संदेह हुआ. पुलिस तत्परता दिखाते हुए उसे दौड़ाकर पकड़ लिया. तलाशी लेने पर उसके बैग से २ किलो ७७ ग्राम स्मैक बरामद हुआ.

झारखण्ड सरकार
जिला अभियंता का कार्यालय
जिला परिषद, गिरिडीह

शुद्धि पत्र

ई0–निविदा संख्या–DE/ZP/GIRIDIH/05/RE2/2024-25 जिसका P.R. 340917 Rural Development (24-25):D में प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणों से स्थगित की जाती है।

PR 341730 Rural Development(24-25)#D

जिला अभियंता,
जिला परिषद, गिरिडीह

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, गिरिडीह
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं०-!, गिरिडीह
Email Id :- eedwsd.giridih1@gmail.com

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) Phase II के तहत संयुक्त निदेशक (तकनीकी), SBM-G, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड रॉची का पत्र संख्या SBM(G)Phase-II/305/2022-85 दिनांक 09/02/2023 के आलोक में **GeM** के माध्यम से **E-Cart** क्रय हेतु निविदा आमंत्रण की जा रही है, जिसकी संक्षिप्त विवरणी निम्नवत् है :–

Sl. No.	Particulars	Tender ref No.
1.	**GeM** से **E-Cart** क्रय हेतु निविदा	GEM/2024/B/5460479

विस्तृत कार्य तथा निविदा की शर्त्तों का विवरण गिरिडीह जिला के आधिकारिक बेबसाईट http://giridih.nic.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्व0 प्र0 सं0–1, गिरिडीह

PR 341726 Drinking Water and Sanitation(24-25).D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
NATIONAL HIGHWAY WING
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
NATIONAL HIGHWAY DIVISION, DHANBAD- 826001
NOTICEINVITING TENDER (NIT)

NIT No. NH/Dhanbad/09/2024-2025 **Dated:-10.12.2024**

1. Ministry of Road Transport & Highway (Hereinafter referred to as <Agency> has been assigned the work of development and construction of various stretches and construction of ROBs/Flyovers/bridges on National Highways in the State of Jharkhand through State PWD.
2. Proposals are here by invited from eligible PMC for preparation of Detailed Project Report,Pre construction activity and Project supervision for the package mentioned in table below.
3.

NH No.	Section	State	Tentative Length (inkm)	Assignment Period (in Months)	Indicative PMC Cost (inRs.Cr)
218 & 19	Elevated flyover in Dhanbad Town from km-53 (Dhansar) on (NH-218) to Govindpur on NH-19 (Old NH-02)	Jharkhand	15.00	156.00	45.00

4. The Letter of Invitation (LOI) and Terms of Reference (ToR) including Request for Proposal (RFP) is available online one-tender portal of https://eprocure.gov.in.The document can also be downloaded from <https://morth.nic.in>. Cost of the Document must be furnished in the form of a non-refundable fee (Including GST@ 18%) of INR11,800 (Rupees Eleven Thousand Eight Hundred only) by way of online payment only (payment through other modes shall notbe accepted), through BharatKosh portal www.bharatkosh.gov.in favour of Regional Pay and Account Officer, Ministry of Road Transport & Highways, Kolkata. **(PAO Code:-034756, DDO Code-202122)**.The online payment receipt shall be submitted while submitting the proposal. The application form with out proof of payment of application fee will be rejected without any intimation.
5. **The RFP has also been uploaded on"INFRACON" (** such before submitting the proposal the PMC shall mandatorily register and enlist themselves (thefirm and all key personnel), on the MoRT&H portal "INFRACON" and furnish along with its RFP. A copy of Infracon Operation Procedure is also enclosed forbidder's reference.
6. **All the bidders registered on Infracon shall form a Team on Infracon and which would be assigned unique Infracon Team ID. Bidders while submitting the proposal shall quote the Infracon Team ID.**
7. Bid must be submitted online at e-tender portal of Ministry of Road Transport and Highways or before 15.02.2025 15:00 PM.
8. **The following schedule is to be followed for this assignment:**
   i) **Dead line for downloading of bid: 30.12.2024,17:00 PM**
   ii) **Last date for submission of queries:07.02.2025,11:00 AM**
   iii) **Pre bid meeting: 07.01.2025,15:00 PM**
   iv) **Dead line for Submission of bids:15.02.2025,15:00 PM**
   v) **Dead line for opening of bids:18.02.2025,15:00 PM**

Yours sincerely,
Executive Engineer
National Highway Division
Dhanbad.

PR 341774 Road(24-25)#D

कार्यालय, जिला अभियंता जिला परिषद गिरिडीह

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
ई0–निविदा संख्या– DE/ZP/GIRIDIH/06/RE2/2024-25
ई– निविदा सूचना संख्या – DE/ZP/GIRIDIH/06/RE2/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:– **15वें वित्त आयोग अनाबद्ध मद।**

क्रमांक	ग्रु0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य अवधि
1	3	प्रखण्ड देवरी अन्तर्गत पंचायत भेलवाघाटी के ग्राम रमनीटांड में हीरा मिया घर से हमीद मियां घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	1363200.00	28000.00	2500.00	3 माह
2	11	1.प्रखण्ड सरिया अन्तर्गत पंचायत बंदखारो के संतोष पाण्डेय घर से तालाब तक पीसीसी पथ निर्माण। 2.प्रखण्ड सरिया अन्तर्गत पंचायत मोकामो के बकराडीह में पीच रोड से बासुदेव महतो घर तक पीसीसी निर्माण। 3.प्रखण्ड सरिया अन्तर्गत पं0 मंदरामो पूर्वी0 के विनायक टेडर्स से पेवर ब्लॉक सड़क का निर्माण। 3.प्रखण्ड सरिया अन्तर्गत पंचायत अमनारी के रेहाटांड़ ग्राम में मोदी मुहल्ला से मंदिर के बगल होते हुए पी0सी0सी0 पथ एवं गार्डवाल निर्माण।	2276800.00	46000.00	5000.00	4 माह
3	16	1.प्रखण्ड गिरिडीह अन्तर्गत ग्राम पंचायत उदनाबाद के ग्राम अजीडीह में भोला चौबे को दुकान से अजीत त्रिवेदी के घर एवं रामप्रसाद चौबे के चाहरदिवारी से प्रवीण शर्मा के घर तक पी0सी0सी0 निर्माण। 2.प्रखण्ड डुमरी अंतर्गत रोशनाटुण्डा पंचायत अंतर्गत गोठवारटांड गांव से बिरहोडीह तक पी0सी0सी0 सड़क का निर्माण।	1667900.00	34000.00	5000.00	3 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 14.12.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय दिनांक 14.12.2024 से दिनांक 21.12.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– जिला अभियंता, जिला परिषद का कार्यालय, गिरिडीह।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 23.12.2024 अपराह्न 3:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिषद, गिरिडीह।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या – 9431323435 (संबंधित जिला अभियंता, गिरिडीह का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. जिला परिषद, गिरिडीह के समुचित श्रेणी एवं उससे एक उपर के निबंधित संवेदक ही भाग ले सकते है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, गिरिडीह

PR 341736 (Rural Development)24-25*D

Office of the Executive Engineer
National Highways Division
DHANBAD
INVITATION FOR BIDS (IFB)
NATIOINAL COMPETITIVE BIDDING

Tender Reference No. NH/DHANBAD/08/2024-25 **Dated: 10.12.2024**

1. The Executive Engineer, National Highways Division, Dhanbad invites item rate bids on-line for the work detailed in the table given below. The bidder is advised to read & examine carefully all instructions including addendum/amendments to ITB, conditions of contract, contract data, forms, terms, technical specifications, bill of quantities etc. in the Bid Document before bidding.

Sl. No.	Name of work	Approximate value of work (In Rs.)	Bid Security (In Rs.)	Cost of Document (in Rs.)	Period of completion
1	2	3	4	5	6
1	Construction of Approaches to Newly Constructed Major Bridge in Km 26th of NH-218 On Gawai River in the State of Jharkhnad for the year 2024-25.	2,51,38,185.00 (Including GST & LC)	5,03,000.00	Tender cost Rs. 10000.00 and GST-1800.00 **Total-11800.00**	6 (Six) Months including rainy season.

2. Website e-tendering portal of MORTH *https://eprocure.gov.in* may be referred for detailed terms and conditions of the Invitation for Bids (IFB) and Bidding Documents (including e-Tendering instruction to applicants), which is available online.
3. Tender will be available online on MORTH portal *https://eprocure.gov.in* and e-tendering portal of MORTH *https://eprocure.gov.in* from **20.12.2024** upto **17.00 P.M.** to **04.02.2025** upto **15.00 P.M**. Bids must be submitted online only at e-tendering portal of MORTH *https://eprocure.gov.in* on or before **15:00 P.M.** on **04.02.2025** and technical bids received online will be opened on **07.02.2025** at **15.00 P.M.**
4. The prospective bidders who do not posses Digital Signature Certificate (DSC) may get the same issued from approved agencies.

Executive Engineer
National Highways Division, Dhanbad

PR 341771 Road(24-25)#D

सदन के बाहर गूंजा जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा की सीबीआई जांच व छात्रों पर लाठीचार्ज का मुद्दा

रांची (ससे): झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के तीसरे दिन सदन के बाहर जेएसएससी सीजीएल का मुद्दा गरमाया. सदन के बाहर आजसू के मांडू विधायक निर्मल महतो धरने पर बैठे थे.

उन्होंने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की सीबीआई जांच करने की मांग की. साथ ही हजारीबाग में परीक्षा रद्द करने को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की भी जांच कराने की मांग उठायी. उन्होंने कहा कि सरकार नौकरी दे, ना की लाठी दे. मांडू विधायक ने पिछली बार का २५ लाख और इस बार के घोषणा के अनुसार, १२ लाख को मिलाकर कुल ३७ लाख नौकरी सरकार से देने की मांग की. उन्होंने जेएसएससी सीजीएल के जारी रिजल्ट को रद्द करने और छात्रों पर लाठी चार्ज करने वाले अफसरों पर कर्रवाई की मांग की.

भाजपा के हजारीबाग विधायक प्रदीप यादव ने हजारीबाग में परीक्षा रद्द करने को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को सरकार की विफलता बताया.

इस मामले में बीजेपी विधायक नीरा यादव ने कहा कि छात्र शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे थे. शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना हर लोगों का अधिकार है, छात्रों के साथ गलत हुआ है. विवाद में अगर कुछ है तो इसपर जांच निश्चित रूप से होनी चाहिए.

जेएलकेएम पार्टी से विधायक जयराम महतो ने कहा कि छात्र आक्रोशित है, वह धरने पर बैठेंगे ही. उन्होंने कहा कि सदन में सीजीएल का मुद्दा उठाते हुए सरकार को पहले ही एक प्रतिनिधिमंडल को छात्रों के पास भेजने का अनुरोध किया था. लेकिन उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया. इसी का परिणाम है कि जो छात्र परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, वो सड़कों पर पीटे और घसीटे जा रहे हैं.

सत्ता पक्ष की ओर से प्रदीप यादव ने कहा कि तथ्य सामने आयेंगे तो सरकार कहां पीछे हटती है जांच से. खामखा चीजों को बाधित करना और कोर्ट में घसीटना विपक्ष की पुरानी आदत हो गयी है. बहाली में किस तरह से बाधा पहुंचाये या सरकार को कहें कि यह बहाली नाकाम रही, यही विपक्ष का काम रह गया है.

कांग्रेस विधायक जयमंगल सिंह (अनूप) ने कहा कि विपक्ष क्या कहती है, इससे फर्क नहीं पड़ता. जनता क्या कहती है, उससे फर्क पड़ता है. अगर जनता कह रही है तो आने वाले समय में मुख्यमंत्री ठोस कदम उठायेंगे. आने वाले समय में हमें यह भी देखना है कि बिना किसी आधार के कार्रवाई ना करें. पिछली बार भी देखा गया कि जेपीएससी के अध्यक्ष पर कोई आरोप सिद्ध नहीं हुआ और उन्होंने खुद से पद से इस्तीफा दे दिया.

अधिकारियों की मॉरल को डाउन नहीं करें. क्योंकि अधिकारियों से ही हमें काम लेना है. आने वाले समय में सरकार जांच करेगी. रह गयी सीबीआई जांच की तो हमारी राजकीय एजेंसी इतनी सक्षम है कि दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा.

डीसी ने रिम्स का किया औचक निरीक्षण

रांची (ससे): राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में इलाज के लिए आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों द्वारा प्राप्त शिकायतों को लेकर बुधवार को रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान डिप्टी डायरेक्टर (फाइनेंस) रिम्स योगेंद्र प्रसाद, डिप्टी मेडिकल सुपरीटेंडेंट राजीव रंजन एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय उपस्थित थे. डीसी ने एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, ट्रॉमा सेंटर, इमरजेंसी, ब्लड बैंक, एवं विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया.

डीसी ने ट्रॉमा सेंटर पहुंचकर वहां भर्ती मरीजों से बातचीत की. मरीजों को मिल रही चिकित्सकीय सुविधा एवं अन्य देखरेख के बारे में उन्होंने विस्तार से पूछा. ट्रॉमा सेंटर के हेड ऑफ डिपार्टमेंट प्रदीप कुमार भट्टाचार्य को फोन पर निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कंट्रोल नंबर के माध्यम से दूर दराज के मरीजों के लिए उपलब्ध बेड की जानकारी मुहैया कराने के निर्देश दिये. ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी चिकित्सक डॉक्टर त्राशा को डीसी ने जमशेदपुर और सदर अस्पताल से रेफर मरीजों को जल्द एडमिट करने के निर्देश दिए.

विभिन्न वार्डों और रिम्स परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था का जायज़ा लेते हुए डीसी ने सुधार के निर्देश दिए. संबंधित पदाधिकारी को उन्होंने साफ-सफाई और हाइजीन में किसी भी प्रकार से कंप्रोमाइज न करने को कहा. डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को हाउसकीपिंग एवं साफ सफाई के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए.

डीसी ने रिम्स अवस्थित ब्लड बैंक का भी निरीक्षण किया. ब्लड बैंक में उपस्थित विभिन्न ग्रुप के ब्लड एवं जरूरतमंद मरीजों को ब्लड उपलब्ध कराने की जानकारी ली. बैंक में उपलब्ध ब्लड की जानकारी के लिए प्रभारी दीप नारायण प्रसाद को सॉफ्टवेयर सक्रिय करने हेतु निर्देशित किया गया. डीसी ने आम लोगों और सिविल सोसाइटी से अनुरोध किया कि वो बढ़-चढ़कर रक्तदान करें.

रिम्स में मरीजों के लिए बेहतर व्यवस्था हेतु आने वाले २-३ दिनों में डीसी मंजूनाथ भजंत्री द्वारा सभी हेड ऑफ डिपार्टमेंट के साथ बैठक की जाएगी. डीसी ने कहा कि सभी डिपार्टमेंट के प्रमुख से उनकी आवश्यकताओं की जानकारी लेते हुए रिम्स में बेहतर व्यवस्था का प्रयास किया जाएगा.

नागपुरी फिल्म जनी शिकार का मुहूर्त

रांची (ससे): करमटोली चौक रांची स्थित प्रेस क्लब के सभागार में एके सिने हाउस के बैनर तले एवं निर्देशक आदित्य कुमार के निर्देशन में बनने वाली नागपुरी फिल्म जनी शिकार का मुहूर्त बुधवार को संपन्न हुआ. मुहूर्त कार्यक्रम में फिल्म से संबंधित सभी मुख्य कलाकार एवं टेक्नीशियन शामिल हुए. मौके पर मीडिया से बात करते हुए फिल्म के निर्माता निर्देशक आदित्य कुमार ने कहा कि जनी शिकार आदिवासी इतिहास पर आधारित एक नागपुरी फिल्म है, जिसे कई और क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार करने की संभावना है.

इस फिल्में जहां आदिवासी समाज के शोषण और उत्थान को दर्शाया गया है वहीं नारी शक्ति को पहली प्राथमिकता दी गई है. मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म झारखंड राज्य में एक मील का पत्थर साबित होगी. फिल्म से संबंधित सभी कलाकार और टेक्नीशियन अपने काम को लेकर काफी उत्साहित हैं. फिल्म का विषय वस्तु काफी रोचक है, क्योंकि इसका संबंध इतिहास की सच्ची घटनाओं से है. फिल्म की शूटिंग दिसंबर माह से शुरू होगी और फरवरी २०२५ में शूटिंग पूरी कर ली जाएगी एवं अप्रैल २०२५ में फिल्म को सिनेमा हॉल में प्रदर्शित किया जायेगा. आज के मुहूर्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड का छैला फिल्म के निर्माता-निर्देशक अनिल सिकदर, एक्शन निर्देशक मास्टर मो शहाबुद्दीन, जॉलीवुड की अभिनेत्री वर्षा लकड़ा, चांदनी बड़ाईक, रोहित, सुमित, अनूप टोपनो शामिल थे.

रांची (ससे): सरना समिति झारखंड की इकाई महिला मंडल झारखंड की ओर से नगड़ी सपारोम स्थित धुमकुड़िया (बहुदेशीय)भवन रोहतास नगर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला का विषय पारम्परिक आदिवासी वनोपज से निर्मित व्यंजन था. कार्यशाला में गुमला की पांच आदिवासी महिला गीता उरांव, सीता उरांव, रीता उरांव, सरस्वती उरांव, और जितेश मिंज ने प्रशिक्षण दिया.

उन्होंने कहा कि आदिवासी महिलाओं को स्वावलंबी बनाना समिति का मुख्य उदेश्य है, बताया कि झारखंड में अधिक मात्रा में मड़वा, मक्का, और महुआ फूल होते हैं. आदिवासी महिलाओं को महुआ के लडडू, मड़वा की निमकी, बालुशाही बनाना सिखाया गया. उन्होंने कही कि आदिवासी महिलाएं इस अनाज का सही उपयोग करना नहीं जानती. इस वजह से किसान ये अनाज व्यापारियों को सस्ती दर बेच दे रहे है. कार्यशाला में सुषमा मिंज, रंजीता कुमारी, जितेश मिंज, सरिता उरांव, आशियान कुजूर, सुदर्शन लकड़ा, डॉ विनीत कुमार भगत ,सरिता उरांव समेत अन्य शामिल थे.

तीसरे दिन न्यायालयों से आये 12 मामले सुलझाये गये

रांची (ससे): झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के मार्गदर्शन में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का शुभारंभ ९ दिसंबर को किया गया है. मध्यस्थता अभियान १३ दिसंबर तक चलेगा. जिला विधिक सेवा प्राधिकार, के सचिव ने जानकारी दी कि अभियान के पहले दिन विभिन्न न्यायालयों से १८ मामले हस्तांतरित होकर मध्यस्थता केंद्र, रांची में आये थे, जिनमें से १६ मामले सुलझाये गये. दूसरे दिन १९ मामले विभिन्न न्यायालयों से भेजे गये, जिनमें १४ मामले जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के मध्यस्थों द्वारा सुलझाये गये.

अभियान का आज तीसरा दिन था. यह १३ दिसंबर तक चलेगा

आज ११ दिसंबर को मध्यस्थता केंद्र, रांची में विभिन्न न्यायालयों से १२ मामले भेजे गये, जिनमें सभी १२ मामलों को मध्यस्थों की सूझबूझ तथा प्रयास से सुलझा लिये गये. अन्य मामलों में अंतिम स्तर की बातचीत बाकी है, इसलिए वे अगले स्तर की सुनवाई के लिए लंबित हैं. पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का आज तीसरा दिन था. यह १३ दिसंबर तक चलेगा.

महाराष्ट्र में विभागों के बंटवारे पर फंसा पेंच

मुंबई (ईएमएस): महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे महायुति के लिए तनाव का एक नया दौर शुरू कर सकते हैं। जब देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार विभागों पर चर्चा के लिए गृह मंत्री अमित शाह से मिलेंगे तो हो सकता है कि शिंदे मौजूद नहीं हो। भाजपा और देवेंद्र फडणवीस के लिए किसको कौनसा मंत्रालय मिले और महाराष्ट्र सरकार के मंत्रिमंडल का गठन अगली बड़ी चुनौती हो सकती है। खासकर तब जब दोनों सहयोगियों ने समर्थन के बदले बड़े विभागों की मांग की है। शिंदे का सेना गुट हाई-प्रोफाइल गृह मंत्रालय चाहता है, जो पिछली सरकार में देवेंद्र फड़णवीस के पास था। अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी भी बराबरी की हिस्सेदारी चाहती है, भले ही उसने कम सीटों पर जीत दर्ज की हो, लेकिन पार्टी ने अपने दावे को साबित करने के लिए बेहतर स्ट्राइक रेट यानी लड़ी गई और जीती गई सीटों के प्रतिशत की ओर इशारा किया है। विशेष रूप से एनसीपी चाहती है कि पिछली सरकार में जो वित्त विभाग उनके पास था, उसे वापस किया जाए। यह मामला भाजपा के लिए परेशान करने वाला बन गया है क्योंकि शिवसेना भी वित्त चाहती है। हालांकि यह शिंदे की ऐसी इच्छा है, जिसका पूरा होना बेहद मुश्किल नजर आता है क्योंकि वित्त, योजना और सिंचाई विभाग एनसीपी के पास जा सकता है। विभागों के आवंटन को लेकर पिछले महीने रूपरेखा बनी थी। इस समझौते के तहत बीजेपी को २२ सीटें, सेना को करीब १२ सीटें और एनसीपी को करीब नौ मंत्री पद मिलेंगे। विभागों का बंटवारा १६ दिसंबर तक लागू करना होगा क्योंकि उस वक्त नई विधानसभा की पहली बैठक होगी।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बड़ी भूमिका, 17 प्रतिशत की काबिलियत बढ़ी

नई दिल्ली(ईएमएस): देश में प्रतिभा की बढ़ती मांग के बीच स्नातकों की रोजगार काबिलियत में लगातार इजाफा हो रहा है। इस साल ५४.८१ फीसदी स्नातक रोजगार के काबिल हो गए हैं। पिछले परीक्षण में ५१.२५ फीसदी स्नातकों में ही रोजगार की काबिलियत थी। स्नातकों में इस साल रोजगार काबिलियत की गणना पिछले वर्ष के वैश्विक रोजगार परीक्षण (जीईटी) से की जाती है।

व्हीबॉक्स ईटीएस इंडिया स्किल्स रिपोर्ट-२०२५ के मुताबिक, ५० फीसदी से अधिक भारतीय स्नातक अब रोजगार के काबिल हैं। एक दशक पहले यह ३३ फीसदी था। एक दशक में १७ फीसदी की यह वृद्धि तेजी से विकसित हो रही वैश्विक अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को बताती है।

रिपोर्ट में कहा, डिजिटलीकरण और कामकाज के हाइब्रिड मॉडल ने भारतीय प्रतिभाओं के लिए भौगोलिक बाधाओं के बिना वैश्विक स्तर पर योगदान देने के अभूतपूर्व अवसर खोले हैं। इससे २०३० तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में ५०० अरब डॉलर का इजाफा हो सकता है, जिसमें भारत केंद्रीय भूमिका निभाएगा। रिपोर्ट ६.५ लाख से अधिक उम्मीदवारों के आंकड़ों पर आधारित है। इन्होंने पूरे भारत में जीईटी में हिस्सा लिया था।

रिपोर्ट में कहा कि कुशल व प्रमाणित प्रतिभा भारत को एक अनूठा लाभ प्रदान करती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और ऑटोमेशन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर भारत के ध्यान देने, पारंपरिक नौकरी भूमिकाओं को नया आकार देने व नए अवसर पैदा करने से यह बदलाव और बढ़ गया है।

यह दशक भारत का, आईटी क्षेत्र में सबसे आगे...इंडिया स्किल्स रिपोर्ट के मुख्य संयोजक एवं व्हीबॉक्स के सीईओ निर्मल सिंह ने कहा, वैश्विक प्रतिभा गतिशीलता के क्षेत्र में यह दशक भारत का है। इस दशक में कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि २.५ लाख करोड़ डॉलर के निर्माण क्षेत्र को आवासीय और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए इंजीनियरों व योजनाकारों की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय क्षेत्र को फिनटेक और ग्रीन फाइनेंस भूमिकाओं के लिए २०३० तक चार लाख से अधिक पेशेवरों की जरूरत होगी। उधर, यूरोप का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र १६ लाख कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। आईटी उद्योग में दो करोड़ डिजिटल कौशल से लैस पेशेवरों की जरूरत है।

जब जज ने ही जमानत के लिए पांच लाख रुपये की रिश्वत ली

मुंबई, (ईएमएस): न्यायपालिका से न्याय मिलने की एक बड़ी उम्मीद आम लोगों को रहती है और कई ऐसे मामले सामने आए हैं जब लोगों को न्यायपालिका से ही न्याय मिला है। लेकिन इन दिनों न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की जड़े जमने की खबर भी गाहे बगाहे सामने आती रहती है। शायद यही वजह है कि जनता का विश्वास न्यायपालिका को लेकर डगमगाने लगा है। जी हाँ, जब न्याय करने वाले जज ही पैसे लेकर न्याय देंगे तो सोचिये स्थिति कैसी आ जाएगी। दरअसल रिश्वत लेने की घटना महाराष्ट्र के सतारा में घटी है। खबर है कि जज ने जमानत देने के लिए ५ लाख रुपये की रिश्वत ली। इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग (एंटी करप्शन) ने सतारा जिला न्यायलय के जज के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जज को गिरफ्तार करने के लिए हाईकोर्ट को पत्र भेजा गया है और हाईकोर्ट के आदेश के बाद ही जज को गिरफ्तार किया जाएगा। खबर है कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम समेत तीन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक जज ने शिकायतकर्ता के पिता को जमानत देने के लिए सीधे रिश्वत मांगी। सतारा जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम ने जमानत देने के लिए अभियोजक से ५ लाख रुपये की रिश्वत की मांग की।

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्यों के प्रशिक्षण शिविर में 14 जिलों के 24 प्रशिक्षु हुए शामिल

रांची (ससे) : महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग झारखंड सरकार के तत्वावधान में झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था द्वारा बाल कल्याण समिति के नवचयनित अध्यक्ष एवं सदस्यों का १५ दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को समापन हुआ. शिविर में किशोर न्याय कानून २०१५, झारखंड नियम २०१७ एवं मिशन वात्सल्य २०२३ के प्रावधानों के अधीन कुशलतापूर्वक सर्वोत्तम बालहित में कार्यों को करने के संदर्भ में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया. कार्यक्रम का आयोजन २६ नवंबर से १० दिसंबर तक रांची के हेहल स्थित राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (सर्ड) में किया गया था. प्रशिक्षण में १४ जिले के कुल २४ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.

बाल श्रम कानून, बाल विवाह प्रतिरोध कानून, बाल तस्करी से संबंधित कानून की जानकारी दी गयी

प्रतिभागियों को किशोर न्याय कानून में निहित १२ कोटी के जरूरतमंद बच्चों के (जिनकी उम्र ०-१८ वर्ष (जिसने १८ वर्ष पूरे नहीं किये हों) हो) हितों की रक्षा के लिए वर्तमान में मौजूद कानून यथा बाल श्रम कानून, बाल विवाह प्रतिरोध कानून, पोक्सो एक्ट, बाल तस्करी से संबंधित कानून की जानकारी दी गयी. इसके अलावा शिक्षा का अधिकार कानून एवं सीएनसीपी कोटी के बच्चों के हितार्थ मौजूद कानून के संदर्भ में प्रशिक्षियों को जानकारी दी गयी. साथ ही अनाथ, दिव्यांग, आपदा प्रभावित, नशीली दवाओं से प्रभावित, रोगग्रस्त बच्चों एवं विविध कोटी के संकटाग्रस्त बच्चों के रेस्क्यू, राहत, पुर्नवास एवं सामाजिक, आर्थिक उन्ययन, कौशल प्रशिक्षक तथा विविध सरकारी योजनाओं का लाभ एक छतरी के नीचे आईसीपीएस के प्रावधानों में दिये जाने से संबंधित जानकारी प्रशिक्षुओं को दी गयी.

समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक सह सदस्य सचिव महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समिरा एस मौजूद थी. कार्यक्रम में उपसचिव विकास कुमार, सर्ड के अधिकारी रवि कुमार, कार्यक्रम प्रबंधक आभाश चौधरी, संरक्षण पदाधिकारी संस्थागत देख-रेख एवं सह प्रोग्राम ऑफिसर सरिता कुमारी मुख्य रूप से मौजूद थे.

समापन समारोह में मुख्य अतिथि सचिव समिरा एस ने कहा कि आपलोग बाल हित में सर्वोतम कार्य करें, सोझ समझकर कानून के मुताबिक फैसले लें, क्योंकि आपकी समिति के एक कलम से किसी बच्चे का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है. कार्य के दौरान सभी से को-ओडिनेट बनाकर चलें, जिला और राज्य आपके कार्य में आने वाली बाधाओं को दूर कर सभी संबंधित सुविधाएं देने के लिए पूर्व की भांति तैयार है.

भारतीय वैज्ञानिकों ने हीमोफीलिया ए के लिए लेंटीवायरल वेक्टर का उपयोग करते हुए पहली बार मानव जीन थेरेपी विकसित की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण चिकित्सा उपलब्धि हासिल करते हुए गंभीर हीमोफीलिया ए के लिए लेंटीवायरल वेक्टर का उपयोग करते हुए पहली बार मानव जीन थेरेपी विकसित की है। क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी) वेल्लोर में स्टेम सेल अनुसंधान केंद्र (सीएससीआर) द्वारा विकसित और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित इस चिकित्सा ने परिवर्तनकारी परिणाम दिखाए हैं। यह ब्रिक-इनस्टेम की एक ट्रांसलेशन इकाई है।

इस वर्ष के प्रारम्भ में सी.एम.सी. वेल्लोर के वैज्ञानिकों ने हीमोफीलिया ए (एफ.वी.आई.आई.आई. की कमी) के लिए जीन थेरेपी का देश का पहला मानव क्लिनिकल परीक्षण सफलतापूर्वक किया। इस शोध में २२ से ४१ वर्ष की आयु के पांच प्रतिभागियों को शामिल किया गया था, जिसमें कई परिवर्तनकारी परिणाम निकलकर सामने आए।

न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित शोधपत्र में वैज्ञानिकों ने कहा कि इस थेरेपी से सभी पांच नामांकित प्रतिभागियों में वार्षिक रक्तस्राव दर सफलतापूर्वक शून्य हो गई, जबकि फैक्टर तखखख का उत्पादन लंबे समय तक जारी रहा, जिससे बार-बार इंजेक्शन लगाने की आवश्यकता समाप्त हो गई। टीम ने कहा कि यह प्रभाव परिधीय रक्त में फैक्टर तखखख गतिविधि और वेक्टर कॉपी संख्याओं के बीच संबंध स्थापित करने वाले ८१ महीनों के कम्युलेटिव फॉलो-अप स्टडी में देखा गया।

हीमोफीलिया ए एक गंभीर रक्तस्राव विकार (ब्लीडिंग डिसऑर्डर) है जो थक्के बनाने वाले फैक्टर तखखख की कमी के कारण होता है। यह रोगियों के जीवन की गुणवत्ता को काफी प्रभावित करता है, जिससे ब्लीडिंग होती है। हालांकि यह दुर्लभ है, लेकिन भारत में हीमोफीलिया के लगभग १३६,००० मामले हैं जो दुनिया में दूसरे सर्वाधिक हैं।

वर्तमान उपचारों में बार-बार फैक्टर तखखख प्रतिस्थापन चिकित्सा की आवश्यकता होती है, जिसमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जैसे अधिक कीमत, बच्चों में नसों को ढूंढना और रोगियों की कम स्वीकृति जैसे मामले शामिल हैं। नए जीन थेरेपी दृष्टिकोण में फैक्टर तखखख जीन की एक सामान्य प्रतिलिपि को ऑटोलॉगस हेमेटोपोएटिक स्टेम कोशिकाओं (एचएससी) में प्रविष्ट कराने के लिए लेंटीवायरल वेक्टर का उपयोग शामिल है।ये संशोधित एचएससी ऐसी रक्त कोशिकाएं उत्पन्न करते हैं जो लंबी अवधि तक कार्यात्मक फैक्टर तखखख का उत्पादन करने में सक्षम होती हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा, जीन थेरेपी के बाद प्रतिभागियों की छह महीने तक निगरानी की गई। परिणामों से फैक्टर तखखख गतिविधि स्तरों और परिधीय रक्त में वेक्टर कॉपी संख्या के बीच एक मजबूत सहसंबंध दिखा। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि थेरेपी की दीर्घकालिक प्रभावकारिता और सुरक्षा को रेखांकित करती है, जो गंभीर हीमोफीलिया ए के रोगियों के लिए नई उम्मीद की किरण है।

अगर कोई भी आत्म-सम्मान पर निजी हमले करेगा तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : सिंधिया

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी पर जोरदार हंगामा हुआ। बनर्जी ने सिंधिया पर पर्सनल कमेंट किए थे । इस पर तृणमूल कांग्रेस और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बीच तकरार के कारण पहले सदन की कार्यवाही चार बजकर १० मिनट पर आधे घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, तो बनर्जी ने अपनी टिप्पणी के लिए सिंधिया से माफी मांगी, लेकिन केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह अपने खिलाफ निजी हमले और भारत की महिलाओं के खिलाफ बयान पर विपक्षी सांसद की माफी स्वीकार नहीं कर रहे। सिंधिया ने कहा, हम इस सदन में शुद्ध हृदय से देश के विकास की भावना के साथ आते हैं। हम यहां आत्म-सम्मान की भावना से भी आते हैं।

बायोमेट्रिक उपस्थिति नहीं तो अनुपस्थित माने जायेंगे कर्मी: डीसी

रांची (एजेंसी): रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री लगातार प्रखण्ड एवं अंचल कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं. इसी क्रम में डीसी ने बुधवार को नामकुम प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया.

डीसी ने बायोमेट्रिक सेसभी पदाधिकारियों व कर्मियों की उपस्थिति की जांच की. उन्होंने कहा कि बायोमेट्रिक उपस्थिति के बिना सभी अनुपस्थित माने जायेंगे, ससमय कार्यालय आयें और अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करें.

अनाधिकृत रुप से अनुपस्थिति पर डीसी ने बीडीओ विजय कुमार एवं सीओ कमल किशोर सिंह को कार्रवाई करने के निर्देश दिये.

निरीक्षण के दौरान प्रखण्ड बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सविता कुमारी वर्मा अनुपस्थित पायी गयीं, जिस पर डीसी ने उनकी अनुपस्थिति अधिकृत है या नहीं इसे सत्यापित करने का निर्देश दिया.

सभी आवेदनों का त्वरित गति से करें निष्पादन: डीसी

डीसी ने प्रखण्ड एवं अंचल कार्यालय में निष्पादित किये जाने वाले सभी कार्यों की जांच की. उन्होंने लॉग बुक, आगत-निर्गत पंजी, रोकड़ पंजी, संचिका, जनशिकायत, पेंशन तथा अन्य की जांच करते हुए कहा कि सभी आवेदनों का त्वरित गति से निष्पादन करें, ताकि लोगों को अनावश्यक रुप से कार्यालय का चक्कर न काटना पड़े. आमलोगों की शिकायतों के त्वरित निष्पादन के लिए उपायुक्त ने बीडीओ, सीओ एवं सभी कर्मचारियों को जिला प्रशासन द्वारा जारी किये गये व्हाट्सएप नंबर ९४३०३२८०८० का प्रचार-प्रसार करने को कहा.

जल्द करें जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति : हाईकोर्ट

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जेपीएससी के अध्यक्ष के पद पर जल्द नियुक्ति करने का निर्देश दिया है.

बुधवार को पवन कुमार की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि जेपीएससी के अध्यक्ष का पद रिक्त होने की वजह से कई नियुक्तियों पर असर पड़ रहा है. इसलिए अध्यक्ष पद पर सरकार जल्द नियुक्त करें.

सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट को बताया कि जेपीएससी जैसी महत्वपूर्ण संस्था के अध्यक्ष का पद लगभग तीन महीने से रिक्त है.

११वीं से लेकर १३वीं गझडउ के मेंस की परीक्षा जून महीने में ही हो गयी. लेकिन अध्यक्ष का पद खाली रहने की वजह से इंटरव्यू और रिजल्ट की प्रक्रिया बाधित हो रही है.

छात्रों पर लाठी चार्ज करके सरकार ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी : चंपाई

रांची (एजेंसी): पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने हेमंत सरकार को निशाने पर लिया है. सोशल मीडिया पोस्ट पर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि एक कहावत है कि - पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं. इसी तर्ज पर अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही न्याय की मांग कर रहे छात्रों पर लाठी चार्ज करके सरकार ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है.

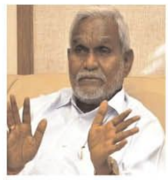

सीबीआई जांच की मांग की

चंपाई सोरेन ने आगे लिखा है कि हमारा स्पष्ट तौर पर मानना है कि अगर नियुक्ति समेत किसी भी सरकारी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हों, तो सीबीआई जांच द्वारा सरकार इस विवाद का सर्वमान्य हल निकाल सकती है. लेकिन जिस प्रकार लाठी के दम पर युवाओं के आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है.

भाजपा छात्रों के साथ है खड़ी

भाजपा जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में हुई गड़बड़ी के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ खड़ी है. झारखंड की अगली पीढ़ी के भविष्य के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को बर्दास्त नहीं किया जायेगा.

सदर एसडीओ ने बेघर और लाचार लोगों को पहुंचाया शेल्टर हाउस, बांटे कंबल

रांची (एजेंसी): रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने रांची में बढ़ती ठंड को देखते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को फुटपाथ पर सोने वाले बेघर और लाचार लोगों को कंबल देने और जिला प्रशासन द्वारा बनाये गये शेल्टर होम (आश्रय गृह) में रखने का निर्देश दिया है. साथ ही प्रमुख चौक-चौराहों में अलाव की समुचित व्यवस्था कराने को कहा है. डीसी के इस आदेश के तहत सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने मंगलवार की देर रात रांची के मुख्य चौराहों पर फुटपाथ पर सोने वालों को शेल्टर हाउस पहुंचाया. वहीं जो शेल्टर हाउस नहीं जाना चाहते थे, उनके लिए कंबल और अलाव की व्यवस्था की. ताकि ठंड से उन्हें बचाया जा सके.

शेल्टर होम का किया औचक निरीक्षण, दिये निर्देश

एसडीओ ने अपर बाजार और खादगड़ा स्थित शेल्टर होम का औचक निरीक्षण भी किया. इस दौरान उन्होंने शेल्टर होम के बाथरूम की साफ-सफाई और रिपेयरिंग का काम करने का निर्देश दिया. सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने शहर अंचल अधिकारी को मुख्य इलाकों में अलाव जलाने का भी निर्देश दिया.

नए बंगलों में मंत्रियों का गृह प्रवेश खरमास के बाद होगा

रांची (एजेंसी): रांची के स्मार्ट सिटी में मंत्रियों के लिए नवनिर्मित बंगलो उनके वेलकम को तैयार है. जानकारी के अनुसार, खरमास के बाद मंत्रियों का इस नए बंगलो में गृह प्रवेश होगा. बताते चलें कि सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्मार्ट सिटी में मंत्रियों के लिए बने बंगलो का निरीक्षण भी किया था. इसके बाद सीएम ने अफसरों को १५ जनवरी २०२५ तक आवास से जुड़े सभी कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया था. स्मार्ट सिटी में मंत्रियों के लिए ११ आवास बनाए गए हैं.

बंगलो में मंत्रियों की तंदुरूस्ती का भी ख्याल रखा गया है. इसमें स्विमिंग पुल, जिम, प्ले जोन, बॉलीबॉल, बैडमिंटन कोर्ट भी बनाए गए हैं. पूरे एरिया को हरा-भरा बनाया गया है. इसमें क्लब हाउस की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है.

सरयू राय के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा दर्ज प्राथमिकी में पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश बरकरार

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने जदयू विधायक सरयू राय को मिली राहत बरकरार रखी है. बुधवार को अदालत ने उनके खिलाफ स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव द्वारा दर्ज करवाए गए मामले में पीड़क कार्रवाई पर रोक के आदेश को १० जनवरी तक विस्तार दिया है. इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए दोबारा समय दिया है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में सरयू राय की याचिका पर सुनवाई हुई. उनकी ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय ने बहस की. चुनाव के समय पीड़क कार्रवाई पर रोक के आदेश को विस्तार मिलने से सरयू राय को बड़ी राहत मिली है.

शहीद स्थल बिजनेस करने का स्थान नहीं है: जगदीश पाहन

रांची (एजेंसी): भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में २८ और २९ दिसंबर को होने वाले पौष मेला को लेकर पाहन महासंघ ने कड़ी आपत्ति जताई है. बुधवार को महासंघ ने मोरहाबादी स्थित डॉ रामदायल मुंडा पार्क में मीडिया को संबोधित किया. इस मौके पर पहानों ने कहा कि मेला का आयोजन हुआ तो उग्र आदोंलन किया जाएगा. राज्य भर के पाहन संघ समेत आदिवासी संगठन के लोगों का सहयोग भी लिया जाएगा. क्योंकि यह स्थल देश के वीर शहीद बलिदानों की स्मृति स्थल है. जो राष्ट्र के गौरव का प्रतीक है. इस स्थान पर भगवान बिरसा मुंडा और उनके अनुयायियों ने आजादी के लिए अपने प्राणों के आहुति दी थी.

कहा कि अब यह स्थल आदिवासियों के लिए श्रद्धा और आस्था का केंद्र बिंदु बन चुका है. शहीद स्थल को देखने हर हजारो लोग पहुंचते है. ऐसे में बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान पर जलसा या किसी प्रकार का रंगारंग कार्यक्रम करना उचित नहीं है. ऐसे स्थान का दुरूपयोग कर बिजनेस करने का जरिया बनाया जा रहा है. व्यापार करना शहीदों का अपमान करने के समान है. शहीद स्थल में जानबूझकर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. शहीदों के बलिदान स्थान पर मेला का आयोजन नहीं किया जा सकता है. इसे रोकने के लिए नगर निगम और उपायुक्त को लिखित रूप से आवेदन देने की बात कही गई.

राष्ट्रीय पहान महासंघ के अध्यक्ष जगदीश पाहन और चंदन हलधर पाहन ने कहा कि आयोजन कर रहे संस्था से अपील किया है कि वह पौष मेला का आयोजन बिरसा मुंडा स्मृति स्थान के बजाय अन्य स्थान पर आयोजित किया जाए. क्योंकि यह ऐतिहासिक धरोहर है. यह स्थान मौज मस्ती की जगह नहीं है. लोग यहां वीर शहीदों से देश प्रेम की सद्भावना का प्रेरणा लेने आते हैं. उनके संघर्षो को याद करने आते हैं. पैसा कमाने के लिए शहीद स्थल का उपयोग किया जा रहा है. इसे बर्दास्त नही किया जाएगा. मौके पर पाहन संघ का अध्यक्ष चंदन पाहन, अशोक पाहन, अरविंद पाहन, विजय पाहन, किस्टो पाहन, निरज पाहन, राहुल पाहन व रंजन पाहन समेत अन्य मौजूद थे.

राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों की वरीयता सूची जारी

रांची (एजेंसी): राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के ३३२ जवानों की वरीयता सूची जारी की गयी है. जैप डीआईजी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के एसपीसी उत्तीर्ण आरक्षियों का औपबंधिक राज्य वरीयता सूची प्रकाशित करते हुए आपत्ति की मांग की गयी थी. इसी के आधार पर राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के एसपीसी उत्तीर्ण आरक्षियों का राज्य वरीयता सूची मूल कोटि के आधार पर तैयार किया गया है.

रांची डीआईजी पहुंचे खूंटी, अफीम तस्कर पर नकेल कसने का दिया निर्देश

रांची (एजेंसी): रांची रेंज के डीआईजी अनुप बिरथरे आज बुधवार को खूंटी पहुंचे. वहां खूंटी थाना परिसर में उन्होंने पुलिस अनुमंडल थाना क्षेत्रों के पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक की. इस दौरान अफीम की खेती का विनष्टीकरण, अफीम की खेती के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई और एनडीपीएस से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा की. साथ ही डायल ११२, महिला थाना में महिलाओं के खिलाफ अपराध, जागरूकता और कोर्ट सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये. बैठक के बाद डीआईजी खूंटी कोर्ट कैंमस जाकर वहां के सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया. बैठक में

पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, एसडीपीओ वरूण रजक, इंस्पेक्टर समेत मारंगहादा, खूंटी, अड़की, मुरहू थाना के प्रभारी समेत एनडीपीएस एक्ट के अनुसंधानकर्ता समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे.

स्पीकर के पिता के निधन पर राज्यपाल ने शोक जताया

रांची (एजेंसी): राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ सिंह के कांके रोड, रांची स्थित आवास पहुंचे.

वहां उन्होंने उनके पिता गोलक बिहारी महतो के निधन पर दु:ख व शोक व्यक्त किया. राज्यपाल ने दिवगंत आत्मा की चिरशांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट की.

राज्य कमेटी की बैठक में निर्णय, रांची में सीपीएम का तीन दिवसीय राज्य सम्मेलन 9 जनवरी से

साहित्यकार व ट्राइबल रिसर्च संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ रणेंद्र स्वागत समिति के चेयरमैन

रांची (एजेंसी): मेन रोड स्थित सीपीआई एम कार्यालय में पार्टी की राज्य कमेटी की बैठक हुई. बैठक में पार्टी के दो पोलित ब्यूरो सदस्य और पूर्व सांसद वृंदा करात व डॉ रामचंद्र डोम उपस्थित थे. बैठक में विधानसभा चुनाव की समीक्षा की गयी. झारखंड में भाजपा गठबंधन को पराजित कर राज्य में एक धर्मनिरपेक्ष सरकार के गठन का काम पूरा होने पर राज्य के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया. इस अवसर पर सीपीएम का तीन दिवसीय राज्य सम्मेलन ९ से ११ जनवरी तक नामकोम में आयोजित करने का निर्णय लिया गया. सम्मेलन में राज्य भर में जिला सम्मेलनों से निर्वाचित ३४७ प्रतिनिधि और १९ दर्शक शामिल होंगे. पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि वे राज्य भर में फैले सीपीएम के ५५०५ पार्टी सदस्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे.

115 सदस्यीय स्वागत समिति का गठन

सम्मेलन की तैयारी के लिए साहित्यकार और भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी व ट्राइबल रिसर्च संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ रणेन्द्र की अध्यक्षता में ११५ सदस्यीय स्वागत समिति का गठन किया गया. स्वागत समिति में प्रगतिशील और जनवादी साहित्य कला एवं संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों, ट्रेड यूनियनों, महिलाओं, युवाओं व छात्रों के जनसंगठनो व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है.

प्रफुल्ल लिंडा स्वागत समिति के सचिव दिवाकर मुंडा संयुक्त सचिव बने

स्वागत समिति के सचिव पार्टी की रांची (पश्चिम) जिला कमेटी के जिला सचिव प्रफुल्ल लिंडा एवं संयुक्त सचिव रांची (पूर्वी) के जिला सचिव दिवाकर सिंह मुंडा तथा कोषाध्यक्ष अमल आजाद होंगे.

सम्मेलन स्थल का नाम पार्टी के दिवंगत महासचिव सीताराम येचुरी के नाम पर होगा. सम्मेलन के सभागार का नाम पं. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के स्मृति में रखा गया है. सम्मेलन के मंच का नाम शहीद सुभाष मुंडा मंच होगा.

किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे: बाबूलाल

रांची (एजेंसी): प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने किसानों से वादा किया था कि धान की खरीदी ३२०० रुपये प्रति क्विंटल की दर पर की जाएगी. लेकिन चुनावी वादों पर अमल न होने से किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं. बाबूलाल ने सोशल मीडिया पोस्ट पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि चुनावी वादों के अनुरूप किसानों से ३२०० रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान की खरीदी करें. साथ ही किसानों के लिए पारदर्शी व्यवस्था और समय पर भुगतान सुनिश्चित करें.

कोल विद्रोह के महानायकों को याद किया, आदिवासी संगठनों ने जमीन बचाने का संकल्प लिया

आदिवासी समुदाय अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है

रांची (एजेंसी): कोल विद्रोह के १९३ वर्ष बुधवार को पूरे होने पर महानायकों को याद किया गया. आदिवासी महासभा के बैनर तले करमटोली धुमकुड़िया भवन में कई आदिवासी संगठनों के लोग जुटे. सभी ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें याद कर जमीन बचाने का संकल्प लिया. लोगों ने कहा कि झारखंड बनने के बाद से आदिवासी जमीन तेजी से लूटी जा रही है. जमीन के मूल दस्तावेज, खतियान, खाता और प्लॉट नंबर में हेरफेर कर दिया गया है. आदिवासी महासभा के संयोजक देव कुमार धान ने आरोप लगाया कि राज्य में गरीब आदिवासियों की जमीन की लूट जारी है. आदिवासियों की धार्मिक जमीन भूईहरी, डाली कतारी, और पहनई जमीन में हेरफेर कर खरीद बिक्री हो रही है. इसे रोकने प्रयास नहीं हो रहा है.

आदिवासी समुदाय के बलकु उरांव ने कहा कि राज्य में आदिवासी समुदाय अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है, क्योंकि झारखंड में आदिवासी समुदाय के हक अधिकार की बात कोई नहीं सुन रहा है. जमीन विवाद निबटारा के लिए थाना, अंचल और उपायुक्त कार्यालय में दिये गये आवेदनों को नजर अंदाज कर दिया गया है. खुलेआम आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है. झारखंड प्रदेश आदिवासी सरना पडहा समाज के मुख्य संरक्षक रमेश उरांव ने कहा कि आदिवासियों की पहचान जमीन से है.

आदिवासी समाज के हाथ से सारी जमीन निकल जा रही है. फर्जी दस्तावेज बनाकर गरीबों की जमीन लूटी जा रही है. मौके पर बलकु उरांव, फूलचंद तिर्की, परनु उरांव, बुधुवा चरित्र, नारायण उरांव समेत अन्य उपस्थित थे.

सीजीएल परीक्षा के विरोध में सड़क पर उतरे छात्र, निकाला कैंडल मार्च

रांची (एजेंसी): झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा संचालित सीजीएल परीक्षा का विरोध तेज हो गया है. विरोध में छात्र सड़कों पर उतर आए हैं. बता दें कि मंगलवार को प्रशासन द्वारा हजारीबाग के आंदोलनरत छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया. लाठीचार्ज से कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए थे.

घायल छात्र फिलहाल अस्पताल में इलाजरत हैं. जिससे छात्रों एवं अभिभावको में भारी नाराजगी है. इस लाठी चार्ज का झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन ने भी विरोध किया.

इसे लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष सह छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने बुधवार को सरकार और प्रशासन के खिलाफ कैंडल मार्च निकाला. यह संध्याकालीन कैंडल मार्च जयपाल सिंह स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक गया. प्रदर्शन के दौरान शहीद अल्बर्ट एक्का में छात्रों एवं अभिभावकों का भारी जुटान हुआ.

डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन पर रोक लगे: देवेन्द्र नाथ

मीडिया को संबोधन में लाठी चार्ज की निंदा करते हुए छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि छात्रों का भविष्य का ख्याल रखते हुए तत्काल डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन पर रोक लगाया जाय एवं इस विवादित परीक्षाफल को रद्द कर पुन: प्रदर्शिता के साथ परीक्षा का आयोजन हो. कैंडल मार्च के दौरान देवेंद्र नाथ महतो, चंदन रजक, खगेन महतो, हर्षित सिंह, कर्मु मुंडा, लक्ष्मी कुमारी, रवी मंडल, विजय, प्रभु, विष्णु आदि बड़ी संख्या में अभ्यर्थी, कोचिंग संचालक शिक्षक एवं अभिभावकगण उपस्थित थे. कैंडल मार्च में आक्रोशित छात्र जेएसएससी सीजीएल परीक्षाफल रद्द करना होगा के नारे लगा रहे थे.

कहानी

भेड़िया आया

एक बार एक शैतान गरड़िया (शेफर्ड) था। उसने अपनी भेड़ों को घास चरने के लिए छोड़ दिया। अब इतने समय तक खाली बैठा वह लड़का बोर होने लगा इसलिए वह पेड़ पर चढ़ा और जोर-जोर से चिल्लाने लगा, 'बचाओ-बचाओ शेर आया और वह मेरी भेड़ों को खा जाएगा'। वहाँ के सभी लोग उस लड़के की मदद के लिए दौड़ते हुए आ गए पर वहाँ पर कोई शेर न देखकर बहुत नाराज हुए। अब क्या था उस लड़के को मैं बड़ा मजा आया।

अगले दिन फिर वह चिल्लाया 'बचाओ-बचाओ शेर आया और वह मेरी भेड़ों को खा जाएगा' और गाँव के भोले लोग फिर उसे बचाने चले आए। जब लोगों ने देखा कि वह झूठ बोल रहा है तो फिर से वे सब गुस्से में अपने-अपने घर चले गए। लड़का जोर-जोर से हँसने लगा और कुछ दिनों तक उसने ऐसा ही किया। एक दिन वहाँ पर सच में भेड़िया आया और वह उस लड़के की भेड़ों को खाने के लिए दौड़ा। वह लड़का चिल्लाया 'बचाओ-बचाओ शेर आया और वह मेरी भेड़ों को खा जाएगा' पर इस बार उसकी मदद के लिए कोई न आया। इस बार किसी ने भी उस लड़के पर विश्वास नहीं किया।

6.हंसेल और ग्रेटेल की कहानी

एक बार एक भाई-बहन होते हैं, लड़के का नाम होता है हंसेल और लड़की का नाम होता है ग्रेटेल। एक दिन उनकी माँ का देहांत हो जाता है और दोनों अपने पिता के साथ रहते थे। यद्यपि वे बहुत गरीब थे पर खुशी से एक साथ रहते थे। पर एक दिन उनके पिता ने दूसरी शादी कर ली और उनकी नई बीवी बहुत ज्यादा बुरी व बेदिल थी। एक बार उसने अपने पति से कहा कि उसे अपने दोनों बच्चों को जंगल में छोड़ देना चाहिए क्योंकि हमारे पास इतने पैसे नहीं हैं कि हम उन्हें खाना भी खिला सकें। पहले तो उसके पति ने मना किया पर फिर अंत में मान गया। अगली रात को पिता हंसेल और ग्रेटेल को जंगल में ले गया। हालांकि हंसेल ने उनकी योजना सुन ली थी और वह जानता था कि उसके पिता दोनों को जंगल में छोड़ने आए हैं। इसलिए उसने चलते-चलते जंगल के रास्ते में कुछ सफेद रंग के पत्थर फेंक दिए। दोनों बच्चों के पिता उन्हें जंगल में छोड़कर घर वापस आ गए। अब क्या था हंसेल और ग्रेटेल ने रास्ते पर पड़े सफेद पत्थरों की मदद से अपने घर को खोज लिया था। अगले दिन उनकी बुरी माँ ने उन बच्चों के साथ फिर से वही किया पर इस बार हंसेल ने कोई भी पत्थर नहीं लिए थे। चूंकि इस बार रास्ते में कोई सफेद पत्थर नहीं फेंके थे इसलिए उन्हें वापस घर जाने का रास्ता नहीं मिला और हंसेल व ग्रेटेल सच में जंगल में खो गए थे। दोनों भाई-बहन अकेले चलते-चलते थक चुके थे और उन्हें भूख भी लगी थी। कुछ देर बाद अचानक से उन दोनों को जंगल में एक सुंदर सा जिंजरब्रेड का घर दिखाई दिया।

भाई-बहन दोनों बहुत भूखे थे और ब्रेड देख कर वे खुशी से उसे खाने लगे। इतने में एक बूढ़ी औरत आई और उसने कहा कि वह उन दोनों बच्चों का खयाल रखेगी। अब हंसेल और ग्रेटेल खुशी-खुशी उस औरत के पास रहने लगे पर वे नहीं जानते थे कि वह बूढ़ी औरत चुड़ैल थी। उसने हंसेल को कैद कर लिया और उसे मोटा बना दिया ताकि वह उस बच्चे को खा सके। उस शैतानी चुड़ैल ने ग्रेटेल से घर के सभी काम करने को कहा। एक दिन उस चुड़ैल ने सोचा कि वह आज हंसेल को खा जाएगी और उसने ग्रेटेल को आग जलाने के लिए कहा। अब समय नही था, ग्रेटेल को अपने भाई की जान बचाने के लिए जल्द ही कुछ सोचना था और अचानक उसके दिमाग में एक आइडिया आया। ग्रेटेल ने आग जलाई और उसने चुड़ैल से आग की लौ चेक करने के लिए कहा। जब वह शैतानी चुड़ैल आग की लौ चेक कर रही थी तो ग्रेटेल ने उसे आग में ही धक्का दे दिया और अपने हंसेल को बचा लिया। इस तरह से ग्रेटेल ने अपने भाई की जान बचाई और दोनों भाई बहन वहाँ से चले गए।

बच्चों को सर्दी जुकाम से राहत दिलाने के घरेलू नुस्खे

जुकाम ऊपरी श्वसन तंत्र का आसानी से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो अधिकांशत नासिका को प्रभावित करता है। इसे नैसोफेरिंजाइटिस, अधिक नजला आदि नाम से भी जाना जाता है। बहुत से प्रकार के वायरस इस बीमारी के लिए जिम्मेदार होते हैं, लेकिन राइनोवायरस इनका सबसे आम प्रकार है। 50 प्रतिशत सर्दी जुकाम के मामलों के लिए जिम्मेदार माना जाता है।

बच्चों को जुकाम होना किसी बीमारी का संकेत तो नहीं

बच्चों को बार-बार जुकाम होना एक गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। आमतौर पर बुखार या जुकाम होने के बाद निमोनिया होता है और यह 10-12 दिन में ठीक हो जाता है। लेकिन कई बार यह खतरनाक भी हो जाता है, खासकर 5 साल से छोटे बच्चों और 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में क्योंकि उनकी इम्युनिटी कम होती है। दुनिया भर में होने वाली बच्चों की मौतों में 18 फीसदी सिर्फ निमोनिया की वजह से होती है। निमोनिया होने पर फेफड़ों में सूजन आ जाती है। निमोनिया होने पर फेफड़ों में सूजन आ जाती है और कई बार पानी भी भर जाता है। बच्चों में आमतौर पर वायरल से निमोनिया होता है, जबकि स्मोकिंग करने वालों में बैक्टीरिया से। निमोनिया होने पर फेफड़ों में सूजन आ जाती है और कई बार पानी भी भर जाता है। बच्चों में आमतौर पर वायरल से निमोनिया होता है। निमोनिया को 2 कैटिगरी में बांट सकते हैं। एक कम्यूनिटी से होने वाला और दूसरा हॉस्पिटल से होने वाला। पहली कैटेगरी में वायरस, बैक्टिरीया और फंगस आदि से होने वाला निमोनिया आता है।

बच्चों में जुकाम होने के कारण

मौसम के बदलने के समय ज्यादातर लोग सर्दी-जुकाम का शिकार बनना शुरु हो जाते हैं। वहीं इनमें से कुछ लोगों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बहुत कम होती है। जिन्हें हर मौसम में बार-बार सर्दी जुकाम होता रहता है, वैसे तो सर्दी जुकाम होना आम बात है लेकिन बार-बार होने पर बहुत परेशानी होती है।

बच्चों में जुकाम एक वायरस समूह के कारण भी हो सकता है। राइनोवायरस सामान्य जुकाम का सबसे आम कारण है। सामान्य जुकाम का वायरस आमतौर पर दो मुख्य तरीकों से फैलता है। वायरस छोटी बूंदों को साँस के द्वारा अथवा मुँह के द्वारा अन्दर लेने से अथवा संक्रमित नासिका के म्यूकस या संक्रमित वस्तुओं के संपर्क में आने से वातावरण में लम्बे समय तक बचे रह सकते हैं। इसके बाद वायरस हाथों से नाक अथवा आँखों में प्रसारित हो जाता है, जहां संक्रमण हो जाता है। एक दूसरे के पास बैठने वाले लोगों से संक्रमित होने का खतरा अधिक होता है। पारम्परिक सिद्धांत है कि जुकाम बहुत अधिक समय तक ठण्डे मौसम में रहने के कारण भी होता है।

बच्चों को जुकाम होने के लक्षण

- नाक का बंद होना।
- साइनस पर दबाव।
- नाक का लगातार बहना।
- नाक भारी होना।
- कुछ भी न सूंघ पाना अर्थात् सूंघने में कठिनाई होना।
- बार-बार छींक आना।
- आपके गले के पिछले हिस्से में नाक से स्राव होना।
- आंखों से पानी बहना।
- सिर में दर्द होना।
- गले में खराश होना।
- खांसी होना।
- लसीका का सूज जाना।
- थकान महसूस होना।
- ठण्ड की अनुभूति होना।
- शरीर में दर्द होना।
- हल्का बुखार आना।
- सीने में तकलीफ महसूस होना।
- गहराई से सांस लेने में कठिनाई।

बच्चों को जुकाम से बचाने के उपाय

सामान्य तौर पर सर्दी-जुकाम संक्रमण की वजह से होते हैं और बिना इलाज के ही एक से दो सप्ताह के भीतर अपने आप सही भी हो जाते हैं। हालांकि, आपको सर्दी जुकाम के लक्षण महसूस होने पर स्वस्थ आहार खाना चाहिए, यह सर्दी जुकाम के जल्दी ठीक करने में मदद करता है। कुछ खाद्य और पेय पदार्थ सर्दी जुकाम के लक्षणों को कम करते हैं और इससे राहत भी दिलाते हैं।

-सर्दी जुकाम में डेरी प्रोडक्ट्स खाना बहुत अधिक नुकसानदायक होता है, क्योंकि यह बलगम को गाढ़ा करता है और इसे बढ़ाता भी है। सर्दी जुकाम के दौरान डेरी उत्पाद खाने से इसे ठीक होने में अधिक समय लग सकता है, इसलिए सर्दी जुकाम में डेयरी उत्पाद बच्चों को नहीं देनी चाहिए।

-तले हुए खाद्य पदार्थों में बहुत अधिक वसा होती है, जो सर्दी जुकाम को बढ़ा सकता है। इसलिए तले हुए खाद्य पदार्थों को न खाएं। इसके अलावा तले हुए खाद्य पदार्थ सूजन को भी बढ़ाते हैं। सूजन बढ़ने से रोग-प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। इसके साथ ही साथ तले हुए खाद्य पदार्थ पाचन तंत्र को भी प्रभावित करते हैं।

-प्रोसेस्ड फूड में किसी भी प्रकार के पोषक तत्व नहीं होते हैं। इसलिए सर्दी जुकाम में फास्ट फूड नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक होते हां।

-भरपूर नींद लेने से आपकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, जिससे संक्रमण से लड़ने में मदद मिलती है।

-एंटीबायोटिक्स बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं, लेकिन यह सर्दी जुकाम के वायरस को मारने में किसी तरह से मदद नहीं कर पाते हैं। इसलिए सर्दी जुकाम में किसी तरह के एंटीबायोटिक्स नहीं देनी चाहिए।

-बच्चों को सर्दी जुकाम होने पर अपने मन से दवाईयां न दें, इसके कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इसलिए किसी प्रकार की दवा देने से पहले बच्चों के डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

-सर्दी जुकाम में चिकन सूप को बहुत फायदेमंद बताया गया है। इसका इस्तेमाल सर्दी जुकाम को ठीक करने के लिए सालों से किया जा रहा है। सर्दी जुकाम में चिकन सूप पीना लाभदायक होता है।

-लहसुन के कई स्वास्थ्य लाभ है। लहसुन में जीवाणुरोधी, एंटीफंगल एवं एंटीवायरल गुण होते हैं और इन्हीं गुणों की वजह से सर्दियों से इसका इस्तेमाल जड़ी-बूटीयों के रूप में किया जा रहा है।

-बीमारी के दौरान बच्चों को हाइड्रेट रखना चाहिए। सर्दी जुकाम में बुखार सामान्य बात है। बुखार की वजह से शरीर में पानी की कमी होती है। इसलिए सर्दी जुकाम में नारियल पानी पीना आपके लिए बहुत अधिक लाभदायक होता है और यह शरीर में पानी की मात्रा को बराबर बनाए रखने में मदद करता है। नारियल पानी में ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट मौजूद होते हैं, जो आपके शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं।

-शहद में जीवाणुरोधी गुण होते हैं। शहद का उपयोग घाव को ठीक करने में भी किया जाता है। इसके अलावा इस बात की भी पुष्टि हो गई है कि शहद प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्युनिटी) को मजबूत बनाता है।

-अदरक को पीसकर उसका रस निकाल लें और इसे अपने बच्चे को चटा दें। बच्चों को सर्दी, खांसी लग जाने पर रोजाना रात को सोते समय व सुबह उठने के बाद दें। यह उपाय सर्दी जुकाम को दूर करता है।

-छोटे बच्चों को सर्दी होने पर छोटी सी कली लहसुन की लें और बारीक पीस लें। उसमें हल्का सा शहद मिला दें और बच्चे को चटवाये। यह दिन में दो से तीन बार करें। रात को सोने से पहले सुबह उठने के बाद व दोपहर तक।

-1 चम्मच नींबू के रस में दो से तीन चम्मच शहद मिलाये और हर दो घंटे के बाद बच्चे को यह मिश्रण पिलाते रहें। इसके साथ ही एक गिलास गर्म दूध में एक से दो चम्मच शहद मिलाकर भी बच्चों को पीला सकते हैं।

-बच्चों को तुलसी व अदरक की चाय पिलाते रहें।

-रोजाना बच्चों को रात को सोते समय एक गिलास या एक कप में एक चम्मच हल्दी मिलाकर दें।

-अपने बच्चे को जिन्दगी भर सर्दी से दूर रखने के लिए उसे रोजाना सुबह के समय खाली पेट तुलसी के तीन से चार पत्ते खिलायें और एक गिलास पानी पिलाएं ।(और पढ़े- तुलसी के फायदे)

-मौसम में परिवर्तन आने पर अपने बच्चों को मौसम के अनुसार कपड़े पहनायें व पूरा बदन ढका हुआ रहे ऐसे कपड़े पहनाएं।

-बच्चों को ठण्डी हवा में जाने से रोके व अन्य गन्दी चीजें खाने से भी रोकें।

-थोड़े से नारियल के तेल में बहुत थोड़ा-सा कपूर का पाउडर लेकर गरम कर लें। इस तेल को ठण्डा करके इसके चार से पांच बूंदे अपनी हथेली पर लें और अपने बच्चे की छाती पर मालिश जैसा कर दें।

-नियमित रूप से हाथ धोने से जुकाम के विषाणुओं के संचरण या उन्हें फैलने से रोका जा सकता है।

-संक्रमित लोगों के आस-पास रहने के दौरान मास्क पहनना लाभकारी होता है।

इसके अलावा कुछ आसान से उपाय है जिनका ध्यान रखने में बच्चों को जुकाम होने से अनायास ही बचाया जा सकता है-

-बच्चे का कमरा साफ-सुथरा रखें।

-बच्चों को बार-बार न छूएं और बाहर से आते ही बिना धोए बच्चे को न उठाएं।

-बीमार या संक्रमित शख्स से बच्चों को दूर रखें।

-लक्षण नजर आने पर बच्चे का इलाज घर पर न करें, बल्कि तुरन्त डॉक्टर को दिखाएं।

-बच्चों को गरम एवं पूरे कपड़े पहना के रखने चाहिए।

-सर्दी जुकाम से बचाने के लिए बच्चों को ठण्डी चीजे जैसे कोल्ड ड्रिंक्स, आईस-क्रीम आदि का सेवन न करने दें।

-बच्चों को ठण्डे पानी से परहेज करवाएं।

-पीने को गुनगुना पानी ही दें।

-सर्दी के मौसम में बच्चों को गरम सूप पीने को दें।

-शिशु को स्तनपान करवाना उसके स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने के बेहतरीन उपायों में से एक है। शिशु की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यह पक्का उपाय नही है, मगर स्तनपान करने वाले शिशु सर्दी जुकाम और अन्य इन्फेक्शन से बेहतर बचाव कर पाते हैं।

-शिशु को संक्रमणों से बचाने के लिए बेहतर तो यही है कि उसे बीमार व्यक्ति से दूर रखा जाए या फिर आप उन्हें शिशु को पकड़ने या उसकी चीजों को छूने से पहले हाथ धोने के लिए कहे।

-यदि आप या आपके पति धूम्रपान करते हैं, तो इसे बंद कर देना शिशु के लिए अच्छा रहेगा। धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों के साथ रहने वाले शिशुओं को धुएँ के संपर्क में रहने वाले शिशुओं की तुलना में कम जुकाम होता है। शिशु को ऐसी जगहों पर भी ले जाने से बचें, जहां कोई धूम्रपान कर रहा हो।

-सर्दी जुकाम में मसालेदार भोजन करें। सर्दी जुकाम में मसालेदार खाद्य पदार्थ लाभदायक होते हैं। मिर्च में कैप्साइसिन नाम यौगिक मौजूद होता है, जो सर्दी-जुकाम के दौरान गर्म रखता है। कैप्साइसिन नामक यौगिक का इस्तेमाल दर्द निवारक दवाईयों में किया जाता है। बहुत से लोगों का मानना है कि मसालेदार भोजन से बंद नाक खोलने और बलगम को निकालने में मदद मिलती है।

बच्चों को जुकाम से राहत दिलाने के घरेलू उपचार

बच्चों को सर्दी और जुकाम लगना आम बात है। माता-पिता पूरी कोशिश करते हैं कि वे अपने छोटे बच्चों को सर्दी के प्रभाव से दूर रख सकें। लेकिन, फिर भी कभी-कभी सर्द हवायें बच्चों को परेशान कर ही जाती हैं। छोटे बच्चों की सेहत को लेकर फिक्रमंद होना स्वाभाविक ही है। अगर आपके बच्चे को शुरुआती लक्षण नजर आ रहें है तो उसका इलाज कर सकते हैं। इसके लिए निम्नलिखित घरेलू उपाय अपनाने चाहिए-

पेट्रोलियम जेली बच्चों को जुकाम से कष्ट से दिलाये राहत

बच्चे की नाक पर पेट्रोलियम जेली लगायें। बच्चे की नाक पर जेली लगाते ही उसे काफी सुकून मिलेगा। बच्चे की नाक जहां पर अधिक लाल और सूजी हुई हो, वहां पर जेली अधिक मात्रा में लगायें।

जुकाम से ग्रस्त बच्चे को स्टीम या भाप नाक से लेने से जल्दी आराम मिलता हे इससे बच्चे का नाक खुलने में आसानी होती है और उसे आराम मिलता है।

अपने बच्चे को तरल पदार्थों का अधिक सेवन करवाएं। अधिक तरल पदार्थों का सेवन निर्जलीकरण या डिहाईड्रेशन से बचाता है। इसके साथ ही इससे नाक स्राव भी पतला हो जाता है।

यूकीलिप्टस तेल की कुछ बूंदे बच्चे को सूँघा दें। इसकी कुछ बूंदे बच्चे के बिस्तर पर छिड़कने से भी आराम आ सकता है।

अगर आप चाहें तो 8 माह से ऊपर के बच्चों को चिकन सूप देकर उनका जुकाम ठीक कर सकते हैं।

शहद भी सर्दी, खांसी ठीक करने के उपाय के रूप में अपनाया जा सकता है। एक वर्ष से ऊपर के बच्चों को आधा चम्मच शहद दूध में मिलाकर दिन में दो बार दिया जा सकता है।

नवजात शिशु को जुकाम से बचाने के उपाय कभी-कभी बहुत मुश्किल होते हैं। ऐसे में अजवाइन का उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए अजवाइन को थोड़ा-सा लेकर हल्की आंच पर भून लें और इसकी एक छोटी-सी पोटली बना लें। इस पोटली को अपने नवजात शिशु की नाक के पास लाएं जिससे उसकी साँसों के साथ इसकी महक उनके नाक में जाए।

सलाइन का पानी बंद नाक में जादू जैसा काम करता है। इस पानी की दो से तीन बूंद नाक के दोनों ओर डाल कर बच्चे का सिर हल्के हाथ से ऐसे हिलाएं जिससे वो पानी आसानी से नाक में अंदर चला जाए। इससे भी बच्चों को सर्दी में तुरन्त आराम आ जाएगा।

दालचीनी एक प्रभावशाली एंटी बैक्टीरिया और एंटी ऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर होने के कारण बहुत फायदेमंद होता है।

5-10 चम्मच सरसों के तेल में पिसे हुए लहसुन और अजवायन के बीज को तड़का दें। इसके ठण्डा होने पर इसे छान कर एक बोतल में भर लें। इसको हल्के हाथ से बच्चे के माथे, गले और छाती में मालिश करें।

शादियों में फोटोग्राफी से खराब हो सकता है फोन का कैमरा, ये गलतियां भारी ना पड़ें

ठंड का मौसम दस्तक दे चुका है और इसके साथ ही शादियों का सीजन भी शुरू हो गया है। जाहिर है कि सभी बन-ठन कर ऐसे आयोजनों में शामिल होते हैं और शादियां खुशी और जश्न का मौका होती है तो फोटोग्राफी भी होगी। ज्यादातर लोग खास पलों को अपने स्मार्टफोन कैमरे में कैद करना चाहते हैं लेकिन क्या आपको पता है कि वेडिंग सीजन में फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी के दौरान लापरवाही से आपके फोन का कैमरा खराब हो सकता है।

अगर आपको सुनकर अजीब लग रहा हो कि शादी में इतने साल से फोटोग्राफी हो रही है तो अचानक फोन कैमरा खराब होने की बात कैसे आई, तो बता दें कि अब शादियों में इस्तेमाल होने वाली लाइट्स और डेकोरेशन का तरीका बदला है। तेज रोशनी और खासकर फ्लैश या लेजर लाइट्स की वजह से स्मार्टफोन्स के कैमरा सेंसर को नुकसान पहुंच सकता है। आप लेजर लाइट्स को फोन कैमरे का दुश्मन भी कह सकते हैं।

इन तरीकों से खराब हो सकता है कैमरा

कई यूजर्स को फोन का कैमरा सेंसर खराब होने के बाद गलती का एहसास होता है। यही वजह है कि हम आपको पहले ही इस बारे में जानकारी दे रहे हैं और जागरूक कर रहे हैं। शादी या ऐसे किसी भी आयोजन में तेज लाइट्स या लेजर लाइट्स के बीच फोटोग्राफी से फोन कैमरा को कई तरह से नुकसान पहुंच सकता है, जिनके बारे में हम नीचे बता रहे हैं।

सेंसर बर्न- लेजर लाइट्स या सीधी रोशनी के कैमरा लेंस पर पड़ने के चलते सबसे ज्यादा मामले सेंसर बर्न के सामने आते हैं। ऐसी रोशनी सेंसर को हमेशा के लिए डैमेज कर सकती है, जिससे उसपर परमानेंट दाग और धब्बे पड़ जाते हैं। इसके बाद आपके फोन से क्लिक हर फोटो में ग्रीन, ऑरेंज या वाइट डॉट्स या लाइन्स दिखने लगती हैं। ऑटो फोकस में दिक्कत- सीधे लाइट की ओर कैमरा पॉइंट करने की स्थिति में ऑटो-फोकस सिस्टम कन्फ्यूज हो जाता है और कई बार धुंधली या ब्लर फोटोज आने लगती हैं। ऑटो-फोकस को एडजस्ट होने के लिए ज्यादा वक्त देना पड़ता है।

कंट्रास्ट और कलर में बदलाव- लेजर लाइट्स या तेज लाइट के एक्सपोजर से फोटोज में कंट्रास्ट और सैचुरेशन कम हो सकता है और कई बार यह दिक्कत लगातार देखने को मिलती है। यानी आपके फोन से क्लिक फोटोज फीके-फीके से लगते हैं।

सेंसर की सेंसिटिविटी पर असर- बार-बार तेज रोशनी में फोटोज क्लिक करने या वीडियोग्राफी करने पर कैमरा सेंसर की सेंसिटिविटी प्रभावित हो सकती है। ऐसा होने के बाद फोन की लो-लाइट फोटोग्राफी परफॉर्मेंस खराब होने का डर रहता है।

बचाव के लिए ये तरीके आजमाएं

आप चाहें तो कैमरा लेंस फिल्टर्स इस्तेमाल कर सकते हैं, जो रोशनी को कम कर देते हैं। इसके अलावा स्मार्टफोन कैमरे को सीधी रोशनी से बचाना बेहद जरूरी है। आप लेजर लाइट्स की फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी करने की गलती ना करें क्योंकि आपको सेंसर बर्न होने के बाद पता चला तो देर हो चुकी होगी। आप प्रोफेशनल कैमरा इस्तेमाल करें या फोटोग्राफर से अपनी तस्वीरें क्लिक करने को कहें।

ऐसा नहीं है कि आपको फोटोज नहीं क्लिक करनीं, बस इस बात का ध्यान रखें कि आप डायरेक्ट लाइट की ओर कैमरा पॉइंट करके फोटोग्राफी तो नहीं कर रहे।

बायोटैक्नोलॉजी में अवसरों की कमी नहीं

बायोटैक्नोलॉजी की शिक्षा प्राप्त के बाद देश के साथ-साथ विदेश में भी काम करने के ढेरों अवसर हैं । मैडीसिन एंड हैल्थकेयर, पशुपालन, कृषि तथा पर्यावरण इंडस्ट्री में आप मार्कीटिंग, रिसर्च और प्रोडक्शन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में देशी-विदेशी कई कम्पनियां मौजूद हैं जो बायोटैक्नोलॉजिस्ट्स को अनुसंधान और विकास में रोजगार प्रदान करती हैं । सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में भी अवसरों की कमी नहीं है ।

क्या है बायोटैक्नोलॉजी?

बायोटैक्नोलॉजी रिसर्च आधारित विज्ञान है जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक सिद्धांतों और तकनीक का प्रयोग करते हुए बायोलॉजिकल सिस्टम में सुधार करना है । बायोलॉजी और टैक्नोलॉजी को मिलाकर बने इस फील्ड में बायोकैमिस्ट्री, जैनेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, कैमिस्ट्री, इम्युनोलॉजी, इंजीनियरिंग, पेड़-पौधे, हैल्थ और मैडीसिन, क्रॉपिंग सिस्टम व मैनेजमैंट, मृदा-विज्ञान और संरक्षण, इकोलॉजी, बायोस्टैटिस्टिक्स, सैल बायोलॉजी, सीड टैक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी आदि शामिल हैं। आज के दौर का सबसे विवादास्पद विषय है बायोटैक्नोलॉजी जिसे मुख्यत- शोध आधारित विज्ञान माना जाता है। यह एक विस्तृत फील्ड है जिसके विस्तृत दायरे ने इसे एक बेहतरीन करियर विकल्प बना दिया है । इसका संबंध स्वास्थ्य, चिकित्सा, कृषि, पशुपालन, उद्योग, पर्यावरण से लेकर अनुसंधान तक है ।

योग्यता

बायोटैक्नोलॉजी में स्नातक स्तर पर आप बी.एससी., बी.ई. और बी.टैक कर सकते हैं तो पोस्ट ग्रैजुएट स्तर पर एम.एससी., एम.टैक या एम.बी.ए. के विकल्प आपके लिए मौजूद हैं । बायोटैक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए विज्ञान का अभ्यर्थी होना जरूरी होगा । बायोलॉजी, फिजिक्स, कैमिस्ट्री एवं कृषि की जानकारी जरूरी है। आई.आई.टी. संस्थानों में 5 वर्षीय इंट्रीग्रेटेड एम.टैक कोर्स भी उपलब्ध है जो12वीं के बाद किया जा सकता है ।

विदेशों में भी अवसर

बायोटैक्नोलॉजी की शिक्षा प्राप्त के बाद देश के साथ-साथ विदेश में भी काम करने के ढेरों अवसर हैं । मैडीसिन एंड हैल्थकेयर, पशुपालन, कृषि तथा पर्यावरण इंडस्ट्री में आप मार्कीटिंग, रिसर्च और प्रोडक्शन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

सम्भावनाएं

इस क्षेत्र में देशी-विदेशी कई कम्पनियां मौजूद हैं जो बायोटैक्नोलॉजिस्ट्स को अनुसंधान और विकास में रोजगार प्रदान करती हैं । सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में भी अवसरों की कमी नहीं है । लैबोरेटरीज और रिसर्च इंस्टीच्यूट्स में बतौर साइंटिस्ट और असिस्टैंट काम कर सकते हैं । कृषि और बागवानी के संस्थानों में भी इनकी मांग है ।

क्या आप कॉमर्स लेने जा रहे हैं...

अगर आप बारहवीं में कॉमर्स लेने जा रहे हैं लेकिन आपको पता नहीं कि इसके बाद आप कौन-कौन से करियर अपना सकते हैं तो आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। आज हम आपको बताएंगे कि कॉमर्स के छात्रों के लिए बेहतर करियर विकल्प क्या हैं

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

जो छात्र 10+2 में वाणिज्य लेते हैं, उनकी पहली प्राथमिकता चार्टर्ड अकाउंटेंसी होती है। आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी की मांग कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों में है। अंतरराष्ट्रीय अवसरों के कारण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी युवाओं के लिए अग्रिम कैरियर विकल्प बन गया है। द इंस्टीट्युट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जो भारत सरकार के अधीन पंजीकृत संस्था है, को भारत में इस क्षेत्र में पाठ्यक्रम चलाने का एकाधिकार प्राप्त है।

कंपनी सेक्रेटरीशिप

वाणिज्य से 10+2 पूरा करने वाले छात्रों का एक बड़ा वर्ग कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहता है। आज हर उस कंपनी में, जिसका पेड-अप पूंजी 1 करोड़ से अधिक है, एक कंपनी सेक्रेटरी होना अनिवार्य है। तीन स्तरों में होने वाले इस पाठ्यक्रम सह परीक्षा की विस्तृत जानकारी के लिए आफ इंस्टीट्युट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आईसीएस आइ डॉट इडीयू पर संपर्क करें।

कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंट

फाइनेंस के क्षेत्र में एक नया क्षेत्र उभर कर आया है, जिसे कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंसी के नाम से जाना जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी या कंपनी सेक्रेटरीशिप की तरह तीन स्तरों- फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा को उत्तीर्ण कर कॉस्ट अकाउंटेंट की योग्यता प्राप्त कर सकता है। कॉस्टअकाउंटेंट किसी कंपनी का वह पदाधिकारी होता है, जिसे अपनी तकनीकी दक्षता से कंपनी की पूंजी व लागत का

उचित इस्तेमाल करना होता है। विस्तृत जानकारी के लिए आप इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंसी ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएमएआइ डॉट इन पर संपर्क करें।

लॉ

वाणिज्य से बारहवीं के बाद छात्रों का एक बड़ा तबका लॉ के क्षेत्र में जाता है। 10+2 के बाद 5 वर्षीयलॉइंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम पूरा करकानून के क्षेत्र में कैरियर को एक नयी दिशा दी जा सकती है। पहले इस इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम में केवल बीएएलएलबी पाठ्यक्रम ही होता था। परंतु समय की मांग को देखते हुए बीएएलएलबी के अतिरिक्त व्यापार प्रबंधन की चाह रखने वाले छात्रों के लिए बीबीएएलएलबी, विज्ञान के छात्रों के लिए बीएससीएलएलबी या कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉमएलएलबी पाठ्यक्रमों की भी घोषणा कर दी गयी है।इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आपको एक विशेष प्रवेश जांच परीक्षा देनी होगी, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट यानी क्लैट कहा जाता है। इस प्रवेश जांच परीक्षा के माध्यम से आपको देश के प्रतिष्ठित लॉ विश्वविद्यालय में दाखिले का अवसर प्राप्त होगा।

बैंकिंग

यदि हम यह कहें कि आनेवाले कुछ वर्ष बैंकिंग के क्षेत्र में नयी नौकरियों की चाह रखने वाले छात्रों के नाम होंगे, तो कुछ गलत न होगा। आगामी कुछ वर्षो में लगभग 1 लाख से अधिक छात्रों के लिए बैंकिंग सेक्टर के दरवाजे खुले रहेंगे। यदि आप 10+2 के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो क्लर्क लेवल के लिए आवेदन करें। हालांकि कई बैंकों में अब क्लर्क के लिए भी स्नातक आवश्यक योग्यता के रूप में मांगी जाती है। परंतु कुछ विकल्प अभी भी 10+2 के बाद इस पद के लिए उपलब्ध हैं। यदि आप प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो वाणिज्य से स्नातक करें और प्रवेश जांच परीक्षा में बैठने की रणनीति बनायें।

बिजनेस मैनेजमेंट

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने जहां एक ओर कॉरपोरेट दुनिया को नया आयाम प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर बिजनेस मैनेजरों की भारी मांग ने युवाओं के लिए कैरियर द्वार खोल दिया। 10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम आपको बिजनेस मैनेजमेंट की दुनिया में प्रवेश दिलासकते हैं। इन पाठ्यक्रमों को अलग-अलग विश्वविद्यालय में कई बार अलग-अलग नाम से जाना जाता है, परंतु इनके कोर्स कंटेंट लगभग एक जैसे होते हैं। कहीं इसे बीबीए यानी बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कहा जाता है, तो कहीं इसे बीबीएमयानी बैचलर इन बिजनेस मैनेजमेंट कहा जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में इसे बैचलर इन बिजनेस स्टडीज का नाम दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक करने के बाद किसी अच्छे संस्थान से एमबीए करने वाले छात्रों को पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

पत्रकारिता

वाणिज्य से पढ़ाई करने के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सपना देखने वाले छात्र बिजनेस स्टैंडर्ड, इंडियन इकनोमी, सीएनबीसी आवाज जैसे चैनलों में रोजगार खोज सकते हैं। इन चैनलों में वाणिज्य के जानकार को आर्थिक या बिजनेस पेज या प्रोग्राम का उत्तरदायी बनाया जाता है।

कंप्यूटर साइंस

एक समय था जब केवल गणित के छात्र ही इस क्षेत्र में प्रवेश करते थे। समय के साथ बढ़ती मांग को देखते हुए कई विश्वविद्यालय वाणिज्य या आर्ट्स के छात्र को भी इस क्षेत्र में प्रवेश देते हैं। बीसीए यानी बैचलर इन कंप्यूटर अप्लीकेशन के लिए 10+2 पर आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन इसी प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम जैसे बीएससी (कंप्यूटर साइंस) या बीएससी (आइटी) में प्रवेश के लिए ज्यादातर विश्वविद्यालय 10+2 में गणित मांगते हैं। यदि आपकी रुचि कंप्यूटर साइंस में है, तो निःसंकोच बीसीए पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं। केवल एक बात का ध्यान रखें कि उक्त पाठ्यक्रम रेग्युलर हो, दूरशिक्षा के अंतर्गत नहीं, अन्यथा आपको पूरा व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिल पायेगा, जो इस क्षेत्र में सफल होने का आधार है।

कॉलेज की ये डिग्रियां आपको दिला सकती हैं सबसे ज्यादा सैलरी

हम सब एक बेहतर नौकरी की तलाश में रहते हैं। जहां हमारी सैलरी बेहतर हो और हमें एक अच्छा लिविंग स्टैंडर्ड मिले, इतना ही नौकरी पाने के बाद हमारा सोसाइटल स्टेटस भी बढ़ जाए। इन सभी बेहतर चीजों के लिए हमें जरूरत होती है, एक बेहतर सैलरी वाली नौकरी। ऐसे में हमें स्कूल पास करते ही यह सोच लेना चाहिए कि हम आगे क्या करना चाहते हैं। ताकि उसी के मुताबिक हम अपने ऊपर काम कर सकें। ऐसे में हमें कॉलेज से उस डिग्री की पढ़ाई करनी चाहिए, जिससे कॉलेज के बाद नौकरी के लिए ज्यादा भटकना ना पड़े। खैर भारत में बेरोजगारी के हालात को देखते हुए यह दावा नहीं किया जा सकता कि कोई कोर्स करके आप निश्चित ही नौकरी पा सकते हैं। पर आप इन कोर्सको करने के बाद थोड़े ही एफर्ट में एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी पा सकते हैं तो आइए जानते हैं, कि आखिर कौन से हैं वो कोर्सेज।

एमबीबीएस, मेडिकल

मेडिकल की शिक्षा को लेकर भारत में सबसे ज्यादा मुकाबला है। एमबीबीएस का फुल फॉर्म बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी है'। मुट्ठी भर कॉलेजों के लिए लाखों बच्चे परीक्षा में बैठते हैं। यह डिग्री पूरी कर लेना अपने आप में ही बड़ी बात होती है, क्यों कि आधे से ज्यादा बच्चे कॉलेज के लिए परीक्षा क्वालीफाई ही नहीं कर पाते। यह कोर्स 5.5 साल का होती है मगर इसे पास करने में और भी साल लग जाते हैं। इसके लिए आपको नीट की परीक्षा देनी पड़ती है, अगर आप क्वालिफाई होते हैं तब ही आपको कॉलेज मिलेंगे।

बीबीए, मैनेजमेंट

ज्यादातर कॉमर्स स्टूडेंट बीबीए का ऑप्शन चुनते हैं। इस कोर्स के साथ करियर बनाने के लिए आपकी मैनेजमेंट की स्किल बहुत अच्छी होनी चाहिए। आज के इस कॉम्पिटेटिव माहौल में हर कंपनी मैनेजर रखना चाहती है, जिस कारण इस कोर्स को पढ़ने से आपकी अच्छी खासी जॉब लग सकती है। यह कोर्स करने के बाद आपको बिजनेस और मैनेजमेंट से जुड़ी हर अहम बात बताई जाती हैं। बीबीए तीन साल का कोर्स होता है, आप को बता दें कि ये कोर्स काफी महंगा है, अगर आप सरकारी कॉलेज निकालते हैं तब तो बजट फ्रेंडली है, मगर प्राइवेट कॉलेज में ये फीस और भी ज्यादा है। पर अगर आपको यहां एक अच्छी प्लेसमेंट मिल जाए, तो आपका करियर सेट हो जाएगा।

बीटेक, इंजीनियरिंग

आज हर फील्ड में आधुनिकता की जरूरत है, जिस कारण इंजीनियर्स के लिए जॉब हमेशा रहेगी। देश में ही नहीं बल्कि विदेशी मुल्कों में भी भारतीय इंजीनियर्स बड़े-बड़े पदों पर काम करते हैं। अगर आप टेक्निकल फील्ड में इंटरेस्ट रखते हैं तो आपको बीटेक करने के बारे में सोचना चाहिए, हालांकि पिछले कई सालों से प्राइवेट कॉलेज के चलन के कारण इसमें जॉब के लिए और भी ज्यादा कॉम्पिटिशन बढ़ता जा रहा है। अगर आपको आईआईटी या एनआईटी के कॉलेज में पढ़ने का मौका मिलता है, तो ये कोर्स करना आप के लिए फायदेमंद है।

मर्चेंट नेवी

समुद्र के बीच बड़ी बड़ी नावों में आने जाने वाले समान को सुरक्षित रखने का काम मर्चेंट नेवी का होता है। यह वैश्विक व्यापार की रीड़ के रूप में काम करता है। यह प्राइवेट कंपनियों और सरकार दोनों के लिए ही काम करता है। आप चाहें तो बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद ही इस जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यहां शुरुआती पोस्ट की भी सैलरी 50000 के ऊपर है, जो कई अन्य नौकरियों के मुकाबले काफी ज्यादा है।

एलएलबी

अगर आपको देश विदेशों के नियम-कानून के बारे में जानने में दिलचस्पी है तो आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं। जिसके लिए भारत में कई सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के कॉलेज मौजूद हैं, इस डिग्री को अगर अच्छे कॉलेज से किया जाए, तो सैलरी का पैकेज 8,00,000 सालाना हो। अगर आप एलएलबी कर रहें हैं तो मन लगाकर करें, जिससे जल्द से जल्द नौकरी लगने आसार हों।

डोनाल्ड ट्रम्प जन्मसिद्ध नागरिकता को खत्म करने की बना रहे योजना, भारतीयों पर होगा इसका असर

वॉशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नागरिकता के नियमों को बदलना चाहते हैं। चुनाव अभियान के दौरान भी उन्होंने ऐसा करने का वादा किया था और अब राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद वह लगातार ऐसा करने का दावा कर रहे हैं।

ट्रंप ने कहा है कि वह राष्ट्रपति कार्यभार संभालते ही जन्म से मिलने वाली नागरिकता को खत्म कर देंगे। हालांकि, ट्रंप के लिए इस नीति को खत्म करना इतना ज्यादा आसान नहीं होने वाला है, क्योंकि उनके आगे कई चुनौतियां आने वाली हैं।

राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प का मानना है कि जन्मसिद्ध अधिकार-नागरिकता हास्यास्पद है और 20 जनवरी को पदभार ग्रहण करने के बाद वे इसे समाप्त करना चाहते हैं। यह एक ऐसी गारंटी है जो 150 से अधिक वर्षों से संविधान में निहित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी सीमाओं के भीतर पैदा हुए बच्चों को नागरिकता प्रदान करता है, चाहे उनके माता-पिता की नागरिकता कुछ भी हो। हालाँकि, यह जल्द ही बदल जाएगा। बर्थराइट सिटिजनशिप का मतलब है कि अमेरिका में पैदा होने वाला कोई भी शख्स अपने आप अमेरिकी नागरिक बन जाता है। ये नियम उन बच्चों पर भी लागू होता है, जिनके पैरेंट्स अवैध रूप से देश में हैं या टूरिस्ट-स्टूडेंट वीजा पर हैं। प्यू रिसर्च के मुताबिक, अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी लोगों की आबादी 48 लाख है, जिसमें से 16 लाख या 34त्र का जन्म अमेरिका में हुआ है। इनमें से जितने लोगों के माता-पिता के पास ग्रीन कार्ड या नागरिकता नहीं होगी, वे नियम खत्म होने पर नागरिकता गंवा सकते हैं। सर्किल ऑफ काउंसल्स के पार्टनर रसेल ए स्टैमेट्स ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया, यह हर देश की प्रथा नहीं है और ट्रंप तथा उनके समर्थकों ने तर्क दिया है कि इस प्रणाली का दुरुपयोग किया जा रहा है तथा अमेरिकी नागरिक बनने के लिए कड़े मानदंड होने चाहिए।

जन्मसिद्ध नागरिकता का अधिकार संविधान के 14वें संशोधन पर आधारित है और अमेरिकी कानून के तहत अच्छी तरह से स्थापित है, इसलिए इसे समाप्त करने से महत्वपूर्ण कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

14वें संशोधन में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में जन्मे या प्राकृतिक रूप से बसे सभी व्यक्ति और उसके अधिकार क्षेत्र के अधीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और उस राज्य के नागरिक हैं जहाँ वे रहते हैं।

ट्रम्प और इस नीति के अन्य विरोधियों का कहना है कि इससे जन्म पर्यटन को बढ़ावा मिलता है, एक ऐसी घटना जिसमें गर्भवती महिलाएं विशेष रूप से बच्चे को जन्म देने के लिए अमेरिका में प्रवेश करती हैं, ताकि उनके बच्चे को उनके देश वापस लौटने से पहले अमेरिकी नागरिकता मिल जाए।

एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, आव्रजन को कम करने की वकालत करने वाले नंबर्सयूएसए के शोध निदेशक एरिक रुआर्क ने कहा, केवल सीमा पार करने और बच्चा पैदा करने से किसी को नागरिकता का अधिकार नहीं मिल जाना चाहिए।

ट्रम्प ने यह भी कहा, मैं परिवारों को तोड़ना नहीं चाहता, इसलिए परिवार को टूटने से बचाने का एकमात्र तरीका यह है कि आप उन्हें एक साथ रखें और आपको उन सभी को वापस भेजना होगा। जिसका मतलब है कि परिवारों को एक साथ रखने के लिए कानूनी नागरिकों को भी निष्कासित किया जाएगा।

अमेरिकी आव्रजन परिषद द्वारा 2011 में जारी एक तथ्यपत्र में कहा गया है कि जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करने से सभी प्रभावित होंगे तथा अमेरिकी माता-पिता के लिए अपने बच्चों की नागरिकता साबित करना कठिन हो जाएगा।

फैक्टशीट में कहा गया है, हमारे जन्म प्रमाण पत्र हमारी नागरिकता के प्रमाण हैं। यदि जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त कर दिया जाए, तो अमेरिकी नागरिक नागरिकता के प्रमाण के रूप में अपने जन्म प्रमाण पत्र का उपयोग नहीं कर सकेंगे। 2022 की अमेरिकी जनगणना के प्यू रिसर्च के विश्लेषण के अनुसार, अमेरिका में लगभग 4.8 मिलियन भारतीय-अमेरिकी रह रहे हैं, जिनमें से 34 प्रतिशत या 1.6 मिलियन का जन्म देश में हुआ है। ये व्यक्ति मौजूदा कानून के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका के नागरिक हैं। अगर ट्रंप इस कानून को खत्म कर देते हैं, तो 1.6 मिलियन भारतीय प्रभावित होंगे। हालाँकि, राष्ट्रपति संविधान में संशोधन नहीं कर सकते हैं और इस अधिकार को प्रतिबंधित करने का कार्यकारी प्रयास 14वें संशोधन का उल्लंघन होगा। प्रो-इमिग्रेशन कैटो इंस्टीट्यूट के उपाध्यक्ष एलेक्स नोरास्टेह ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, मैं उनके बयानों को बहुत गंभीरता से नहीं लेता। वे लगभग एक दशक से ऐसी बातें कहते आ रहे हैं। जब वे पहले राष्ट्रपति थे, तब उन्होंने इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नहीं किया।

संक्षिप्त समाचार

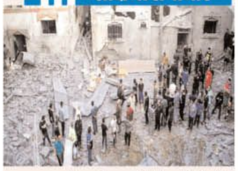

इजराइल ने उत्तरी गाजा में विस्थापितों को बनाया निशाना, हमले में महिलाओं और बच्चों समेत 19 लोगों की मौत

गाजा , एजेंसी। उत्तरी गाजा पट्टी के बेत लाहिया कस्बे में इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमले में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इस मकान में विस्थापित लोगों ने शरण ली हुई थी, जो इजराइली हमलों से बचने के लिए वहां छिपे थे। फिलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि यह हमला मंगलवार रात को किया गया और उसके बाद बुधवार सुबह कमाल अदवान अस्पताल में पीड़ितों को लाया गया। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि मृतकों के अलावा कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। डॉक्टरों ने घायलों की हालत को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। इस हमले को लेकर इजराइली सेना ने अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, गाजा में जारी संघर्ष के दौरान इजराइली सेना ने बार-बार यह दावा किया है कि उनके हमले आतंकवादी ठिकानों और हथियारों के भंडार को निशाना बना रहे हैं। गाजा पट्टी में लंबे समय से जारी संघर्ष के कारण हालात अत्यंत गंभीर हो चुके हैं। यहां के नागरिक लगातार विस्थापन, बुनियादी सुविधाओं की कमी और सुरक्षा का संकट झेल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों ने इन हमलों में निर्दोष नागरिकों की बढ़ती मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

अमेरिका ने भारत-बांग्लादेश संबंधों पर दी सलाह- सभी पक्ष शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं मतभेद

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने भारत और बांग्लादेश से अपने मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का अनुरोध किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। भारत के विदेश सचिव की हाल में हुई बांग्लादेश की यात्रा पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में मिलर ने कहा, ''हम चाहते हैं कि सभी पक्ष अपने मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को बांग्लादेश की यात्रा की थी और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भारत की ''चिंताओं से उसे अवगत कराया था। मिसरी ने अपनी यात्रा के अंत में ढाका में संवाददाताओं से कहा, '' मैंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम करने की भारत की इच्छा को उजागर किया। साथ ही हमें हाल के कुछ घटनाक्रम और मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर भी मिला और मैंने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण से संबंधित चिंताओं से उन्हें अवगत कराया।

सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत, 5 घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के रौतहाट जिले में मंगलवार को एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। वाहन में 13 लोग सवार थे। इस वाहन पर तीर्थयात्री सवार थे जो कि बारा जिले में एक मंदिर का दर्शन घर लौट रहे थे। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रौताहट जिला पुलिस के सूचना अधिकारी राम कुमार महतो ने बताया, शुरुआती जांच से पता चलता है कि ड्राइवर तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहा था जिसकी वजह से वह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया। महतो ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है।

एलन मस्क बनेंगे दुनिया के पहले 400 अरब डॉलर क्लब के सदस्य

वाशिंगटन, एजेंसी। 'अबकी बार 400 पार' अमेरिका में एलन मस्क के लिए कोई पॉलिटिकल नारा नहीं है बल्कि उनकी नेटवर्थ से जुड़ा हुआ है। एलन मस्क की कुल संपत्ति 400 अरब डॉलर के बेहद करीब पहुंच गई है और जानकारों का अनुमान है कि वे अगले कुछ दिनों में इस जादुई आंकड़े को पार कर लेंगे। साल खत्म होने में करीब 20 दिन बाकी हैं और मस्क केवल 16 अरब डॉलर से 400 अरब डॉलर की नेटवर्थ तक पहुंचने से चूक रहे हैं।

एलन मस्क की दौलत में हाल ही में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और इसका बड़ा कारण डोनाल्ड ट्रंप की जीत मानी जा रही है। 5 नवंबर के बाद से एलन मस्क की संपत्ति में 120 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं इस पूरे साल में उनकी कुल नेटवर्थ में 150 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क की वर्तमान नेटवर्थ 384 अरब डॉलर है। हाल ही में उनकी संपत्ति में 8 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। इससे पहले एक दिन में ही उनकी संपत्ति में 14 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ था। इसका मतलब यह है कि पिछले कुछ दिनों में ही एलन मस्क की दौलत में 20 अरब डॉलर से अधिक का इजाफा हो चुका है। एलन मस्क अब सिर्फ 16 अरब डॉलर दूर हैं 400 अरब डॉलर के आंकड़े से। इस रफ्तार से उनकी नेटवर्थ बढ़ रही है तो संभव है कि इस हफ्ते के अंत तक वह 400 अरब डॉलर की सीमा पार कर लें। एलन मस्क की दौलत में इजाफे का सबसे बड़ा कारण टेस्ला के शेयर हैं जिनकी कीमत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। पिछले पांच कारोबारी दिनों में टेस्ला के शेयरों में 13.48 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। एक महीने में इन शेयरों ने एलन मस्क को 14.57 फीसदी का फायदा पहुंचाया। इसके अलावा पिछले छह महीने में टेस्ला के शेयरों की कीमत में 135 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बता दें कि मंगलवार को टेस्ला के शेयर 400 डॉलर के पार पहुंचे और 409.73 डॉलर के साथ 52 हफ्तों का हाई भी बना दिया। 4 नवंबर के बाद से टेस्ला के शेयरों में 69 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। अंत में कहा जा सकता है कि एलन मस्क की बढ़ती दौलत इस बात का सबूत है कि उन्होंने तकनीकी और व्यवसायिक क्षेत्र में काफी सफलता हासिल की है। उनकी कंपनियों, खासकर टेस्ला और स्पेसएक्स की सफलता ने उनकी संपत्ति को आसमान तक पहुंचा दिया है।

जापान में आई अनोखी वॉशिंग मशीन, जो इंसान के शरीर को धोकर 15 मिनट में बनाएगी नया!

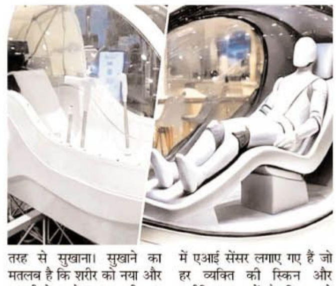

टोक्यो, एजेंसी।
कल्पना कीजिए, आपके घर में एक ऐसी वॉशिंग मशीन हो जो कपड़ों के बजाय इंसानों को धोती हो बिल्कुल वैसे ही जैसे आप कपड़े धोते हैं। यह वॉशिंग मशीन इंसानी शरीर को धोकर केवल 15 मिनट में उसे सुखा भी देती है और शरीर बिलकुल नया लगने लगता है। यह कोई विज्ञान कथा नहीं बल्कि अब हकीकत बन चुकी है और इसे संभव किया है जापान के वैज्ञानिकों ने।

यह वॉशिंग मशीन इंसानी शरीर का विश्लेषण करके उसे धोने और सुखाने की प्रक्रिया पूरी करती है। इस डिवाइस को ओसाका में आयोजित एक्सपो में दिखाया गया है और कंपनी का कहना है कि जल्द ही इसे 1,000 लोगों पर टेस्ट के लिए पेश किया जाएगा। कंपनी का दावा है कि यह मशीन केवल 15 मिनट में इंसान के शरीर को धोकर सुखा देती है। इसका पूरा काम एक वॉशिंग मशीन की तरह होता है - पहले शरीर को धोना और फिर उसे पूरी तरह से सुखाना। सुखाने का मतलब है कि शरीर को नया और ताजगी से भर देना। इस मशीन का डिज़ाइन फाइटर जेट के कॉकपिट जैसा दिखता है लेकिन इसका काम इंसान के शरीर को साफ करना और सुखाना है।

यह डिवाइस शरीर की सफाई के लिए वॉटर जेट्स और माइक्रोस्कोपिक बबल्स का इस्तेमाल करती है। इनसे शरीर की गहरी सफाई होती है और एक स्पा जैसी फीलिंग आती है। इस मशीन में एआई सेंसर लगाए गए हैं जो हर व्यक्ति की स्किन और शारीरिक जरूरतों के हिसाब से सफाई करते हैं। तापमान और प्रेशर को भी मशीन खुद-ब-खुद एडजस्ट करती है। यह मशीन इंसान की भावनाओं को भी समझने में सक्षम है और उसके अनुसार अपना काम करती है।

मशीन शरीर के बायोलॉजिकल डाटा का विश्लेषण करके उसे बबल्स से धोती है। एआई मशीन यह जानती है कि शरीर को कब और कैसे रिलेक्स किया जाए। इसी के अनुसार यह शरीर को धोने के साथ-साथ इलेक्ट्रोड्स का भी इस्तेमाल करती है। इसके चलते शरीर के हर हिस्से में ताजगी और ऊर्जा का संचार होता है और बाद में शरीर पूरी तरह से शांत और रिलेक्स महसूस करता है।

यह नई वॉशिंग मशीन केवल एक मशीन नहीं बल्कि भविष्य की एक तकनीकी क्रांति का हिस्सा है। अगर यह डिवाइस सफल रहती है तो यह न सिर्फ व्यक्तिगत देखभाल के तरीके को बदल देगी बल्कि स्वास्थ्य और सुख-चैन के क्षेत्र में भी नई दिशा दे सकती है। इसके जरिए न सिर्फ सफाई बल्कि शारीरिक और मानसिक शांति भी प्राप्त की जा सकती है।

अंत कह सकते हैं कि इस अद्भुत मशीन के आने से भविष्य में हर व्यक्ति को अपनी देखभाल और आराम के लिए एक स्मार्ट वॉशिंग मशीन मिल सकती है जो शरीर को न सिर्फ साफ बल्कि स्वस्थ भी बनाए रखेगी।

जापान सरकार ने घटती जनसंख्या को देखते हुए हफ्ते में तीन दिन छुट्टी का किया ऐलान

टोक्यो, एजेंसी।
जापान की राजधानी टोक्यो में घटती जनसंख्या को देखते हुए सरकार ने बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। यहां जल्द ही चार दिन का वर्कवीक लागू किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य लोगों को परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका देना है, जिससे वे अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित हों।

टोक्यो के गवर्नर ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल से कर्मचारियों को हफ्ते में तीन दिन की छुट्टी मिलेगी। इसके साथ ही, जिन कर्मचारियों के बच्चे प्राइमरी स्कूल में हैं, उन्हें समय पर काम से घर जाने की अनुमति दी जाएगी। गवर्नर ने कहा, हम ऐसा सिस्टम बनाएंगे, जिसमें किसी को करियर और परिवार के बीच समझौता नहीं करना पड़े। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जापान की वर्तमान जन्मदर सिर्फ 1.2त्र है, जबकि आबादी को स्थिर रखने के लिए यह दर 2.1त्र होनी चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह दर नहीं बढ़ी, तो अगले 120 वर्षों में जापान विश्व के नक्शे से गायब हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि शहरीकरण, आधुनिकीकरण, देर से शादी का प्रचलन, परिवार नियोजन, और आर्थिक दबाव जैसे कारण जन्मदर में गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं। जापान में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ता जा रहा है। जानकारों का कहना है कि चार दिन का वर्कवीक इस समस्या का एक संभावित समाधान हो सकता है। इससे लोग परिवार के साथ अधिक समय बिता सकेंगे और बच्चों की देखभाल भी बेहतर तरीके से कर सकेंगे। जापान के इस कदम से यह उम्मीद की जा रही है कि इससे जन्मदर को बढ़ावा मिलेगा।

पूर्व आईएसआई प्रमुख फैज हमीद पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व चीफ लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) फैज हमीद पर औपचारिक तौर पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। इससे उनके फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल (एफजीसीएम) का रास्ता साफ हो गया है। पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मंगलवार को ऐलान किया कि हमीद को राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

रिटायर्ड जनरल को अब डीजी-आईएसआई के रूप में उनकी गतिविधियों को लेकर गंभीर जांच का सामना करना पड़ेगा। हमीद पर यह आरोप भी है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा 9 मई, 2023 को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हिंसक हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उन्होंने सीक्रेट समर्थन दिया। आईएसपीआर की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 12 अगस्त 2024 को लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (रिटायर्ड) के खिलाफ पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधान के तहत एफजीसीएम की प्रक्रिया शुरू की गई। सबसे पहले उन्हें औपचारिक रूप से राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने, राज्य की सुरक्षा और हित के लिए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने, अधिकार और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग और किसी व्यक्ति (व्यक्तियों) को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाने के लिए आरोपित किया गया। आईएसपीआर ने कहा, इस प्रक्रिया के दौरान, राजनीतिक हितों के साथ मिलीभगत के तहत अस्थिरता फैलाने वाली 9 मई 2023 की घटना सहित कई संबंधित घटनाओं में लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के शामिल होने की अलग से जांच की जा रही है।

यमन के हौथी समूह ने तीन अमेरिकी सैन्य आपूर्ति जहाजों को निशाना बनाने का दावा किया

सना, एजेंसी। यमन के हौथी समूह ने जिबूती बंदरगाह से रवाना होने के बाद तीन अमेरिकी सैन्य आपूर्ति जहाजों को निशाना बनाने का दावा किया। हौथी सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने एक टेलीविजन बयान में कहा, हमने अदन की खाड़ी में दो अमेरिकी विध्वंसक जहाजों को भी निशाना बनाया, जो आपूर्ति जहाजों की सुरक्षा कर रहे थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने कहा कि उनके समूह ने अभियान में कई रॉकेट और बम से लदे ड्रोन का इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि यह हमला सटीक था।

उन्होंने दावा किया, यह 10 दिनों में उन्हीं जहाजों और विध्वंसक जहाजों के खिलाफ दूसरा अभियान है। प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि उनके समूह ने मंगलवार सुबह इजरायल के जाफा और अश्कलोन क्षेत्रों में दो ड्रोनों का उपयोग कर इजरायली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। हौथी समूह उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से को नियंत्रित करता है। कथित तौर पर इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष के बीच गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए समूह नवंबर 2023 से इजरायल की ओर रॉकेट और ड्रोन लॉन्च कर रहा है। वह लाल सागर में इजरायल से जुड़ी शिपिंग को रोक रहा है।

जवाब में, जनवरी से ही जलक्षेत्र में तैनात अमेरिकी-ब्रिटिश नौसैनिक गठबंधन ने हौथी ठिकानों पर हवाई हमले और मिसाइल हमले किए हैं, जिसके कारण हौथी हमलों में विस्तार हुआ है। इसमें अमेरिकी और ब्रिटिश कमर्शियल जहाज और नौसैनिक जहाज भी शामिल हो गए हैं।

खौफनाक यातनाओं से डेढ़ लाख की मौत, रेड विंग में फंसे एक लाख; विंग कहां है किसी को नहीं पता

दमिश्क , एजेंसी।
सीरिया में बशर-अल असद सरकार के तख्तापलट को क्रूर शासन का अंत माना जा रहा है। इससे वे हजारों लोग खुश हैं, जिनके परिजन तानाशाह बशर अल असद की क्रूरता के शिकार बने थे। असद ने अपने खिलाफ आवाज उठाने वाले लाखों लोगों को कुख्यात सेडनाया जेल की काल कोठरियों में डाल दिया था।

एमनेस्टी इंटरनेशनल की मानें तो सीरिया में बशर-अल असद के स्लॉटर हाउस (बूचड़खाने) में कैदियों को 72 से ज्यादा तरह से यातनाएं दी जाती थीं। इस स्लॉटरहाउस में 1.57 लाख से ज्यादा लोगों को यातनाएं देकर मार डाला गया था। मरने वालों में 5,274 बच्चे और 10,221 महिलाएं शामिल थीं।

असद के भाग जाने और स्लाटर हाउस पर विद्रोहियों के कब्जे के बाद हजारों सीरियाई लोग सेडनाया जेल के बाहर पहुंच गए हैं। यहां वे सभी असद के शासन के दौरान गिरफ्तार या लापता अपने परिजनों के बारे में जानकारी मिलने की उम्मीद से पहुंचे हैं। सेडनाया जेल यानी असद का स्लॉटर हाउस सीरिया की राजधानी दमिश्क करीब 30 किलोमीटर दूर एक पर पहाड़ी पर बना है। ये जेल दो बारूदी सुरंगों से घिरी है। जब विद्रोहियों ने जेल पर कब्जा किया तो यहां कैद 1500 कैदियों को रिहाई दे दी।

सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि जेल में लाखों कैदी रेड विंग यानी अंडरग्राउंड सेल में कैद हैं। समस्या है है कि कोई नहीं जानता कि ये सेल कहां है और असद के सभी वफादार जेल अधिकारी भाग चुके। जेल के भीतर जाने के लिए एक घुमावदार सीढ़ी है, जोकि मोटी-मोटी सलाखों से कवर है। जेल की तीन विंग में जाने का रास्ता इसी सीढ़ी से होकर जाता है। विद्रोहियों ने जानकारी दी कि जेल के तीनों विंग अपनी-अपनी क्रूरता के लिए कुख्यात हैं।

जेल में आयरन एक्जीक्यूशन प्रेस मिली है, जिसे कैदियों को कुचल कर मारा जाता था। मानवाधिकार संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल ने जेल में 72 तरीकों से यातनाएं देने की रिपोर्ट तैयार की है।

स्टार शटलर पीवी सिंधु ने पीएम मोदी को दिया शादी का निमंत्रण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने अपने होने वाले पति वेंकट दत्त साई के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनके 'प्यार, स्नेह और मार्गदर्शन' के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। सिंधु 22 दिसंबर को वेंकट के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। पीएम मोदी के साथ अपनी मुलाकात पर विचार करते हुए, सिंधु पीएम मोदी की उनके साथ बैडमिंटन और वेंकट के साथ डेटा पर चर्चा करने की क्षमता से आश्चर्यचकित रह गईं।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- आपके साथ समय बिताना हमेशा बहुत खास होता है। सर। हम आपके प्यार, स्नेह और मार्गदर्शन के लिए बहुत आभारी हैं। यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि आप मेरे साथ बैडमिंटन और दत्ता के साथ डेटा पर इतनी सहजता से चर्चा कैसे कर सकते हैं।

एक्स पर निर्मला सीतारमण कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक दृश्य में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने वेंकट के साथ वित्त मंत्री से भी मुलाकात की।

सिंधु ने महान सचिन तेंदुलकर को अपनी शादी में आमंत्रित किया था। शटलर से शादी का निमंत्रण मिलने के बाद तेंदुलकर ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया।

तेंदुलकर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- बैडमिंटन में, स्कोर हमेशा 'प्यार' से शुरू होता है, और वेंकट दत्त साई के साथ आपकी खूबसूरत यात्रा यह सुनिश्चित करती है कि यह हमेशा 'प्यार' के साथ जारी रहे! अपने बड़े दिन का हिस्सा बनने के लिए हमें व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद। आप दोनों को जीवन भर की शुभकामनाएं। शानदार यादें और खुशी की अंतहीन रैलियां!

हरभजन सिंह ने भारतीय कप्तान के हालिया फॉर्म पर किया विचार, कहा- रोहित रन बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के हालिया फॉर्म पर खुलकर बात की और कहा कि उन्हें रन बनाने की जरूरत है। घरेलू मैदान पर ट्रैविस हेड के शानदार शतक और मिशेल स्टार्क तथा पैट कमिंस के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में एडिलेड ओवल में 10 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत ने ऑस्ट्रेलिया को डब्ल्यूटीसी-25 स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान पर वापस लाने में भी मदद की।

हरभजन सिंह ने कहा कि रोहित अगर कुछ रन बनाते हैं तो वे बेहतर सोचेंगे और बेहतर काम करेंगे। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारतीय कप्तान जल्द ही स्कोरबोर्ड पर कुछ रन बनाएंगे। हरभजन ने कहा, एक कप्तान के तौर पर मैं चाहूंगा कि रोहित शर्मा रन बनाएं। जब वह रन बनाएंगे तो बेहतर सोचेंगे और बेहतर काम करेंगे। कोई भी खिलाड़ी कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसे हमेशा अपने प्रदर्शन की चिंता रहती है। इसमें कोई शक नहीं है कि जब कोई खिलाड़ी रन बनाता है तो वह बेहतर निर्णय लेता है। इसलिए, उम्मीद करते हैं कि रोहित शर्मा कुछ रन बनाएं ताकि उनकी कप्तानी बेहतर हो।

गौर हो कि भारत को एडिलेड में दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसके शेष पांच विकेट पहले सत्र में ही गिर गए थे जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को 1-1 से बराबर करने के लिए व्यापक जीत हासिल की। ??भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के 337 रन बनाकर 157 रनों की बढ़त हासिल कर ली, जिसमें ट्रैविस हेड की 141 गेंदों पर 140 रनों की आक्रामक पारी शामिल थी। इसके बाद भारत अपनी दूसरी पारी में 175 रनों पर ढेर हो गया, जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए सिर्फ 19 रनों की जरूरत थी। तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर को ब्रिस्बेन में शुरू होगा।

दबाव सिर्फ उस्मान ख्वाजा पर नहीं बल्कि पूरे शीर्ष क्रम पर है : डेविड वॉर्नर

नई दिल्ली (एजेंसी)।पूर्व बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए रन बनाने की जिम्मेदारी केवल सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा पर नहीं है, बल्कि पूरे शीर्ष छह पर है जिन्हें टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण पर काम का बोझ कम करने के लिए बड़ा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

ख्वाजा ने सीरीज की शुरुआत खराब की है, पहले दो टेस्ट में सिर्फ 34 रन ही बना पाए हैं। शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में उनकी असमर्थता लंबे समय से चल रही है, ऑस्ट्रेलिया के लिए अपनी पिछली 16 पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। हालांकि ख्वाजा अकेले नहीं हैं जो इस परेशानी से जूझ रहे हैं। स्टीव स्मिथ ने तीन पारियों में सिर्फ 19 रन बनाए हैं जबकि मार्नस लाबुशेन ने एडिलेड में 64 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत की है। वार्नर ने कहा, मुझे लगता है कि दबाव सिर्फ 'उज्जी' पर नहीं, बल्कि पूरे शीर्ष क्रम पर है। ट्रैविस ने शानदार शतक बनाया और हम जानते हैं कि वह ऐसा करने में सक्षम है। लेकिन हर कोई इसका समर्थन कर रहा है। यह सिर्फ एक खिलाड़ी की बात नहीं है, बल्कि शीर्ष छह खिलाड़ियों ने बहुत ज़्यादा रन बनाए और सुनिश्चित किया कि तेज गेंदबाज़ों को आराम दिया जाए। पहला मैच तेज गति वाला टेस्ट था, लेकिन इस आखिरी मैच में मिचेल स्टार्क हमेशा की तरह गुलाबी गेंद से अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे।

वार्नर ने नाथन मैकस्वीनी का भी समर्थन किया, जिन्होंने भारत के गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ चुनौतीपूर्ण शुरुआत की है। एडिलेड में पहली पारी में केवल 39 रन बनाने के बावजूद वार्नर ने मैकस्वीनी के स्वभाव और तकनीक की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हमने दूसरे दिन उस इरादे की झलक देखी जो आप रन बनाते समय दिखाते हैं। इस बात को लेकर बहुत सारे सवालिया निशान हैं कि उन्होंने उसे क्यों चुना, लेकिन जो झलकियां आपने देखी हैं, अब हम जानते हैं कि क्यों।

इस्राइल के याहिल बने वाले एललोब्रेगाट ओपन 2024 के विजेता

नईदिल्ली (एजेंसी)। के सबसे मजबूत टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम रखने वाले एललोब्रेगाट ओपन शतरंज 2024 का खिताब इज़राइल के ग्रांड मास्टर याहिल सोकोलोव्स्की नें अपने नाम कर लिया है ,यहिल नें पहले बोर्ड पर अंतिम राउंड में हमवतन इंटरनेशनल मास्टर ओर ब्रोंस्टेन से अपनी बाजी ड्रॉ करते हुए 7.5 अंक बना लिए थे और ऐसे में दूसरे बोर्ड पर खेल रहे टॉप सीड चिली के ग्रांड मास्टर क्रिस्टोबल हेनरिक विजाग्रा के पास मौका था की वह फीडे के ग्रांड मास्टर सव्वा वेतोखिन को पराजित कर पहले स्थान के लिए टाई कर सके पर इस बराबर चल रहे मुक़ाबले में ज्यादा प्रयास करना उन्हे भारी पड़ा और वह बाजी हार गए और ऐसे में 7 अंको के साथ सव्वा वेतोखिन दूसरे स्थान पर पहुँच गए ।

टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार क्रिस्टोबल को बेहतर टाईब्रेक में 6.5 अंको पर तीसरे स्थान के लिए इज़राइल के ग्रांड मास्टर इदों गोर्शतेन से दो ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले जिसमें उन्होने दोनों मुक़ाबले जीतकर 2-0 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया ।

भारतीय महिला खिलाड़ी तेजस्वनी जी नें टूर्नामेंट में 5.5 अंक बनाते हुए 38वां स्थान हासिल किया , बड़ी बात है की इसटूर्नामेंट में उनकी वरीयता 82 थी और उन्होने 2375 रेटिंग का प्रदर्शन करते हुए अपनी लाइव रेटिंग को 2300 के करीब पहुंचाते हुए अपना दूसरा महिला ग्रांड मास्टर नार्म हासिल कर लिया है और इसके साथ ही अब उन्हे महिला ग्रांड मास्टर बनने के लिए करीब 53 रेटिंग अंक और अंतिम नार्म की जरुरत है ।

मेरीवाला, पांड्या और शेठ की शानदार गेंदबाजी, बंगाल को हराकर बड़ौदा सेमीफाइनल में

बेंगलुरु (एजेंसी)। शाश्वत रावत (40), अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत (37) के बाद लुकमन मेरीवाला, हार्दिक पांड्या और अतीत शेठ के (3-3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बड़ौदा ने बुधवार को पहले क्वार्टर फाइनल में बंगाल को 41 रनों से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया हैं।

बड़ौदा के 172 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बंगाल की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 31 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिए। करण लाल (छह), कप्तान सुदीप कुमार घरामी (दो), ऋतिक चटर्जी (शून्य) और अभिषेक पोरेल (22)रन बनाकर आउट हुए। ऋत्विक रॉय चौधरी और शाहबाज अहमद ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में हार्दिक पांड्या ने ऋत्विक रॉय चौधरी (29) को आउट कर बड़ौदा के लिए चौथा विकेट झटका।

इसके बाद तो बड़ौदा के गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगाल का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। प्रदीप्त प्रमाणिक (तीन), सक्षम चौधरी (सात), मोहम्मद शमी (शून्य) और सायन घोष (0) पर आउट हुए। शाहबाज अहमद ने 36 गेंदों में 55 रनों की पारी खेली। बड़ौदा के गेंदबाजों ने बंगाल की पूरी टीम को 18 ओवरों में 131 रन पर समेट कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। बड़ौदा की ओर से लुकमन मेरीवाला, हार्दिक पांड्या और अतीत शेठ के (3-3 विकेट) लिए। अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बंगाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बड़ौदा के लिए शाश्वत रावत और अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़े। 10वें ओवर में सक्षम चौधरी ने अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत (37) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

अगले ही ओवर में प्रदीप्त प्रमाणिक ने शाश्वत रावत (40) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान क्रुणाल पांड्या (10), हार्दिक पंड्या (सात), शिवालिक शर्मा (24), भानु पनिया (17) और अतीत शेठ (शून्य) पर आउट हुये। विष्णु सोलंकी (16) और महेश पिठिया (छह) रन बनाकर नाबाद रहे। बड़ौदा ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 172 रनों का स्कोर खड़ा किया। बंगाल की ओर से मोहम्मद शमी, कनिष्क सेठ और प्रदीप्त प्रमाणिक दो-दो विकेट लिये। सक्षम चौधरी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

वेस्टइंडीज ने 10 साल में पहली बार बांग्लादेश से वनडे श्रृंखला जीती

बासेटेरे (सेंट किट्स एंड नेविस) (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जेडन सील्स के चार विकेट और सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग के आकर्षक अर्धशतक की मदद से वेस्टइंडीज में दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को 79 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई।

वेस्टइंडीज ने पहले बांग्लादेश को 46 ओवर में 227 रन पर आउट कर दिया और फिर 36.5 ओवर में तीन विकेट पर 230 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। यह पिछले 10 वर्षों में पहला अवसर है जबकि वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश से वनडे श्रृंखला जीती है। उसने रविवार को इसी मैदान पर खेला गया पहला मैच पांच विकेट से जीता था। तीसरा और अंतिम वनडे इसी मैदान पर गुरुवार को खेला जाएगा।

बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। एक समय उसका स्कोर सात विकेट पर 115 रन था।

महमुदुल्लाह (62) और तंजीम हसन साकिब (45) ने यहां से 92 रन की साझेदारी करके टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन ने 46 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की तरफ से सील्स ने 22 रन देकर चार विकेट लिए।

लिंडे का ऑलराउंड प्रदर्शन और मिलर की आतिशी पारी, दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को हराया

डरबन (एजेंसी)। जॉर्ज लिंडे (48 रन और चार विकेट) के हरफनमौल प्रदर्शन और डेविड मिलर (82) रनों की आतिशी पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 11 रनों से शिकस्त दी। जॉर्ज लिंडे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

दक्षिण अफ्रीका के 183 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने बाबर आजम (शून्य) का विकेट तीसरे ही ओवर में गवां दिया। इसके बाद सईम अयूब ने कप्तान मोहम्मद रिजवान के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में ऐंडिले सिमेलाने ने सईम अयूब (31) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 10वें ओवर मे लिंडे ने उस्मान खान (नौ) को आउट किया।

तय्यब ताहिर (18), शाहीन शाह अफरीदी (9), इरफान खान (एक) और अब्बास अफरीदी (0) पर आउट हुए। हालांकि कप्तान मोहम्मद रिजवान एक छोर थामे खड़े रहे। 20वें ओवर में वेना मफाका ने मोहम्मद रिजवान को आउट कर पाकिस्तान के मैच जीतने की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। रिजवान ने 62 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (74) रनों की पारी खेली। हारिस रउफ (दो) और सुफियान मकीम (पांच) रन बनाकर नाबाद रहे।

वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 172 रन ही बना सकी और 11 रनों से मैच हार गई। वेस्टइंडीज की ओर से जॉर्ज लिंडे ने 21 रन देकर चार विकेट लिए। वेना मफाका को दो विकेट मिले। ऑटनील बाटमैंन और ऐंडिले सिमेलाने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डेविड मिलर (82) और जॉर्ज लिंडे (48) रनों की शानदार पारियों के दम पर निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 183रन का स्कोर खड़ा किया।

कप्तान हाइनरिक क्लासन (12) और वेना मफाका (नाबाद (12) रनों का योगदान दिया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने तीन-तीन विकेट झटके। अब्बास अफरीदी को दो विकेट मिले। सुफियान मकीम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।